राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

10 बिक रही है जयप्रकाश एसोसिएट्स......

अब देश में ही होगा रेयर अर्थ मैग्नेट का उत्पादन...... 10

वर्ष : 16 | अंक : 52 | नई दिल्ली, गुरूवार, 26 जून, 2025 | विक्रम संवत् 2082 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03 .00 | www.pratahkiran.com

इमरजेंसी के 50 साल : पीएम मोदी ने द इमरजेंसी डायरीज में बयां किया आपातकाल का अपना सफर

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में इमरजेंसी के 50 साल पूरे होने पर अपनी भूमिका से जुड़ी एक किताब को सोशल मीडिया पर साझा किया है। उन्होंने द इमरजेंसी डायरीज में आपातकाल (1975-1977) के दौरान अपने सफर को साझा किया है। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, आपातकाल के दौरान मैं एक युवा आरएसएस प्रचारक था। आपातकाल विरोधी आंदोलन मेरे लिए एक बड़ा सीखने का अनुभव था। इसने हमारे लोकतांत्रिक ढांचे को संरक्षित रखने की महत्ता को और मजबूत किया। साथ ही, मुझे विभिन्न राजनीतिक विचारधाराओं के लोगों से बहुत कुछ सीखने का मौका मिला। उन्होंने कहा, मुझे खुशी है कि ब्लूक्राफ्ट डिजिटल फाउंडेशन ने उन अनुभवों को एक किताब के रूप में संकलित किया है, जिसकी प्रस्तावना एचडी देवेगौड़ा ने लिखी है, जो स्वयं आपातकाल विरोधी आंदोलन के एक मजबूत नेता रहे हैं। द इमरजेंसी डायरीज में मैंने आपातकाल (1975-1977) के दौरान के अपने सफर को साझा किया है। इसने उस समय की कई यादें ताजा कर दी। मैं उन सभी लोगों से आग्रह करता हूं, जिन्हें आपातकाल के वो काले दिन याद हैं या जिनके परिवारों ने उस समय कष्ट झेले, वे अपने अनुभव सोशल मीडिया पर साझा करें। इससे युवाओं में उस शर्मनाक दौर के बारे में जागरूकता बढ़ेगी। इस किताब में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 जून 2024 को आपातकाल के काले दिनों को याद करते हुए दिए बयान का जिक्र किया गया है। इसमें कहा गया, भारत की नई पीढ़ी को

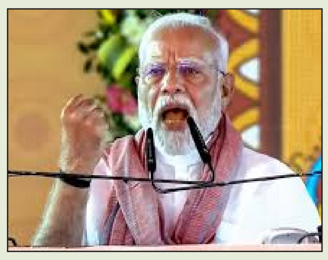

कभी नहीं भूलना चाहिए कि कैसे संविधान को पूरी तरह से नजरअंदाज किया गया, उसे तार-तार किया गया और देश को एक जेल में बदल दिया गया, जहां लोकतंत्र को पूरी तरह कुचल दिया गया। इस किताब में आगे बताया गया, 1970 के दशक के मध्य में जब भारत आपातकाल की लोहे की जंजीरों में जकड़ा था, लोकतंत्र कैद में था। उस समय नरेंद्र मोदी, जो तब एक युवा संघ प्रचारक थे, कई अन्य प्रमुख नेताओं और कार्यकताओं के साथ इंदिरा गांधी के तानाशाही शासन के खिलाफ खड़े होने वाले नेताओं की पहली पंक्ति में थे। यह पुस्तक भारतीय लोकतंत्र के सबसे अंधेरे दौर के दौरान उनके अनकहे अनुभवों को उजागर करती है। आपातकाल के दौरान पीएम मोदी का सफर सत्तावाद के खिलाफ संघर्ष की एक अनूठी, जमीनी कहानी प्रस्तुत करता है। उनकी गुप्त गतिविधियों, खतरों से बाल-बाल बचने, और लोकतंत्र को बहाल करने की अटूट प्रतिबद्धता को इस किताब में देखा जा सकता है, जो उस डर और दमन के माहौल में उनके कार्यों को दशार्ती है। यह भी बताया गया, उनकी आत्मकथा संघर्ष मा गुजरात और अन्य प्रत्यक्षदर्शी विवरणों के आधार पर यह पुस्तक भारत के इतिहास के एक महत्वपूर्ण क्षण को रोशनी में लाती है और उस नेता के जीवन के एक रचनात्मक अध्याय को सामने लाती है, जो आज विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के सर्वोच्च पद की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। यह कहानी है दृढ़ता, चतुराई और संविधान में निहित लोकतांत्रिक आदर्शों व संस्थानों को संरक्षित करने की अटल निष्ठा की। यह एक प्रमाण है कि कैसे मोदी जैसे मेहनती युवा कार्यकताओं के नेतृत्व में जनता के संकल्प ने एक ऐसे आंदोलन को आकार दिया, जिसने राष्ट्र के भाग्य को बदल दिया।

मौसम

अधिकतम तापमान 32.0°C

न्यूनतम तापमान 23.0°C

बाजार

सोना 80,405

चांदी 1,1000

सेंसेक्स 80,220

निफ्टी 24,472

लोकतंत्र की महत्ता को बनाए रखने के लिए आपातकाल की याद जीवंत रखना जरूरी : शाह

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि जनता के मन में लोकतंत्र की महत्ता और आस्था को बनाए रखने के लिए आपातकाल की याद जीवंत रखना जरूरी है और यदि इसे भुला दिया जाए तो यह लोकतांत्रिक राष्ट्र के लिए एक बहुत बड़ा खतरा बन सकता है। भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री शाह ने आज यहां प्रधानमंत्री संग्रहालय में आपातकाल के 50 वर्ष विषय पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 25 जून को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाए जाने का निर्णय लिया है। आपातकाल जैसी घटना, लोकतंत्र की नींव को हिला दिया था यदि उसकी स्मृति समाज के मन से मिटने लगे, तो यह किसी भी लोकतांत्रिक राष्ट्र के लिए एक बहुत बड़ा खतरा बन सकता है। ऐसी घटनाओं की स्मृति युवाओं और किशोरों की चेतना से धीरे-धीरे मिटने लगती है, तब इस प्रकार की संगोष्ठियां और संविधान हत्या दिवस जैसे आयोजन उस स्मृति को पुनर्जीवित करने का कार्य करते हैं। कार्यक्रम में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी रिसर्च फाउंडेशन के अध्यक्ष अनिर्बान गांगुली और पाञ्चजन्य के प्रमुख संपादक हितेश

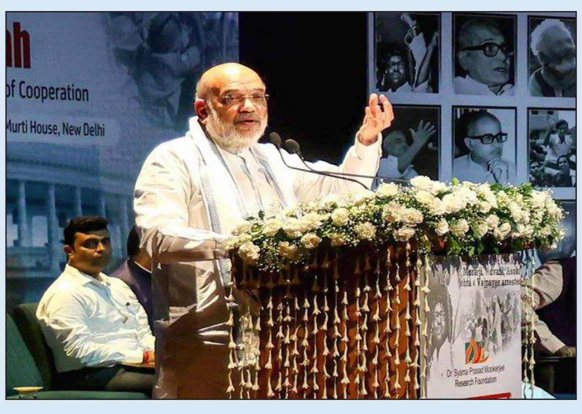

शंकर सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। श्री शाह ने कहा कि अक्सर लोगों के मन में सवाल उठते हैं कि 50 वर्ष पहले हुए आपातकाल की चर्चा करने का अब औचित्य क्या है? प्रधानमंत्री श्री मोदी ने यह निर्णय लिया कि 25 जून को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाया जाएगा तब भी यह सवाल बार-बार उठाए गए। लेकिन आज का दिन इस संगोष्ठी के लिए सबसे उपयुक्त है। क्योंकि हर तरह की घटना के 50 वर्ष पूरे होने पर सामाजिक स्मृति में उसकी तस्वीर धुंधली पड़ने लगती है। आपातकाल जैसी घटना, लोकतंत्र की नींव को हिला दिया था, यदि उसकी स्मृति समाज के मन से मिटने लगे, तो यह किसी भी लोकतांत्रिक राष्ट्र के लिए एक बहुत बड़ा खतरा बन सकता है। लोकतंत्र और तानाशाही केवल व्यक्ति से जुड़े हुए नहीं हैं, बल्कि मन की दो अलग-अलग प्रवृत्तियां हैं, जो मानव स्वभाव में निहित हैं। ये भावनाएं समय-समय पर समाज और देश के समक्ष फिर से उभर कर चुनौती बन सकती हैं। अगर तानाशाही की प्रवृत्ति दोबारा चुनौती बन सकती है, तो लोकतांत्रिक स्वभाव भी देश के कल्याण के लिए उतना ही आवश्यक है। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री कहा कि जब पीढ़ियां बदलती हैं और ऐसी घटनाओं की स्मृति युवाओं और किशोरों की चेतना से धीरे-धीरे मिटने लगती है, तब इस प्रकार की संगोष्ठियां और संविधान हत्या दिवस जैसे आयोजन उस स्मृति को पुनर्जीवित करने का कार्य करते हैं। यह सदैव याद रखना चाहिए कि आपातकाल को हटाने के लिए कितनी बड़ी लड़ाई लड़ी गयी थी। उस समय लाखों लोग जेलों में बंद थे, लोग अपना परिवार, अपना करियर और यहां तक कि अपना सब कुछ न्योछावर करके भी डटे रहे। मगर इसी लड़ाई ने भारत में लोकतंत्र को जीवित रखा और आज, भारत विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में गर्व से खड़ा है। इस जीत का मूल कारण था भारत देश की जनता। भारत की जनता तानाशाही को कभी स्वीकार नहीं कर सकती। क्योंकि, सच्चाई यही है कि पूरी दुनिया में लोकतंत्र का बीज तो सबसे पहले भारत की धरती पर ही प्रस्फुटित हुआ था। भारत को लोकतंत्र की जननी माना जाता है। यहां लोकतंत्र सिर्फ संविधान की भावना में नहीं, बल्कि जनमानस के स्वभाव में बसा हुआ है। संविधान निमार्ताओं ने जनता की भावना को ही शब्दों में ढालकर संविधान में व्यक्त किया है। कोई डर के कारण चुप रहा होगा, कोई कफन बांध कर लड़ा होगा, किसी ने पीड़ा सहकर सब कुछ झेला होगा, तो कोई समय की प्रतीक्षा करता रहा होगा, लेकिन उस समय के किसी भी सजग नागरिक को आपातकाल पसंद नहीं आया होगा। सिवाय तानाशाहों और उनके चारों ओर जमा एक छोटे से स्वार्थी गुट को। जब यह भ्रम फैल गया कि कांग्रेस को कौन चुनौती देगा, तब जनता खड़ी हो गई, आपातकाल हटाने पर मजबूर हुई, चुनाव हुआ और आजादी के बाद पहली बार एक गैर-कांग्रेसी सरकार बनी, जिसमें जनता पार्टी के श्री मोरारजी देसाई देश के प्रधानमंत्री बने। श्री शाह ने कहा कि दस्तावेजों में भले ही पचास साल बीत चुके हों, परंतु करोड़ों भारतीयों के मन में उस समय की स्मृति आज भी उतनी ही ताजा है जितनी 24 जून 1975 की रात को थी। स्वतंत्र भारत के इतिहास की वह रात शायद सबसे लंबी थी और एक प्रकार से सबसे छोटी भी। सबसे लंबी भी इसलिए, क्योंकि इस रात की सुबह पूरे 21 महीने बाद आई। 21 महीनों के बाद ही देश में फिर से लोकतंत्र लौटा और सबसे छोटी इसलिए, क्योंकि जिन अधिकारों को स्थापित करने के लिए विधिक प्रक्रिया, संसद की गरिमा और नागरिक सम्मान की रक्षा हेतु जो नियम बनाए गए थे, जिनका निर्माण दो वर्ष, 11 महीने और 18 दिन में हुआ, उन्हें एक झटके में नष्ट कर दिया गया। उन्होंने कहा कि हमारे संविधान का निर्माण एक तपस्या था। इसमें 13 समितियां बनीं, 11 सत्रों में 165 दिनों की चर्चा हुई, 163 दिनों में 114 दिन संविधान के विभिन्न प्रावधानों पर व्यापक बहस हुई। कुल 1100 घंटे और 32 मिनट चर्चा हुई, सात सदस्यीय प्रारूप समिति ने उसे अंतिम रूप दिया।

ऐतिहासिक एक्सिओम-4 मिशन आईआईएस रवाना

चेन्नई, एजेंसी

चेन्नई। अरबों लोगों की उम्मीदों और सपनों वाला एक्सिओम मिशन-4 भारतीय यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला और चालक दल के तीन अन्य सदस्यों को लेकर अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए दिन में 12 बजकर एक मिनट पर कैनेडी स्पेस सेंटर से रवाना हुआ। यह मिशन 14 दिन की अवधि का है यह मिशन 28 घंटों की यात्रा के बाद कल सुबह सात बजे अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर उतरेगा। मिशन में भारत, हंगरी,अमेरिका और पौलेंड के यात्री शामिल हैं। इस मिशन के पायलट शुभांशु शुक्ला हैं और मिशन का नेतृत्व कमांडर पैगी व्हिटसन कर रही हैं। हंगरी के अंतरिक्ष यात्री टिबोर कपू तथा पौलेंड के स्लावोज उज्नान्सकी-विस्नीवस्की मिशन विशेषज्ञ हैं। नासा के सहयोग से यह ऐतिहासिक और प्रतिष्ठित मिशन भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक नया मील का पत्थर साबित होगा जो नए क्षितिज की खोज के लिए मार्ग प्रशस्त करेगा क्योंकि यह भारत के तीन बेहद सफल चंद्र मिशनों और स्पैडेक्स प्रायोगिक डॉकिंग मिशन की पृष्ठभूमि में आता है। इसने अमेरिका, रूस और चीन के बाद भारत को अंतरिक्ष में डॉकिंग और अनडॉकिंग तकनीक में महारत हासिल करने वाला चौथा देश बनने में सक्षम बनाया। एक्सिओम मिशन भारत के पहले मानव अंतरिक्ष यान मिशन, गगनयान के लिए महत्वपूर्ण होगा, जिसे मानव रहित मिशनों के परीक्षण के बाद एक या दो साल बाद निर्धारित किया गया है। भारत ने वर्ष 2040 तक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। इस मिशन की पहली उड़ान 29 मई को उड़ान निर्धारित थी लेकिन प्रतिकूल मौसम परिस्थितियों,एलओएक्स लीक और आईएसएस में मरम्मत कार्यों सहित विभिन्न कारणों से छह बार इसका प्रक्षेपण टला लेकिन आज इसने आखिरकार लॉन्च पैड से शानदार तरीके से उड़ान भरी।

संक्षिप्त खबरें

एससीओ बैठक में आतंकवाद के खात्मे के लिए एकजुटता पर बल देंगे राजनाथ

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि वह चीन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में वैश्विक शांति और सुरक्षा पर भारत का दृष्टिकोण रखेंगे तथा सदस्य देशों से आतंकवाद को मिलकर खत्म करने का आह्वान करेंगे। श्री सिंह ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर एक पोस्ट में कहा कि वह एससीओ की बैठक में शामिल होने जा रहे हैं। उन्होंने कहा, ह्व आज मैं शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए कि ंगदाओ, चीन के लिए रवाना हो रहा हूँ। मुझे विभिन्न रक्षा मंत्रियों के साथ विभिन्न मुद्दों पर बातचीत करने का अवसर मिलेगा। वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए भारत के दृष्टिकोण को प्रस्तुत करने और आतंकवाद को खत्म करने के लिए संयुक्त और लगातार प्रयासों का आह्वान करने के लिए उत्सुक हूँ। उल्लेखनीय है कि चीन की अध्यक्षता में आज से एससीओ की दो दिन की बैठक हो रही है। एससीओ सदस्य देशों की संप्रभुता, राष्ट्रों की क्षेत्रीय अखंडता, आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करने, आपसी सम्मान, समझ और सभी सदस्य देशों की समानता के सिद्धांतों पर आधारित नीति का पालन करता है। एससीओ का गठन वर्ष 2001 में किया गया था और यह एक अंतर-सरकारी संगठन है।

पुणे मेट्रो के विस्तार को मिली कैबिनेट की हरी झंडी

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्र सरकार ने महाराष्ट्र के पुणे में मेट्रो रेल नेटवर्क में दूसरे कॉरीडोर के विस्तार की 3626.24 करोड़ रुपये की परियोजना को बुधवार को मंजूरी दे दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की आज यहां हुई बैठक में इस परियोजना को मंजूरी दी गई। रेल, सूचना प्रसारण, इलैक्ट्रानिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि आज की बैठक में पुणे मेट्रो रेल परियोजना के दूसरे चरणः वनाज से चांदनी चौक (कॉरिडोर 2ए) और रामवाड़ी से वाघोली/विट्ठलवाड़ी (कॉरिडोर 2बी) को स्वीजकृति दी गई है। उन्होंने कहा कि यह चरण-1 के तहत मौजूदा वनाज-रामवाड़ी कॉरिडोर का विस्तार है। ये दो एलिवेटेड कॉरिडोर 12.75 किलोमीटर तक फैले होंगे और इनमें 13 स्टेशन शामिल होंगे, जो चांदनी चौक, बावधन, कोथरुड, खराडी और वाघोली जैसे तेजी से विकसित हो रहे उपनगरों को जोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि इस परियोजना को चार साल में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। श्री वैष्णव ने कहा कि परियोजना की अनुमानित लागत 3626.24 करोड़ रुपये है, जिसे केन्द्र सरकार, महाराष्ट्र सरकार और बाहरी द्विपक्षीय/बहुपक्षीय एजेंसियों द्वारा समान रूप से साझा किया जाएगा। यह रणनीतिक प्रस्ताव मौजूदा कॉरिडोर-2 का युक्तिसंगत विस्तार है और व्यापक आवाजाही योजना (सीएमपी) के साथ तालमेल रखता है, जो पुणे में पूर्व से पश्चिम के बीच आम लोगों की सुविधा के लिए परिवहन प्रणाली को मजबूत करने के लिए चांदनी चौक से वाघोली मेट्रो कॉरिडोर तक एक सतत विकास का लक्ष्यल रखता है। उन्होंने कहा कि ये विस्तार प्रमुख आईटी हब, वाणिज्यिक क्षेत्रों, शैक्षणिक संस्थानों और आवासीय क्षेत्रों की जरूरतों को पूरा करेंगे, जिससे पूरे नेटवर्क में सार्वजनिक परिवहन और सवारियों की भागीदारी बढ़ेगी। नए कॉरिडोर जिला न्यायालय इंटरचेंज स्टेशन को लाइन-1 (निगडी-काटराज) और लाइन-3 (हिंजेवाड़ी-जिला न्यायालय) के साथ एकीकृत करेंगे, ताकि निर्बाध मल्टीमॉडल शहरी यात्रा को सक्षम किया जा सके।

शिवराज सिंह चौहान ने विकसित कृषि संकल्प अभियान के कामकाज की बृहद समीक्षा की

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज नई दिल्ली स्थित पूसा कैंपस में आयोजित विकसित कृषि संकल्प अभियान अनुभव एवं भविष्य की कार्य योजना पर चर्चा की और नोडल अधिकारियों के प्रस्तुतीकरण को देखा। 29 मई से 12 जून तक अभियान के सफल आयोजन के बाद आगे की रणनीतियों पर लगातार गंभीरतापूर्वक विचार-विमर्श और मंथन चल रहा है। आज इसी क्रम में अभियान के दौरान गठित 2,170 टीमों के नोडल अधिकारियों ने पूसा कैंपस में उपस्थित रहकर एवं

वर्चुअल माध्यम से जुड़कर केंद्रीय कृषि मंत्री के समक्ष प्रस्तुतीकरण दिया एवं अभियान के परिणामों, सुझावों, अनुभवों और भविष्य की अनुसंधान दिशा पर विस्तृत जानकारी दी। अपने उद्घाटन भाषण में श्री चौहान ने कहा कि अभियान ने एक नया इतिहास रचा है। यह अभियान स्वतंत्र भारत की अद्भुत घटना रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लैब टू लैंड से प्रेरणा लेकर साठ हजार से ज्यादा गांवों तक वैज्ञानिकों की टीम ने पहुंच सुनिश्चित की। उन्होंने कहा कि यह अभियान रुकेगा नहीं, लगातार कोशिश करेंगे कि वैज्ञानिक, विभाग के अधिकारी, किसान एक टीम के रूप में कार्य करें और लगातार खेतों में जाकर किसानों से संपर्क करें। इस अभियान का लक्ष्य, किसानों की आय बढ़ाना, देश की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना, हिंदुस्तान को विश्व का फूड बास्केट बनाना है। उन्होंने कहा कि पोषक आहार के लिए बायो फोर्टिफाइड किस्मों का विकास तथा इसे उत्पादन प्रणाली में शामिल करना, आने वाली पीढ़ी के लिए धरती को सुरक्षित करने के लक्ष्य को इस अभियान में शामिल किया गया है। श्री चौहान ने कहा कि किसानों का लाभ बढ़ाने के लिए उत्पादन बढ़ाना तथा कृषि की लागत घटाने हेतु यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। इस अभियान का उद्देश्य बहुत उपयोगी और व्यापक है। अभियान के जरिए प्राप्त जानकारी से किसानों की जिंदगी बदलेगी साथ ही देश में अन्न, फल और सब्जियों का भंडार भी भरेंगे। अंत में समीक्षा कार्यक्रम के बाद श्री चौहान ने समापन संबोधन में कहा कि समीक्षा सुनना भी साधना है। राष्ट्रीय संकल्प का स्मरण है। जो देखा, जो सुना, जो अनुभव किया, वो आंकड़े नहीं, देशवासियों की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब हैं।

सम्मेलन देश में संघवाद की बात कर सभी राज्यों के साथ समानता की बात करते हैं......................

पद की गरिमा घटाने वाले मोदी करते हैं आपातकाल की बात : कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर सीधा हमला करते हुए कहा है कि उन्होंने प्रधानमंत्री पद की गरिमा घटाई है और देश के संविधान की धज्जियां उड़ा रहे हैं और अब कांग्रेस नेता राहुल गांधी के संविधान बचाओ अभियान की लोकप्रियता से घबराकर आपातकाल की बात कर अपनी सरकार की विफलता को छिपाने का प्रयास कर रहे हैं। खरगे ने बुधवार को यहां पार्टी के नये मुख्यालय इंदिरा भवन में विशेष संवाददाता सम्मेलन में कहा कि श्री मोदी देश में संघवाद की बात कर सभी राज्यों के साथ समानता की बात करते हैं, लेकिन सच यह है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और गैर-भाजपा शासित राज्यों के

प्रति उनका नजरिया भिन्न-भिन्न होता है। मोदी और उनकी सरकार संविधान और लोकतंत्र की सुरक्षा करने में असफल रही है और विपक्ष के साथ जबरदस्त भेदभाव कर देश को बर्बाद करने का काम कर रही है। उनका कहना था कि जब पूरा देश पहलगाम हमले के बाद एकजुट था और कांग्रेस सहित सारे विपक्ष ने सरकार के हर फैसले में उसका साथ दिया तो जवाब में मोदी सरकार जनता और लोकतंत्र के हितों को महत्व देने की बजाय आपातकाल की बात कर विपक्ष के खिलाफ साजिश कर रही है। उन्होंने कहा कि श्री मोदी कह रहे हैं कि आपातकाल में देश के लोकतंत्र को खत्म कर दिया गया था और अब उसे बहाल किया जा रहा है। कमाल यह है कि संविधान बचाने की बात वे कर रहे हैं जिनका देश की आजादी के आंदोलन और संविधान निर्माण में कोई योगदान नहीं रहा। जिन लोगों ने इस संविधान को बनाने में सहयोग नहीं दिया, हमेशा संविधान के खिलाफ बात करते रहे, जिस संविधान को बाबा साहेब अंबेडकर, पंडित जवाहरलाल नेहरू, महात्मा गांधी और संविधान सभा ने तैयार किया उसे आरएसएस के लोगों ने रामलीला मैदान में जलाया और बाबा साहेब अंबेडकर, नेहरू जी और गांधी जी का पुतला फूंका था। आरएसएस के लोगों का कहना था कि जो संविधान बाबा साहेब अंबेडकर जी ने बनाया है, उसमें उनकी पारंपरिक संस्कृति और मनुस्मृति के अंश नहीं हैं इसलिए उस संविधान को नहीं मानेंगे। कांग्रेस अध्यक्ष ने आपातकाल का मुद्दा उठाने पर भाजपा पर हमला करते हुए कहा दरअसल, भाजपा हमारे देशव्यापी संविधान बचाओ आंदोलन से घबरा गई है, इसीलिए आज वे लोग फिर से आपातकाल की बात कर रहे हैं। सच्चाई ये है कि जो लोग अपने शासन में नाकामयाब रहे और जिनकी खुद की सरकार में महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और आर्थिक बदहाली चरम पर है, वे आज लोगों का ध्यान भटका रहे हैं। जो लोग संविधान बचाओ की मांग करते हुए आपातकाल के 50 साल पूरे होने पर उसे बार-बार दोहरा रहे हैं, भूली बिसरी बात उछालने की कोशिश कर रहे हैं उनका देश की आजादी में कोई योगदान नहीं रहा वे आपातकाल की बात करते हैं।

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने आपातकाल और एक्सिओम मिशन पर प्रस्ताव पारित किये

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने देश में आपातकाल की घोषणा के 50 वर्ष पूरे होने के मौके पर बुधवार को यहां एक प्रस्ताव में आपातकाल का विरोध करने और इससे लड़ते हुए बलिदान देने वाले लोगों के प्रति सम्मान व्यक्त किया तथा उन्हें श्रद्धांजलि दी। मंत्रिमंडल ने एक्सिओम -4 मिशन के सफल प्रक्षेपण पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए भी एक प्रस्ताव किया। सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में ये दोनों प्रस्ताव पारित किये गये। उन्होंने बताया कि आपातकाल पर लाये गये प्रस्ताव में मंत्रिमंडल के सदस्यों ने इससे लड़ने वाले अनगिनत लोगों के बलिदानों का स्मरण करने

का संकल्प लिया और संविधान की हत्या के प्रयास को असफल करने वाले इन योदधाओं के प्रति सम्मान व्यक्त किया। प्रस्ताव में कहा गया है कि संविधान पर यह प्रहार 1974 में नवनिर्माण आंदोलन और सम्पूर्ण क्रांति अभियान को कुचलने के कठोर प्रयास के साथ शुरू हुआ था। श्री वैष्णव ने कहा कि सदस्यों ने दो मिनट का मौन रखकर आपातकाल से लड़ते हुए बलिदान देने वाले साहसी लोगों को श्रदधांजलि भी दी। उन सभी नागरिकों को भी श्रद्धांजलि दी गयी जिनके संवैधानिक तथा लोकतांत्रिक अधिकार छीन लिए गए और जिन्हें अकल्पनीय यातनाओं का सामना करना पड़ा। प्रस्ताव में कहा गया है कि वर्ष 2025 संविधान हत्या दिवस की 50वीं वर्षगांठ है। यह भारतीय इतिहास का एक अविस्मरणीय अध्याय था। आपातकाल में संविधान को कुचलने का प्रयास किया गया, भारत की लोकतांत्रिक भावना पर हमला किया गया, और संघवाद को नष्ट किया गया। मौलिक अधिकार, मानवीय स्वतंत्रता और गरिमा को भी खत्म किया गया। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने वरिष्ठ नागरिकों के साथ-साथ युवाओं को भी इन लोकतंत्र सेनानियों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। उन लोगों ने तानाशाही प्रवृत्तियों का विरोध किया और संविधान एवं लोकतांत्रिक भावना की दृढ़ता से रक्षा की। प्रस्ताव में कहा गया है कि लोकतंत्र की जननी के रूप में भारत, संवैधानिक मूल्यों के संरक्षण, सुरक्षा और रक्षा का मूर्तरूप है।

संक्षिप्त समाचार

गंगा स्नान के लिए हरिद्वार पहुंचा था लखनऊ का परिवार, धर्मशाला में हुआ ऐसा कांड; मुकदमा दर्ज

हरिद्वार, एजेंसी। गंगा स्नान के लिए हरिद्वार पहुंचे लखनऊ निवासी एक श्रद्धालु परिवार के पांच मोबाइल फोन, कीमती घड़ी और 61 हजार रुपए की नकदी चोरी हो गई। परिवार हरकी पैड़ी क्षेत्र की आनंद निवास धर्मशाला में ठहरा हुआ था। चोरों ने दिनदहाड़े चार कमरे का ताला तोड़कर घटना को अंजाम दे डाला। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, लखनऊ की एलडीए कॉलोनी, सेक्टर सी-1 निवासी विशाल कुमार सिंह अपने परिवार के साथ गंगा दर्शन के लिए हरिद्वार आए थे। परिवार हरकी पैड़ी क्षेत्र में मोती बाजार स्थित आनंद निवास धर्मशाला के चार कमरों में ठहरा हुआ था। दोपहर में सभी सदस्य कमरों में ताला लगाकर घाट पर स्नान करने गए। स्नान के बाद लौटने पर एक कमरे का ताला टूटा मिला। कमरे से 17 हजार की नकदी सहित पर्स और पांच मोबाइल फोन गायब मिले। जबकि उनकी पत्नी का पर्स भी गायब था। जिसमें 44 हजार की नकदी एक घड़ी और चार मोबाइल फोन थे। सूचना पर पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। शहर कोतवाल रितेश शाह ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। धर्मशाला और आसपास के सीसीटीवी कैमरे चेक करते हुए चोरों का पता लगाया जा रहा है।

तमंचा-कारतूस के साथ एक आरोपी गिरफ्तार, जेल भेजा

हरिद्वार, एजेंसी। सिडकुल थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक युवक को तमंचा और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी मोबाइल लूटने की फिराक में घूम रहा था। पुलिस ने उसे कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार, एएसआई सुभाष रावत टीम के साथ शनिवार देर रात गश्त पर थे। टीम इंद्रलोक कॉलोनी स्थित टेंपो स्टैंड के पास पहुंची तो गंगोत्री होटल वाली गली से आ रहा युवक पुलिस वाहन देखकर वापस मुड़ गया। संदेह होने पर पुलिस ने उसे पकड़ लिया। पूछताछ करते हुए तलाशी लेने प उसके पास से एक तमंचा, एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। थाना प्रभारी निरीक्षक मनोहर सिंह भंडारी ने बताया कि आरोपी ने अपना नाम चांद उर्फ लल्ला निवासी फिरोजाबाद यूपी बताया। पूछताछ में उसने बताया कि वह बेरोजगार है और खर्च चलाने के लिए राह चलते लोगों से मोबाइल छीनने की फिराक में रहता है। विरोध की स्थिति में लोगों को डराने के लिए तमंचा साथ रखता है।

डंपर की टक्कर से पांच साल के बच्चे की मौत, पिता और दादी घायल

हरिद्वार, एजेंसी। पथरी थाना क्षेत्र के शेरपुर गांव के पास एक डंपर ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में पांच वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। बच्चे का पिता व दादी गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भिजवाया। पुलिस के अनुसार, घटना रविवार की देर शाम की है। नई कुंडी निवासी मनमोहन कश्यप अपने पारस उर्फ सार्थक (5) और अपनी मां आशा देवी के साथ बाइक बेटे की दवा लेने बादशाहपुर जा रहे थे। शेरपुर गांव के पास पहुंचते ही सामने से तेज गति से आ रहे एक डंपर ने बाइक को टक्कर मार दी। बच्चा डंपर के नीचे आ गया। गंभीर रूप से घायल हो गया। मनमोहन व उसकी मां को भी चोटें आईं। ग्रामीणों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने पांच वर्षीय पारस को मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। डंपर को कब्जे में ले लिया। थानाध्यक्ष मनोज नौटियाल ने बताया कि पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

किशोरी को फंसाकर बनाए अश्लील वीडियो, 10 लाख मांगे

हरिद्वार, एजेंसी। ज्वालापुर कोतवाली क्षेत्र की एक किशोरी को शादी का झांसा देकर फंसाने, अश्लील वीडियो-फोटो बनाकर वायरल करने और बदनाम करने की धमकी देने का मामला सामने आया है। आरोप है कि परेशान होकर किशोरी ने आत्महत्या की कोशिश की। पुलिस ने किशोरी के भाई की तहरीर पर आरोपी युवक और उसके परिवार के सदस्यों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

लापरवाही की फिसलन से रपट गई जिंदगी, राजमिस्त्री बीमार पत्नी के इलाज के लिए जुटा रहा था रकम

ऊधम सिंह नगर, एजेंसी। जेजेएम योजना के तहत सुल्तानगढ़ में निर्माणाधीन ओवरहेड टैंक की छत पर कार्य करते वक्त पैर फिसलने से सोमवार को मिस्त्री वीरपाल (35) गिर गया। श्रमिक उसे 108 एंबुलेंस से उप जिला अस्पताल लाए, जहां चिकित्सकों ने वीरपाल को मृत घोषित कर दिया। पत्नी की जिंदगी बचाने के लिए अपनी जान जोखिम में डाल वीरपाल पाई-पाई जोड़ रहा था। बांस के डंडों पर वह परिवार के सदस्यों के साथ दिन-रात मेहनत कर रहा था। जिम्मेदारों की लापरवाही का नतीजा रहा कि 70 फुट की ऊंचाई से गिरकर वह जिंदगी की जंग हार गया। बरेली के परा बहुद्दीनपुर निवासी मुनीश ने बताया कि उसके भाई वीरपाल के दो व चार साल के दो बेटे और छह वर्षीय बेटी है। भाभी लंबे समय से बीमार हैं। इलाज में वीरपाल ने अब तक करीब दो लाख रुपये खर्च किए लेकिन स्वास्थ्य में सुधार नहीं आ रहा। वीरपाल हमेशा पत्नी के स्वास्थ्य और बच्चों के भविष्य के लिए चिंतित

रहता था लेकिन उसने कभी हौसला नहीं खोया। वह कहता था कि चाहे जितना रुपया लग जाए, पत्नी को कुछ नहीं होने देगा। इसलिए वह मेहनत-मजदूरी करने 150 किमी दूर आया था। जब यहां काम रुक जाता था तब घर जाकर परिवार की देखभाल करता था। वीरपाल करीब आठ महीने पहले ओवरहेड टैंक का निर्माण करने ग्राम लालपुर कॉलोनी सुल्तानगढ़ आया था। हादसे के चश्मदीद और वीरपाल के भाई मुनीश, अजयपाल व हरिओम के अलावा अन्य परिजन अमन, पुष्पेंद्र, विजय व विद्याराम भी काम करते थे। भाइयों ने बताया कि जिस वक्त वीरपाल गिरा वे लोग टैंक के चारों ओर बंधे बांस के ढांचे पर अलग-अलग काम कर रहे थे। आंखों के सामने भाई की सांसें थम गईं और वे कुछ नहीं कर सके। इसका उन्हें जीवनभर मलाल रहेगा। खुद को बेबस महसूस कर रहे भाइयों की आंखों से आंसू रुकने का नाम नहीं ले रहे थे। बेटे की मौत की खबर सुन काशीपुर पहुंची मां का रो-रोकर बुरा हाल था। परिजनों का कहना था यदि ठेकेदार कंपनी ने सुरक्षा उपकरण दिए होते तो वीरपाल उनके साथ होता। 50 फुट से अधिक ऊंचाई पर चल रहे निर्माण कार्य में सुरक्षा मानकों का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। सुरक्षा में चूक होने पर व्यक्ति की जान तक जा सकती है। इसी के चलते कई सुरक्षा मानकों को निर्माण कार्य के दौरान नियमों में शामिल किया गया है। हालांकि इन नियमों की धज्जियां खुलेआम उड़ती हैं, जिस पर कोई जिम्मेदार ध्यान नहीं देता है। इसका खामियाजा किसी मजबूर को भुगतना पड़ता है। कोई भी निर्माण कार्य जो 50 फुट से अधिक ऊंचाई पर किया जा रहा है, वहां सुरक्षा के लिए सुरक्षा जाल, रेलिंग, सुरक्षा हार्नेस, हेल्मेट और गिरने से रोकने वाले उपकरणों का उपयोग करना अनिवार्य होता है। गिरने से बचाव के लिए सुरक्षा जाल का उपयोग करना चाहिए,।

उत्तराखंड बना टारगेटबाल चैंपियन

दिनेशपुर, एजेंसी। उत्तराखंड टारगेटबाल एसोसिएशन की ओर से आयोजित 12वीं नेशनल प्रतियोगिता के फाइनल के पुरुष वर्ग में मेजबान उत्तराखंड ने दिल्ली और महिला वर्ग में हरियाणा ने तमिलनाडु को पराजित कर खिताब अपने नाम किया। पुरुष वर्ग में उत्तराखंड के योगेश और महिला वर्ग में हरियाणा की दीपिका बेस्ट बेस्ट शूटर चुनी गईं। खुदीराम बोस स्टेडियम में आयोजित प्रतियोगिता के अंतिम दिन पुरुष वर्ग के सेमीफाइनल में दिल्ली ने हरियाणा और उत्तराखंड ने तमिलनाडु को पराजित कर फाइनल में जगह बनाई। महिला वर्ग में हरियाणा ने यूपी और तमिलनाडु ने महाराष्ट्र को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। रात को दुधिया रोशनी में हुए महिला वर्ग के फाइनल मुकाबले में हरियाणा ने तमिलनाडु की टीम को 12 - 8 अंकों से पराजित कर खिताब पर कब्जा जमाया। हरियाणा की दीपिका बेस्ट शूटर और तमिलनाडु की मल्विका बेस्ट डायमंड (रक्षक) चुनी गईं। पुरुष वर्ग में मेजबान उत्तराखंड ने दिल्ली को 19 - 12 अंकों के अंतर से हराकर खिताब जीता। उत्तराखंड के योगेश बेस्ट शूटर और दिल्ली के प्रशांत बेस्ट डायमंड चुने गए। पुरस्कार वितरण समारोह में अतिथियों ने विजेता और उपविजेता टीमों को ट्रॉफी व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

राजकुमार बने व्यापार मंडल अध्यक्ष

दिनेशपुर, एजेंसी। कालीनगर कस्बे में व्यापारियों की बैठक में व्यापार मंडल कार्यकारिणी का पुनर्गठन करते हुए सर्वसम्मति से राजकुमार राय को अध्यक्ष चुना गया। मंगलवार शाम कस्बे के दुर्गा मंदिर परिसर में हुई बैठक में निवर्तमान अध्यक्ष शेखर मंडल ने पिछले कार्यकाल का आय व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया। इसके बाद हुई चुनावी प्रक्रिया में सर्वसम्मति से राजकुमार राय को अध्यक्ष, राजेंद्र सरकार को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, आशीष तरफदार को महासचिव, सरजीत साहा, मनोजित मिस्त्री सचिव, विक्रम सरकार कोषाध्यक्ष, प्रकाश जोशी उपकोषाध्यक्ष, किशोर हाल्दार ऑडिटर चुने गए।

राज्य आंदोलनकारी शैलेंद्र शर्मा को पितृ शोक

गदरपुर, एजेंसी। वार्ड पांच प्रीत विहार कॉलोनी निवासी राजा आंदोलनकारी शैलेंद्र शर्मा के पिता ओम प्रकाश शर्मा (83) पिछले कुछ माह से बीमार चल रहे थे। सोमवार को स्वास्थ्य खराब होने पर परिजन उन्हें जॉलीग्रांट अस्पताल ले गए, जहां मंगलवार की दोपहर उनका निधन हो गया। ओमप्रकाश शर्मा अपने पीछे तीन पुत्रों शैलेंद्र शर्मा, अमित शर्मा और विशाल शर्मा के भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। कांग्रेस नेता राजेंद्र पाल सिंह, पालिकाध्यक्ष मनोज गुंबर, गुरविंदर सिंह विर्क, इंद्रपाल सिंह संधू, बलबीर सिंह आदि ने घर पहुंचकर शोक जताया।

राज्यपाल ने डॉ. ध्यानपाल की प्रतिमा का अनावरण किया

पंतनगर, एजेंसी। जीबी पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय परिसर में राज्यपाल विवि के कुलाधिपति लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह ने विवि के तीसरे कुलपति डॉ. ध्यानपाल सिंह की प्रतिमा का अनावरण करने के साथ ही डॉ. ध्यानपाल सिंह पार्क का लोकार्पण किया। राज्यपाल ने पूर्व कुलपति के विवि के विकास में दिए गए योगदान की प्रशंसा करते हुए कहा कि कृषि, बीज उत्पादन व कृषक कल्याण को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में डॉ. सिंह का योगदान अतुलनीय है। वह वर्ष 1945 से भारतीय प्रशासनिक सेवा में कार्यरत रहे और 28 जनवरी 1966 को पंतनगर विवि में बतौर तीसरे कुलपति नियुक्त हुए। अपने सेवाकाल में डॉ. सिंह के दूरदर्शी निर्णयों, कृषि क्षेत्र में किए गए प्रयासों से पंतनगर विवि को विश्व में एक नई पहचान दिलाई। उनके कार्यकाल में ही विवि हरितक्रांति की जननी के रूप में स्थापित हुआ। कार्यक्रम का संचालन निदेशक शोध डॉ. अजीत सिंह नैन ने किया। इस दौरान कुलपति डॉ. मनमोहन सिंह चौहान, डीएम नितिन सिंह भदौरिया, एसएसपी मणिकांत मिश्रा सहित वरिष्ठ अधिकारियों सहित विवि के अधिष्ठाता, निदेशक और संकाय सदस्य मौजूद रहे।

परिवहन विभाग के पोर्टल में गड़बड़ी से व्यवधान

रुद्रपुर, एजेंसी। दो दिन से परिवहन विभाग के पोर्टलों में गड़बड़ी से लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। लाइसेंस आदि के लिए बनाया गया विभाग का सारथी पोर्टल सोमवार को सर्वर डाउन होने से आधे दिन तक ठप रहा था। वाहन पंजीकरण, नवीनीकरण, वाहन ट्रांसफर आदि के लिए बनाए गए वाहन और चालान पोर्टल की भी यही स्थिति रही। मंगलवार को दोपहर तक तीनों पोर्टलों में दिक्कत थी। दोपहर बाद पोर्टलों के चलने से वाहन संबंधी काम के लिए एआरटीओ कार्यालय पहुंचे लोगों ने राहत की सांस ली।

स्टांप पेपरों पर मलबे के नाम पर बेच दी गई दमुवाढूंगा में सरकारी जमीन

नैनीताल, एजेंसी। दमुवाढूंगा स्थित सरकारी जमीन स्टांप पेपरों में फर्जी तरीके से मलबे के नाम पर बेची जाती है। यह सिलसिला पिछले कई वर्षों से चल रहा है। सोमवार को एक मामला पकड़ में आया और पूछताछ शुरू हुई तो ऐसे ही सात-आठ मामले प्रशासन के संज्ञान में आ गए। हल्द्वानी शहर दमुवाढूंगा स्थित सरकारी जमीन स्टांप पेपरों में फर्जी तरीके से मलबे के नाम पर बेची जाती है। यह सिलसिला पिछले कई वर्षों से चल रहा है। सोमवार को एक मामला पकड़ में आया और पूछताछ शुरू हुई तो ऐसे ही सात-आठ मामले प्रशासन के संज्ञान में आ गए। इस पर प्रशासन ने क्षेत्र में पिछले वर्षों के दौरान हुई जमीन की खरीद-फरोख्त की जांच शुरू कर दी है। दमुवाढूंगा का अधिकतर क्षेत्र वन भूमि है। नियमानुसार वन भूमि पर किसी भी तरह का निर्माण कार्य नहीं हो सकता है, लेकिन पिछले वर्षों के दौरान इस पूरे क्षेत्र में एक के बाद एक निर्माण कार्य हुए हैं। अब यहां अधिकतर भूमि पर कंक्रीट के जंगल खड़े हो गए हैं। औने-पौने दामों पर जमीन खरीद अवैध रूप से निर्माण करा लिए गए। अधिकतर जमीन स्टांप पेपरों पर फर्जी तरीके से एग्रीमेंट कर बेची गई है। दमुवाढूंगा क्षेत्र में नाले के इर्द-

गिर्द की भूमि पर सिंचाई विभाग का स्वामित्व है। क्षेत्र में अधिकतर जमीन के बिकने के बाद लोगों की नजर रकसिया नाले की सरकारी जमीन पर गढ़ गई। जिसे जहां बन पड़ा, उसने वहां नाले की सरकारी जमीन पर कब्जा कर लिया। किसी ने अपने लिए इस जमीन पर कमरे खड़े कर दिए तो किसी ने स्टांप पेपर पर जमीन को मलबा दिखाकर बेच दिया। बताया जाता है कि अब भी क्षेत्र के कई लोगों ने नाले की सरकारी जमीन पर कब्जा किया है जिसे वह स्टांप पेपरों में लिखा पढ़ी कर मलबे के नाम पर बेच रहे हैं। प्राधिकरण के अधिकारियों के मुताबिक दमुवाढूंगा क्षेत्र में अधिकतर भूमि सरकारी है। ऐसे में यहां घरेलू और व्यवसायिक भवन निर्माण की न तो अनुमति दी जा सकती है और न ही भवन मानचित्र स्वीकृत हो सकता है। अधिकारियों के मुताबिक इस संबंध में शिकायत मिलने पर पूर्व में कई भवनों का ध्वस्तीकरण भी कराया जा चुका है। पिछले वर्षों के दौरान दमुवाढूंगा क्षेत्र में रकसिया नाले की चौड़ाई अधिकतर स्थानों पर 50 से 60 फुट तक थी लेकिन जैसे-जैसे नाले की सरकारी जमीन पर कब्जा होता गया तो अतिक्रमण बढ़ता गया। अधिकारियों की मानें तो जहां-जहां अतिक्रमण हुआ है, वहां कई जगह नाले की चौड़ाई अब छह फुट रह गई है। दमुवाढूंगा क्षेत्र में स्टांप पेपर पर लिखा पढ़ी कर सरकारी जमीन बेचने के सात-आठ मामले संज्ञान में आ चुके हैं। इन लोगों को चिह्नित भी कर लिया गया है। कई लोगों ने नाले पर अतिक्रमण किया है। 60 फुट का नाला कई जगह छह फुट का ही रह गया है। सरकारी जमीन को स्टांप पेपर पर बेचने की जांच की जा रही है। ऐसे सभी लोगों को चिह्नित किया जा रहा है।

पंचायत चुनाव को लेकर कांग्रेस का जुबानी हमला

रानीखेत (अल्मोड़ा), एजेंसी। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की अधिसूचना के मामले में कांग्रेस ने प्रदेश सरकार पर हमला बोला है। मंगलवार को पार्टी की यहां स्प्रिंग फील्ड स्थित कैंप कार्यालय में हुई बैठक में ब्लॉक अध्यक्ष गोपाल सिंह देव ने कहा कि मामला न्यायालय में लंबित होने के बावजूद सरकार ने जल्दबाजी में चुनाव कार्यक्रम घोषित कर दिया। उन्होंने कहा कि न्यायालय के निर्देशों की अवहेलना

कर सरकार ने जबरन जनता पर चुनाव थोपने का प्रयास किया है। देव ने कहा कि चुनाव लोकतंत्र का महापर्व है किंतु भाजपा सरकार ने इसे छह माह टालने के बाद आनन-फानन में चुनाव कार्यक्रम घोषित कर लोकतंत्र का मजाक उड़ाने का काम किया है। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि सरकार पंचायतों को न तो सम्मान दे रही है और न ही 73वें संविधान संशोधन से मिले अधिकारों को लागू कर रही है। यह आरोप भी लगाया है कि भाजपा सरकार ने राजीव गांधी के पंचायतीराज विजन की हत्या कर संविधान को अंधकार में धकेला है। इसका करारा जवाब चुनाव में भाजपा को जनता देगी। बैठक में कुलदीप कुमार कुमार, पंकज जोशी, नेहा साह मेहरा, चंदन बिष्ट, प्रदीप माहरा, विजय तिवारी, दीप उपाध्याय, रुद्र मेहरा, पंकज थापा मौजूद रहे।

पंचायत चुनाव से रोक को हटाने का अनुरोध, सुनवाई आज

नैनीताल, एजेंसी। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव पर बीती सोमवार को हाईकोर्ट से लगी रोक को हटाने के लिए राज्य सरकार की ओर से सुनवाई के लिए प्रार्थना की गई। मुख्य न्यायाधीश जी नरेंद्र व न्यायमूर्ति आलोक मेहरा की खंडपीठ ने 25 जून (बुधवार) को दोपहर दो बजे सुनवाई करना तय कर दिया। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव पर बीती सोमवार को हाईकोर्ट से लगी रोक को हटाने के लिए राज्य सरकार की ओर से सुनवाई के लिए प्रार्थना की गई। मुख्य न्यायाधीश जी नरेंद्र व न्यायमूर्ति आलोक मेहरा की खंडपीठ ने 25 जून (बुधवार) को दोपहर दो बजे सुनवाई करना तय कर दिया। पहले 25 जुलाई को सुनवाई होना तय हुआ था। राज्य सरकार की ओर से मंगलवार को मेंशन कर हाईकोर्ट की ओर से लगाई गई रोक पर सुनवाई के लिए मांग की गई। सरकार ने बताया कि नौ जून को आरक्षण निर्धारण से संबंधित जो नियमावली बनाई गई थी, उसका गजट

नोटिफिकेशन 14 जून को हो गया था। किसी कारणवश गजट नोटिफिकेशन को हाईकोर्ट के समक्ष सुनवाई के दौरान पेश नहीं किया जा सका था। हाईकोर्ट के महाधिवक्ता एसएन बाबुलकर की ओर से हाईकोर्ट में गजट नोटिफिकेशन की प्रति पेश की गई। इसके बाद कोर्ट अगले दिन सुनवाई के लिए तैयार हो गया। साथ ही तय किया कि इस मामले में एकलपीठ में दायर 15 से ज्यादा सभी याचिकाओं पर यही खंडपीठ एकसाथ सुनवाई करेगी। बागेश्वर निवासी गणेश दत्त कांडपाल व अन्य ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर कहा था कि सरकार ने बीती नौ जून को एक आदेश जारी कर पंचायत चुनाव के लिए नई नियमावली बनाई। साथ ही 11 जून को आदेश जारी कर अब तक पंचायत चुनाव के लिए लागू आरक्षण रोटेशन को शून्य घोषित करते हुए इस वर्ष से नया रोटेशन लागू करने का निर्णय लिया है। जबकि हाईकोर्ट ने पहले से ही इस मामले में दिशा निर्देश दिए हैं। याचिकाकर्ताओं की ओर से कहा गया कि इस आदेश से पिछले तीन कार्यकाल से जो सीट आरक्षित वर्ग में थी, वह चौथी बार भी आरक्षित कर दी गई है। इस कारण वे पंचायत चुनाव में भाग नहीं ले पा रहे हैं। वहीं कुछ अन्य याचिकाओं में कहा गया था कि उनके यहां लंबे समय से सीट आरक्षित नहीं हुई है। जबकि आरक्षित श्रेणी के लोगों की जनसंख्या भी अनारक्षित के बराबर है। ऐसे में उनका प्रतिनिधित्व नहीं हो पा रहा है। इसलिए दोबारा आरक्षण तय करना चाहिए।

मरीजों के पर्चे से चल रहा सरकारी अस्पताल

नैनीताल, एजेंसी। रामनगर सरकारी अस्पताल मरीजों के भरोसे चल रहा है। मरीज न आएं तो शायद अस्पताल ही बंद करना पड़ जाए। इस अस्पताल के चलने के लिए यहां बीमारों का पहुंचना जरूरी है। इसलिए कि मरीजों के ओपीडी पर्चे के पैसे से ही फिलहाल अस्पताल के खर्चे चल रहे हैं। आपने यह तो सुना होगा कि मरीज अस्पताल के भरोसे है, मगर ऐसा कभी सुना कि अस्पताल ही मरीजों के भरोसे चल रहा हो..। शायद नहीं...तो यहां रामनगर सरकारी अस्पताल में ऐसा ही विचित्र घटित हो रहा है, ऐसा कि मरीज न आएं तो शायद अस्पताल ही बंद करना पड़ जाए। इस अस्पताल के चलने के लिए यहां बीमारों का पहुंचना जरूरी है।

इसलिए कि मरीजों के ओपीडी पर्चे के पैसे से ही फिलहाल अस्पताल के खर्चे चल रहे हैं, इसी पैसे से अस्पताल में दवा आदि की उधारी भी चुकाई जा रही है। अस्पताल हर दिन ओपीडी से मिलने वाले 10 हजार रुपयों की कृपा पर चल रहा है। रामनगर का संयुक्त चिकित्सालय एक अप्रैल से पीपीपी मोड से हटकर स्वास्थ्य विभाग के पास आया। पीपीपी मोड में अस्पताल को दो करोड़ रुपये महीना मिल जाता था। पीपीपी मोड से हटा तो अस्पताल के स्वास्थ्य पर ही बड़ा संकट खड़ा हो गया। दोबारा सरकारी होते ही अस्पताल को पैसे लाले पड़ गए। एक अप्रैल को दवा, पैथोलॉजी किट समेत और जरूरी चीजों के लिए अस्पताल प्रशासन ने विभाग से दो करोड़ रुपये मांगे। जून जाने को है, अब तक दो करोड़ तो क्या, व्यवस्थाएं चलाने के लिए धेला भी नहीं मिला। यह हाल अस्पताल के सरकारी होने के बाद का है। अब दवाएं तो मरीजों को देनी ही हैं, लिहाजा मेडिकल स्टोर से उधारी में दवा समेत जरूरी सामान मंगाया जा रहा है। सारा पैसे एक साथ नहीं दिया जा सकता, इसलिए ओपीडी से हर दिन मिल रहे दस हजार रुपये से ही धीरे-धीरे उधारी चुकाई जा रही है। हाल यह है कि ज्यादा उधारी के चलते मेडिकल स्टोर संचालक अब अस्पताल प्रशासन के चक्कर काटने लगे हैं।

लोन लिया नहीं- पांच लाख रिकवरी को नोटिस मिला

नैनीताल, एजेंसी। रुड़की निवासी एक युवती को तब झटका लग गया, जब उसके नाम पर पांच लाख रुपये लोन की रिकवरी का नोटिस पहुंचा। यह नोटिस रामनगर की एक बैंक शाखा से पहुंचा है। मामले में युवती के पिता ने रामनगर कोतवाली में तहरीर दी है। रुड़की की रहने वाली एक

युवती को तब झटका लग गया, जब उसके नाम पर पांच लाख रुपये लोन की रिकवरी का नोटिस पहुंचा। यह नोटिस रामनगर की एक बैंक शाखा से पहुंचा है। मामले में युवती के पिता ने रामनगर कोतवाली में तहरीर दी है। ग्राम कुरड़ी, थाना मंगलौर रुड़की के सुभाष सैनी ने रामनगर कोतवाल अरुण कुमार सैनी को तहरीर दी। बताया कि रामनगर की बैंक ऑफ महाराष्ट्र शाखा से उसकी पुत्री कविता सैनी के नाम पर पांच लाख रुपये के लोन की रिकवरी को नोटिस पहुंचा है। इसमें लिखा गया है कि सैनी ट्रेडिंग कंपनी प्रोपराइटर कविता सैनी के नाम पर पांच लाख रुपये लोन लिया गया था। उनका कहना है कि पुत्री ने लोन नहीं लिया है। बताया कि उन्होंने 2021 में मकान बनाने के लिए दो लाख रुपये के होम लोन के लिए रुड़की में इस बैंक में आवेदन किया था, लेकिन तब लोन नहीं हुआ था। आरोप लगाया कि बैंक ऑफ महाराष्ट्र की बीएसएम इंटर कालेज रुड़की शाखा, एक दलाल और बैंक ऑफ महाराष्ट्र रामनगर शाखा ने फर्जीवाड़ा व जालसाजी की है। कोतवाल ने बताया कि पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

इमरजेंसी के 50 साल : दिल्ली में प्रदर्शनी का आयोजन, सीएम रेखा गुप्ता बोलीं, आपातकाल भारतीय इतिहास का काला दिन

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। देश में इमरजेंसी के 50 साल पूरे होने पर नई दिल्ली के कनॉट प्लेस के सेंट्रल पार्क में प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल और दिल्ली सरकार में मंत्री आशीष सूद और कपिल मिश्रा मौजूद रहे। सीएम रेखा गुप्ता ने कार्यक्रम के दौरान इमरजेंसी को याद किया और कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, जो लोग आज संविधान की कॉपियां लेकर जेब में घूमते हैं और दावा करते हैं कि संविधान को दबाया जा रहा है। मैं उनसे कहना चाहती हूं पूरा देश गवाह है कैसे उनको पूर्वजों ने संविधान को दबाया और कुचला। पूरा देश इसका गवाह है। उन्होंने कहा, यह हमारे इतिहास का एक काला अध्याय था, जब लोकतंत्र को कुचला गया। ऐसे समय में जब देश गरीबी, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार से जूझ रहा था, एक निकम्मी सरकार अपनी सत्ता बचाने में व्यस्त थी। सच्चा लोकतंत्र तब होता जब इंदिरा गांधी इस्तीफा देतीं, लोगों को सत्ता वापस सौंपती और माफी मांगती। इमरजेंसी की 50वीं वर्षगांठ पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मीडिया से बात करते हुए कहा, लोकतंत्र की हत्या को 50 साल बीत चुके हैं। मुझे उन लोगों पर हंसी और गुस्सा दोनों आ रहा है, जो आज भी लोकतंत्र को जेब में रखते हैं और दूसरों को इसकी रक्षा करने का उपदेश देते हैं। मैं उनसे कहना चाहती हूं कि लोकतंत्र की हत्या करने वाले आपके ही पूर्वज थे। भारतीय इतिहास में संविधान का गला घोंटने वाले दिन से ज्यादा काला दिन कोई नहीं हो सकता है। आज वे अपनी जेब में संविधान की कॉपी रखकर घूमते हैं और कहते हैं कि लोकतंत्र को बचाओ। इमरजेंसी के 50 साल पूरे होने पर केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा, आपातकाल को अब 50 साल हो गए हैं और एक बड़ी पीढ़ी ऐसी है, जिसने इसे कभी नहीं देखा। मैं निश्चित रूप से कह सकता हूं कि आज 70 या उससे अधिक उम्र के लोगों ने आपातकाल को झेला है, इसे करीब से झेला है और अत्याचारों को खुद देखा है। उस दौरान किए गए अत्याचार और अन्याय की सीमा को बताने के लिए पर्याप्त समय नहीं है। दिल्ली सरकार में मंत्री आशीष सूद ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि आपातकाल देश के इतिहास पर काला धब्बा है। ये उन लोगों की असलियत सामने लाता है, जो जेब में संविधान की लाल किताब रखकर चलते हैं और कहते हैं कि संविधान खतरे में हैं। उन्होंने (कांग्रेस) हजारों लोगों की हत्या की, लाखों लोगों को जेल में डाल दिया और इस पर उन्होंने आज तक माफी नहीं मांगी है। दिल्ली सरकार में मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा, यह प्रदर्शनी दिल्ली सरकार द्वारा लगाई गई है। मनोहर लाल और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अभी-अभी इसका जनता के लिए उद्घाटन किया है। प्रदर्शनी का उद्देश्य आपातकाल के दौरान किए गए अत्याचारों को प्रदर्शित करना है। इसका एकमात्र उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि देश उस दौरान हुई लोकतंत्र और संविधान की हत्या को कभी न भूले और उससे मिले सबक को हमेशा याद रखे। आपातकाल के 50 साल पूरे होने पर दिल्ली सरकार में मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने मीडिया से बात करते हुए कहा, आपातकाल को 50 साल हो गए हैं। कांग्रेस, गांधी परिवार और इंदिरा गांधी ने अपनी सत्ता बचाने के लिए जो किया, वह पाप था। आज हम राजीव गांधी पार्क में इसे याद कर रहे हैं, ताकि लोग उनके कुकर्मों को न भूलें।

सड़कों को गड्ढा मुक्त करने का सरकारी अभियान सराहनीय : विनोद जायस

दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। दिल्ली के लोगो की समस्याओं को ले दिल्ली की भाजपा सरकार कितनी सक्रिय है इसी बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि बरसात से पूर्व केवल एक ही दिन में दिल्ली के सडकों पर बने तीन हजार से ज्यादा गड्ढों को भरने का काम किया गया और इस कार्य की निगरानी खुद दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश वर्मा नें की। यह कहना है भारतीय जनता पार्टी उत्तर पूर्वी जिले के उपाध्यक्ष ठाकुर विनोद जायस का। विनोद जायस कहते हैं आज से पहले किसी भी सरकार नें इतना बड़ा लक्ष्य पूरा नहीं किया। विनोद जायस बताते हैं दिल्ली सरकार की तरफ से मंगलवार को आगामी मानसून के मद्देनजर सड़कों को गड्ढा मुक्त करने का बड़ा अभियान चलाया गया। इसके तहत पीडब्ल्यूडी की ओर से तीन हजार से ज्यादा गड्ढे भरे गए। विकास मार्ग, शाहदरा, वजीराबाद रोड, चितरंजन पार्क, साउथ दिल्ली, महरौली, नई दिल्ली, बाहरी दिल्ली, पश्चिमी दिल्ली सहित अन्य जगहों पर सड़कों के गड्ढे भरने का काम सुबह से ही शुरू हो गया था जो देर शाम तक जारी रहा। उल्लेखनीय है दिल्ली सरकार नें इस योजना के तहत गड्ढों की पहचान की और मंगलवार का दिन इन्हें भरने के लिए निश्चित किया। जिसके तहत योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया गया। विनोद जायस कहते हैं आम आदमी पार्टी की सरकार नें इस ओर कोई ध्यान ही नहीं दिया था दिल्ली के प्रमुख मार्गो सहित ज्यादातर मार्गो पर काफी समय से गड्ढे थे, लेकिन इसकी तरफ ध्यान नहीं दिया जा रहा था. लेकिन, अब इन गड्ढों को भर दिया गया है। यह अच्छा कदम है. इससे यहां जलभराव नहीं होगा और लोगों को आने-जाने में परेशान नहीं होगी। इससे पहले दिल्ली के पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा था कि लोक निर्माण विभाग मानसून से पहले 1, 400 किलोमीटर से अधिक सड़कों पर एक दिन के भीतर 3, 400 गड्ढों को भरकर सुरक्षित और सुगम बनाएगा.विनोद जायस कहते हैं बारिश के दिनों में दिल्ली की सड़कों पर पानी जमा होने की समस्या से लोग परेशान हो जाते हैं। अब ऐसे में दिल्ली सरकार द्वारा यह कदम लोगों की परेशानी को दूर कर सकता है। पिछली बार एक कोचिंग के बेसमेंट में पानी भर जाने से कई बच्चों की मौत हो गई थी जिसके बाद केजरीवाल सरकार की व्यवस्था पर सवाल उठने लगे थे लेकिन भाजपा ने सरकार में आने से पहले सारी सड़कों को दुरुस्त करने का वादा किया था, ऐसे में लोगों की उम्मीदें अधिक बढ़ गई हैं।

संक्षिप्त खबरें

गन्ना आपूर्ति संबंधी तैयारियों की समय सारिणी जारी

अमरोहा। चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास विभाग की ओर से पेराई सत्र 2025-26 के लिए गन्ना आपूर्ति संबंधी तैयारियों की समय सारिणी जारी कर दी गई है। ग्राम स्तरीय सर्वे सट्टा प्रदर्शन व आपत्ति प्राप्त करने के बाद निस्तारण 20 जुलाई से 30 अगस्त तक होगा। राजस्व अभिलेखों एवं घोषणा पत्र से सर्वेक्षित गन्ना क्षेत्रफल का मिलान 20 जुलाई से 30 अगस्त तक होगा। प्री कैलेंडर तैयार करने के साथ ही ई-गन्ना एप व वेबसाइट ऑनलाइन करना, प्राथमिक कैलेंडर का गन्ना किसानों में वितरण करने का कार्य एक से दस सितंबर तक होगा। समिति स्तरीय सर्वे व सट्टा प्रदर्शन एवं आपत्ति निस्तारण मेला 11 से 30 सितंबर तक लगेगा। इसके बाद गन्ने का अंतिम कैलेंडर जारी किया जाएगा। डीसीओ मनोज कुमार सिंह ने बताया कि गन्ना सर्वे अंतिम चरण में है, 30 जून तक पूरा हो जाएगा।

समस्याओं के समाधान को लेकर भाकियू ने सांसद को सौंपा ज्ञापन

गजरौला। भाकियू शंकर प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को सांसद कंवर सिंह तंवर से मुलाकात की। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी दिवाकर सिंह ने किसानों की समस्याओं को उठाया और समाधान कराने की मांग की है। जिला सहकारी बैंक बोर्ड का गठन करने, क्षतिग्रस्त सड़कों को दुरुस्त कराने संग चौड़ीकरण कराने आदि मांग की। सांसद ने जल्द सभी समस्याओं के समाधान का भरोसा दिलाया। इस दौरान जिलाध्यक्ष चौधरी नेमपाल सिंह, चौधरी धर्मवीर सिंह, विक्रम पंवार,सत्यवीर सिंह, मोनू चौधरी, जगत चौहान, शेर सिंह राणा, हरि सिंह सैनी, महिपाल सिंह और फकीरा सैनी आदि रहे।

एसपी ने किया निमार्णाधीन पुलिस लाइन का निरीक्षण

अमरोहा।जोया मार्ग पर बन रही जिले की नवीन रिजर्व पुलिस लाइन का बुधवार को एसपी अमित कुमार आनंद ने औचक निरीक्षण किया। निर्माण कार्यों की प्रगति जानी। इस दौरान नामित संस्था के जिम्मेदारों को मानक युक्त सामग्री प्रयोग कर समय से निर्माण कार्य पूरे किए जाने का निर्देश दिया।

कोर कमेटी नें किया कमिश्नर अश्वनी कुमार का स्वागत : ब्रह्म ढीकिया

नई दिल्ली, । दिल्ली नगर निगम समस्त यूनियन कोर कमेटी ने दिल्ली नगर निगम के कमिश्नर अश्विनी कुमार का स्वागत किया दिल्ली नगर निगम समस्त यूनियन कोर कमेटी के अध्यक्ष राज कुमार धींगान के नेतृत्व में कमिश्नर अश्विनी कुमार ने विश्वास दिलाया हम सफाई कर्मचारीयों कि कर मांग को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। और कर्मचारियों के हितों के हर संभव प्रयास है कि कोई परेशानी ना हो। राज कुमार धींगान ने कहा कि कि जिस प्रकार से निगम कर्मचारियों की कमी है। इस को देखते कर्मचारियों की भर्ती कराई जाए। और कर्मचारियों के रुके लाभांश भी दिए जाएं। तथा पक्के करने की प्रक्रिया को भी तेज किया जाऐ। इस अवसर पर कोर कमेटी के पदाधिकारी मौजूद थे। कोर कमेटी के वरिष्ठ महासचिव ब्रह्म ढीकिया, मोहन पहलवान, एस.के चौधरी, राजेश बैनीवाल, संजय टांक, सत्य भान सारसर, दलीप पार्चा, मुकेश भैंसवाल, कर्ण मेहरोलियां, संजीव जाबा, विवेक टांक, व कोर कमेटी के सदस्य मौजूद थे।

ज्योति नगर हत्याकांड : दिल्ली पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली,। दिल्ली के ज्योति नगर हत्याकांड में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। ज्योति नगर इलाके में दिल दहला देने वाली 23 जून की है। दिल्ली पुलिस को सुबह करीब 8:30 बजे सूचना मिली कि अशोक नगर इलाके में एक लड़की छत से गिर गई है। लड़की को कथित तौर पर पांचवीं मंजिल से धक्का दिया गया था। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी वहां से भाग निकला था। मामले में एक्शन लेते हुए दिल्ली पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया है। मृतक लड़की का नाम नेहा है, जिसे घायल अवस्था में अस्पताल ले जाया गया था। इलाज के दौरान नेहा ने दम तोड़ दिया। शुरुआत में आरोप लगाए गए कि नेहा को किसी ने जानबूझकर घर की छत से धक्का दिया था। बाद में तौफीक का नाम इस घटनाक्रम में सामने आया। बेटी की मौत के बाद परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। परिवार की मांग है कि आरोपी को गोली मार दी जाए। मृतक लड़की की मां ने कहा, मेरी मांग है कि उसे गोली मार दो या फांसी दे दो। तभी बेटी को इंसाफ मिलेगा और उसकी आत्मा को शांति मिलेगी। वहीं नेहा के पिता ने कहा कि जैसे तड़प-तड़पकर मेरी बेटी की मौत हुई है, उसी तरह गुनहगार की भी मौत हो। उन्होंने कहा, हमने बेटी को बचाने की काफी कोशिश की। उसे अस्पताल ले गए, लेकिन वो नहीं बची। नेता की बहन ने बताया कि हमें पता ही नहीं चला कि आरोपी कैसे ऊपर छत तक चढ़ गया। जब शोर हुआ कि तुम्हारी बहन को नीचे फेंक दिया है, लोगों ने आरोपी को भागते हुए देखा। उसे पकड़ने की कोशिश की, लेकिन वो हाथ नहीं आया। उन्होंने कहा, मेरी मांग है कि उसे सख्त से सख्त सजा मिले। उसे गोली मार देनी चाहिए या जनता के हवाले कर दिया जाए।

दिल्ली-एनसीआर : इस हफ्ते भी बारिश का दौर जारी रहेगा, मौसम रहेगा सुहावना, उमस से राहत नहीं

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। भारतीय मौसम विभाग के ताजा आंकड़ों के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में 25 जून से लेकर 1 जुलाई तक मौसम में काफी बदलाव देखने को मिलेगा। बारिश का सिलसिला जारी रहेगा, लेकिन उमस से अभी राहत मिलने की संभावना कम है। हालांकि, मौसम विभाग की ओर से किसी प्रकार की चेतावनी फिलहाल जारी नहीं की गई है, जिससे आम जनजीवन पर गंभीर असर की आशंका नहीं है। 25 जून को बारिश के साथ गरज-चमक (थंडरस्टॉर्म विथ रेन) का दौर रहने की आशंका है और अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 28 डिग्री रिकॉर्ड किया गया है। मिडिटी भी अधिक रहेगी, जो अधिकतम 81 प्रतिशत और न्यूनतम 75 प्रतिशत रहने की संभावना है। 26 जून को सुबह के समय विशेष चेतावनी जारी की गई है। जिसमें तेज बारिश, बिजली गिरने और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना जताई गई है। इस दिन मौसम सामान्य रूप से बादलों से घिरा रहा और मध्यम बारिश दर्ज की गई। इसके बाद 27 से 30 जून तक लगातार बारिश के आसार हैं। 27 और 29 जून को फिर से गरज-चमक के साथ बारिश होगी, वहीं 28 और 30 जून को बादलों से घिरे आकाश के बीच मध्यम बारिश की संभावना है। इस दौरान तापमान 33-34 डिग्री अधिकतम और 26-27 डिग्री न्यूनतम के बीच बना रहेगा। 1 जुलाई को भी मौसम में कोई बड़ा बदलाव नहीं देखा रहा। गरज-चमक के साथ बारिश और 85 प्रतिशत तक की नमी बनी रहेगी। हालांकि मौसम का मिजाज सुहावना रहेगा, लेकिन हवा में नमी की अधिकता के कारण उमस काफी बनी रहेगी, जिससे लोग परेशान रह सकते हैं। दिनभर बादलों की आवाजाही और रुक-रुक कर होने वाली बारिश से गर्मी से कुछ राहत जरूर मिलेगी, लेकिन उमस से निजात मिलने में अभी समय लगेगा।

दिल्ली : रिठाला की फैक्ट्री में लगी आग पर 12 घंटे बाद भी पूरी तरह काबू नहीं, अब तक 3 लोगों की मौत

नई दिल्ली,। दिल्ली के रिठाला इलाके में एक फैक्ट्री के अंदर लगी आग में झुलसकर 3 लोगों की मौत हो गई है। करीब 12 घंटे के बाद भी पूरी तरह आग पर काबू नहीं पाया जा सका है। दमकल विभाग की 15 गाड़ियों को घटनास्थल पर बुलाया गया, लेकिन कड़ी मशक्कत के बाद भी बिल्डिंग के अंदर से सुबह तक धुआं निकलता रहा। अभी भी दमकल विभाग के कर्मचारी आग बुझाने में लगे हुए हैं। जानकारी के मुताबिक, मंगलवार शाम तकरीबन साढ़े 6 बजे रिठाला मेट्रो स्टेशन के नजदीक केमिकल फैक्ट्री में आग लगी थी। ये चार मंजिला बिल्डिंग है, जिसमें पॉलिथीन बनाई जाती है। आग सबसे पहले ग्राउंड फ्लोर पर लगी, जिसने काफी तेजी से पूरी इमारत को अपनी चपेट में ले लिया। आग लगने की घटना से अफरातफरी मच गई। दमकल विभाग को घटना की जानकारी दी गई। कई घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद दमकल विभाग के कर्मचारी बिल्डिंग के अंदर जाने में सफल रहे। आग को बुझाने में दमकल विभाग की मदद के लिए इमारत की दीवार को जेसीबी से गिराया गया था। बिल्डिंग के अंदर से फायर ब्रिगेड की टीम को तीन जली हुई डेड बॉडी मिली हैं। दमकल विभाग के अधिकारी अशोक कुमार जायसवाल ने कहा, हमें शाम 7:25 बजे आग लगने की सूचना मिली। लेकिन जब हम पहुंचे तो पता चला कि आग वास्तव में करीब एक घंटे पहले लगी थी। डर के कारण उन्होंने फायर ब्रिगेड को बुलाने में देरी की और पहले खुद ही आग पर काबू पाने की कोशिश की। जब पूरी फैक्ट्री जलकर खाक हो गई, तभी उन्होंने हमें फोन किया। अशोक कुमार जायसवाल ने बताया कि जेसीबी मशीन की मदद से बिल्डिंग की एक दीवार को तोड़ा गया, जिससे उसके अंदर लगी आग को बुझाने की कोशिश की गई। उन्होंने कहा, नीचे के हिस्से में अभी आग बुझ चुकी है। दूसरे और तीसरे फ्लोर पर जाना बाकी है, जहां से तेजी से धुआं आ रहा है। इसमें अभी समय लगेगा। फायर ब्रिगेड की कुल 15 गाड़ियां मौके पर आईं। आग पर पूरी तरह काबू पाने के लिए दमकल की टीमें लगातार कोशिश कर रही हैं।

जन सुनवाई शिविरों से मिलेगा दिल्ली की जनता को लाभ : मुकेश बंसल

शिविरों में जनता की समस्याओं का होगा मौके पर समाधान

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार लोगो की समस्याओं को ले बेहद गंभीर है जिसे ध्यान में रखते हुए सरकार नें दिल्ली के सभी जिलों में लोगो की समस्याओं के समाधान के लिए जनसुनवाई शिविर लगवाने शुरू कर दिए है। यह कहना है शाहदरा उत्तरी क्षेत्र नगर निगम वार्ड समिति के डिप्टी चेयरमैन मुकेश बंसल का। मुकेश बंसल कहते हैं दिल्ली सरकार नें जिलाधिकारियों के नेतृत्व में साप्ताहिक जनसुनवाई शिविरों के माध्यम से जनता की शिकायतों का समाधान करना शुरू कर दिया है। मुकेश बंसल कहते हैं कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के निर्देश के बाद अब सभी राजस्व जिलों में साप्ताहिक जन सुनवाई शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों में नगर निगम, दिल्ली पुलिस, बिजली और विभिन्न विभागों के अधिकारी भाग लेते हैं। मुकेश बंसल कहते है दिल्ली सरकार की योजना है इन शिविरों के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा लोगो की समस्याओं का समाधान कराया जा सके। उन्होंने बताया ये शिविर सिर्फ सरकारी कार्यालयों तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि इन्हें स्कूलों, स्थानीय चौपालों और बैंक्वेट हॉल जैसे सामुदायिक स्थानों पर भी आयोजित किया जा रहा है, ताकि लोग अपनी समस्याओं और अपेक्षाओं को प्रस्तुत करते समय अधिक सहज महसूस कर सकें। जिलाधिकारियों के नेतृत्व में साप्ताहिक जन सुनवाई शिविरों का आयोजन नागरिकों की शिकायतों के सीधे समाधान के लिए किया जा रहा है, जबकि शिकायतों के निरंतर निवारण को सुनिश्चित करने के लिए हर समय लोक शिकायत निवारण एवं निगरानी प्रणाली (पीजीएमएस) सक्रिय है। अधिक सुगमता के लिए सरकारी कार्यालयों के बाहर शिकायत पेटियां रखी जा रही हैं, जिससे नागरिक आसानी से अपनी शिकायतें दर्ज करा सकें। इन शिविरों में राजस्व, दिल्ली जल बोर्ड, पीडब्ल्यूडी, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, समाज कल्याण के साथ-साथ अन्य विभागों के अधिकारी भी भाग लेंगे ताकि लोगो की समस्याओं पर तत्काल सुनवाई हो सके। मुकेश बंसल कहते हैं जिलाधिकारियों के नेतृत्व में साप्ताहिक जन सुनवाई शिविरों का आयोजन नागरिकों की शिकायतों के सीधे समाधान के लिए किया जा रहा है, जबकि शिकायतों के निरंतर निवारण को सुनिश्चित करने के लिए हर समय लोक शिकायत निवारण एवं निगरानी प्रणाली (पीजीएमएस) सक्रिय है। लोगो की अधिक सुगमता के लिए सरकारी कार्यालयों के बाहर शिकायत पेटियां रखी जा रही हैं, जिससे नागरिक आसानी से अपनी शिकायतें दर्ज करा सकें। मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार, इन शिविरों में राजस्व, दिल्ली जल बोर्ड, पीडब्ल्यूडी, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, समाज कल्याण, स्वास्थ्य, दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड (डीयूएसआईबी), शिक्षा, सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण आदि विभागों से संबंधित शिकायतें प्राप्त की जाती हैं। मुख्यमंत्री का मानना है कि ये केवल शिकायत निवारण शिविर नहीं हैं, ये लोगों की बात सुनने और त्वरित कार्रवाई करने की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। मुकेश बंसल कहते हैं जल्द ही ये शिविर जनता के बीच काफी लोकप्रिय हो जायेगें और लोगो की समस्या का समाधान भी तीव्रगति से होगा।

शिक्षा को अधिकार नहीं व्यापार बनाने पर जोर दे रही भाजपा सरकार : भारद्वाज

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। इस वर्ष के शिक्षा सत्र में दिल्ली के निजी स्कूलों ने लगभग 50% से 80% तक की बढ़ोतरी के चलते अभिभावक पहले ही परेशान थे अब फीडर स्कूलों के 10 वीं पास बच्चों को दूसरे स्कूल दाखिला देने से मना कर रहे है। स्कूल प्रशासन की इस मनमानी से बच्चे और उनके माता पिता अपने पसंदीदा कोर्स और स्कूल में दाखिला नहीं मिलने से परेशान हो रहे हैं। इस मामले पर करावल नगर कांग्रेस जिलाध्यक्ष आदेश भारद्वाज का कहना है कि मौजूदा सरकार ने छुट्टियों से पहले फीस वृद्धि करने वाले स्कूलो के खिलाफ एक बिल लाकर एक्शन की बात कही थी लेकिन धरातल पर मामला जीरो। निजी स्कूलों के बाद अब दिल्ली के सरकारी स्कूल और सरकार से मान्यता प्राप्त स्कूलों की मनमानी भी खुलकर सामने आने से अभिभावक परेशान हो रहे हैं। दिल्ली के फीडर स्कूलों यानी घरों के नजदीक बने निगम या अन्य दूसरे 8वीं या 10वीं तक के छोटे स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे अब जब बड़े स्कूलों में 10वीं के बाद पसंदीदा कोर्स में दाखिले के लिए जा रहें है तो स्कूलों द्वारा दाखिले से इनकार किया जा रहा है। जिससे ना सिर्फ छात्र बल्कि उनके माता पिताओं को परेशानी में डाल दिया है। स्कूल इस फीडर योजना को स्कूल घता बताए जा रहे हैं और सरकार है कि अभिभावकों की शिकायतों और अनुरोधों पर ध्यान नहीं दे रही है। जबकि एक समय मनमोहन सिंह जी की सरकार में 1 अप्रैल 2010 को भारतीय संविधान में 21ए जोड़कर शिक्षा को मौलिक अधिकार के रूप में स्थान दिया गया था। और 2004- 5 में कांग्रेस की ही शीला दीक्षित की सरकार ने तो ईडब्लूएस लागू कर निजी स्कूलों में गरीब वर्गों से आने वाले बच्चों के लिए 25% का कोटा जरूरी कर दिया था ताकि गरीब, पीड़ित और वंचित वर्गों से आने वाले बच्चों को शिक्षा मिल सके और वो देश की तरक्की में अपना योगदान दे सकें।

दिल्ली में होगा व्यापारी कल्याण बोर्ड का गठन : रेखा

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को कहा कि दिल्ली के व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए दिल्ली व्यापारी कल्याण बोर्ड का गठन किया जाएगा। श्रीमती रेखा गुप्ता ने आज यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इस बोर्ड के गठन की मांग दिल्ली के कारोबारी लंबे समय से कर रहे थे। इस प्रस्ताव को मंगलवार को कैबिनेट की मंजूरी मिल गई थी। उन्होंने कहा कि इस बोर्ड के गठन की घोषणा उन्होंने अपने बजट भाषण में भी की थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक वैधानिक निकाय होगा। व्यापार जगत से जुड़े लोग जो वर्षों से समस्याओं का सामना कर रहे थे उसका समाधान करना इस बोर्ड का उद्देश्य होगा। यह बोर्ड व्यापारियों की सामाजिक सुरक्षा के साथ साथ वित्तीय सहायता भी देगा। अभी तक व्यापारियों की समस्याओं को सुनने और उनका समाधान करने के लिए कोई विशेष प्लेटफॉर्म नहीं था। अब यह बोर्ड सरकार और व्यापारियों के बीच एक मजबूत चैनल के रूप में काम करेगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने व्यापारियों के कल्याण के लिए 10 करोड़ रुपये का फंड भी आवंटित किया है। उद्योग मंत्री इस बोर्ड के चेयरमैन होंगे। इसके अलावा इसमें कुल 15 सदस्य होंगे जिनमें नौ लोग व्यापार जगत से जुड़े होंगे और छह अधिकारी सदस्य के रूप में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि दिल्ली के करीब आठ लाख व्यापारियों को इस बोर्ड से सीधा लाभ मिलेगा। सरकार व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और यह बोर्ड व्यापारियों की समस्याओं के समाधान में अहम भूमिका निभाएगा। श्रीमती गुप्ता ने कहा कि दिल्ली के व्यापारी अब अकेले नहीं है। सरकार उनके साथ खड़ी है। कारोबार एक बोझ नहीं बल्कि व्यापार के माध्यम से उनसे राष्ट्र निर्माण में सहयोग मिलता है। उन्होंने कहा, दिल्ली के सभी व्यापारियों को बधाई देती हूं कि वे अब सरकार का हिस्सा बनकर नीतिगत फैसला कर पायेंगे।

देश की सियासत में जारी है अरविंद केजरीवाल का जादू : अरुण तोमर

उपचुनाव परिणामों नें दिखाया कांग्रेस और भाजपा को आईना

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। पंजाब और गुजरात विधानसभा के उपचुनाव परिणामों नें एक बार फिर से साबित कर दिया है देश की जनता काम को तवज्जो देती है ना कि झूठी सियासत को। यह कहना है आम आदमी पार्टी घोंडा विधानसभा के पूर्व संगठन मंत्री अरुण तोमर का। अरुण तोमर कहते है इन चुनाव परिणामों नें भारतीय जनता पार्टी तथा कांग्रेस पार्टी को गुजरात तथा पंजाब में एक साथ पटखनी देते हुए यह संदेश दे दिया है आगामी विधानसभा चुनावों में दोनों राज्यों की जनता अरविन्द केजरीवाल मॉडल को ही पसंद करेगी। अरुण तोमर कहते हैं गुजरात प्रधानमन्त्री नरेंद्र मोदी तथा होम मिनिस्टर अमित शाह की कर्मभूमि है और दोनों के साथ-साथ पुरी राज्य सरकार नें चुनाव जीतने के लिए तमाम हथकंडे अपनाये लेकिन वहां की जनता नें एक बार फिर से अरविन्द केजरीवाल की नीतियों पर भरोसा जताते हुए आम आदमी पार्टी को ही मौका दिया। अरुण तोमर कहते हैं पंजाब के लुधियाना पश्चिम विधानसभा उपचुनाव आम आदमी पार्टी जीतने में सफल रही है. आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार संजीव अरोड़ा को 35179 मत हासिल हुए तो कांग्रेस के भारत भूषण आशु को 24542 वोट मिले. संजीव अरोड़ा 10637 वोटों से जीत दर्ज कर विधायक बन गए हैं. इस तरह से आम आदमी पार्टी ने एक बार फिर से लुधियाना पश्चिम सीट पर अपना दबदबा बनाए रखने में सफलता हासिल की है, जो कांग्रेस के लिए सियासी तौर पर बड़ा झटका है। अरुण तोमर कहते हैं गुजरात और पंजाब दोनों राज्यों में 2027 में विधानसभा चुनाव होने हैं। निर्वाचन आयोग द्वारा साझा किये गये आंकड़ों के मुताबिक, आप के पूर्व गुजरात अध्यक्ष इटालिया ने जूनागढ़ जिले की विसावदर सीट पर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा उम्मीदवार किरीट पटेल को 17, 554 मतों के अंतर से हराया। 21 दौर की मतगणना के बाद इटालिया को 75, 942 मत मिले, जबकि पटेल को 58, 388 मत मिले। अरुण तोमर कहते हैं दोनों राज्यों में ही अगले विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी की लहर रहेगी और पंजाब के साथ-साथ गुजरात में भी आम आदमी पार्टी का प्रचम लहराएगा। अरुण तोमर कहते हैं कांग्रेस लगातार पूरे देश में अपना जनाधार खोती जा रही है वहीं गुजरात में लोग भाजपा की नीतियों से परेशान हो चुके है और ठीक इसी तरह माह चार माह के शासन में दिल्ली की जनता भी भाजपा की असलियत जान चुकी है लिहाजा गुजरात में डेढ़ साल बाद तो दिल्ली में साढे चार साल बाद आम आदमी पार्टी की वापसी होगी।

दोलतपुर पहुचा काग्रेंस प्रतिनिधि मंडल, पीड़ित को हर सम्भव न्याय का दिलाया भरोसा

जहां भी अन्याय और जुल्म होगा वहां कांग्रेस खड़ी होगी: ओमकार कटारिया

अमरोहा/नौगावां सादात ।जिला कांग्रेस कमेटी का एक प्रतिनिधि मंडल नौगावा सादात तहसील क्षेत्र के गांव दौलतपुर मजरा पृथ्वीपुर खुर्द में एबले हसन के घर पहुंचा। जहां कांग्रेसियों ने पीड़ित परिवार से मुलाकात की। साथ ही हर सम्भव मदद का भरोसा भी दिलाया। गौरतलब है कि बीती 18 जून को एक एक्सीडेंट के विवाद में कुछ लोगों ने उनके घर में घुसकर आग लगा दी थी आग से घर का सारा सामान और घर में बंधे पशु तक जल गए पूरी घटना की जानकारी पीड़ित परिवार से ली घटना के तथ्यों को बारीकी से जाना पीड़ित परिवार को हर संभव मदद और सहायता का भरोसा दिया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष ओमकार सिंह कटारिया ने पीड़ित परिवार से कहा कांग्रेस पार्टी आपके साथ खड़ी है आपके साथ जुल्म और अन्याय हुआ है जहां भी जुल्म होगा अन्याय होगा वहां पर जुल्म और अन्य के खिलाफ कांग्रेस पार्टी खड़ी होगी कांग्रेस पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता खड़ा होगा कांग्रेस पार्टी आपके साथ है आपके दुख दर्द में बराबर की तारीख है आपकी हर संभव मदद करेंगे दोषियों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग को लेकर जिले के आला अधिकारियों से मिलेंगे और आपको इंसाफ दिलाएंगे आप अकेले नहीं है डरने की जरूरत नहीं है पूरी कांग्रेस पार्टी और हम सब आपके साथ खड़े हैं आपको इंसाफ मिलेगा दोषियों पर शाक्त कार्रवाई होगी योगी जी के राज में ऐसी घटना हो रही है की दिनदहाड़े लोगों ने घर में घुसकर एक परिवार के घर में आग लगा दी बीजेपी के राज में कानून व्यवस्था बिल्कुल ध्वस्त हो गई है कानून का राज नहीं है अपराध करने वालों के हौसले बुलंद हैं अपराधियों पर योगी सरकार अंकुश नहीं लगा पा रही है अपराधी बेखोफ होकर दिन तहाड़े घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं यह सामान्य घटना नहीं है दिनदहाड़े किसी के घर में आग लगा दी गई दोषियों ने बेजमान पशुओं को भी नहीं बक्शा। इस मौके पर जिला अध्यक्ष ओंकार सिंह कटारिया, पूर्व जिला अध्यक्ष चौधरी सुखराज सिंह, महासचिव मोहम्मद शाहिद सिद्दीकी खेड़ी, महासचिव राजकुमार अरुण, महासचिव मेराजुल, जफर एडवोकेट, इकबाल अंसारी, चंद्रपाल सिंह चौहान तालिब इदरीसी मुख्य रूप से रहे।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com

नई दिल्ली, गुरुवार, 26 जून, 2025

आप की काम की राजनीति ने दूसरी पार्टियों को स्कूल, अस्पताल बिजली, पानी पर बात करने को मजबूर किया : भगवंत मान

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली, पंजाब और गुजरात उपचुनाव में मिली धमाकेदार जीत के बाद आम आदमी पार्टी ने बुधवार को दिल्ली में जीत का जश्न मनाया। समारोह के मुख्य अतिथि व आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शानदार जीत देने के लिए गुजरात-पंजाब की जनता का आभार जताया। उन्होंने कहा कि पंजाब और गुजरात उपचुनाव में जीत के संदेश साफ हैं कि पंजाब में आप पर जनता का भरोसा बढ़ा है और गुजरात में बदलाव की बयार चल रही है। गुजरात की जनता ने बदलाव की राजनीति को अपना लिया है। यह जीत सिर्फ.चुनाव की नहीं, भरोसे और उम्मीद की भी है। सिर्फ आप सत्ता से पैसा-पैसे से सत्ता के सिस्टम के खिलाफ लड़ रही है। इसलिए देश को कांग्रेस-बीजेपी से नहीं, सिर्फ आप से उम्मीद है। इस दौरान सीएम भगवंत मान, पंजाब प्रभारी मनीष सिसोदिया, गुजरात प्रभारी गोपाल राय समेत आप के सभी बड़े नेता मौजूद रहे। आप देश को साफ-सुथरी राजनीति देकर एक लंबी लकीर खींचने के लिए राजनीति में आई है- केजरीवालअरविंद केजरीवाल ने शानदार जीत दर्ज करने वाले लुधियाना पश्चिम से नवनिर्वाचित विधायक संजीव अरोड़ा और विसावदर के नव निर्वाचित विधायक गोपाल इटालिया को बधाई देते हुए कहा कि हमें उम्मीद है कि संजीव अरोड़ा अपनी विधानसभा में जाकर मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ कंधे से कंधा मिलाकर पंजाब को तरक्की में और आगे बढ़ाएंगे और गोपाल इटालिया विधानसभा में जाकर भाजपा की नाक में दम करेंगे। मैं आप पर इतना जबरदस्त विश्वास दिखाने के लिए गुजरात और पंजाब के लोगों का धन्यवाद देता हू। उन्होंने कहा कि आप देश को एक साफ सुथरी राजनीति देकर परंपरागत राजनीति के सामने एक लंबी लकीर खींचने आई है। संजीव अरोड़ा और गोपाल इटालिया की पृष्ठभूमि बिल्कुल साफ-सुथरी है। ये साफ छवि के समाजसेवी लोग हैं। इन्होंने समाज के लिए बहुत कुछ किया है। ऐसे लोगों को टिकट देकर विधानसभा में पहुंचाना केवल आप ही कर सकती है, कोई और पार्टी नहीं। देश की जनता गुंडे, मवाली, लुच्चे, लफंगों वाली पार्टियां से छुटकारा चाहती है - केजरीवाल अरविंद केजरीवाल ने कहा कि एक जमाने में कहा जाता था कि अच्छे लोग राजनीति में नहीं आने चाहिए, क्योंकि राजनीति उनके लिए नहीं है। लेकिन ह्लआपह्व ने इस धारणा को तोड़ा है। मैं मानता हूं कि अच्छे लोगों को राजनीति में आना चाहिए, लेकिन मेहनत भी करनी चाहिए ताकि जनता उनका साथ दे। संजीव अरोड़ा और गोपाल इटालिया ने मेहनत की और जनता ने इन्हें भारी समर्थन दिया, जो अद्भुत है। यह जीत दिखाती है कि इस देश की जनता साफ-सुथरी राजनीति चाहती है। जनता चाहती है कि गुंडे, मवाली, लुच्चे, लफंगे, जो आज पार्टियों में भरे पड़े हैं, उनसे छुटकारा मिले और अच्छे, ईमानदार, साफ-सुथरी छवि वाले, काम करने वाले लोग राजनीति में आएं। लुधियाना पश्चिम की जीत ने आप के काम पर लगाई मुहर, 2027 में 2022 का रिकॉर्ड तोड़ेंगे - केजरीवाल अरविंद केजरीवाल ने कहा कि जिस तरह का जीत का मार्जिन है, वह अद्भुत है। पंजाब में दो साल बाद चुनाव हैं। तीन साल से हमारी सरकार चल रही है। अक्सर कहा जाता है कि तीन साल सरकार चलाने के बाद सत्ता विरोधी लहर आ जाती है। लेकिन संजीव अरोड़ा जिस मार्जिन से जीते, उससे लगता है कि सत्ता विरोधी लहर तो छोड़ो, सत्ता समर्थक लहर है। पिछली बार इस विधानसभा में 1,15,000 वोट पड़े थे, इस बार 85,000 वोट पड़े। पिछली बार आप 7,500 मतों के अंतर से जीती थी, इस बार आप को 10,700 मतों के बड़े अंतर से जीत मिली है। इसका मतलब है कि लोग पिछली बार से ज्यादा समर्थन दे रहे हैं। लोग कह रहे हैं कि बहुत अच्छा काम कर रहे हो, आगे बढ़ो। यह राजनीति में अक्सर देखने को नहीं मिलता। जिस तरह से ह्लआपह्व की सरकार पंजाब में काम कर रही है, ऐसा लगता है कि पिछली बार 92 सीटें आई थीं, इस बार 100 से ज्यादा सीटें मिलेंगी। नशे के विरुद्ध अभियान से पंजाब के लोग खुश, हमें खूब दे रहे आशीर्वाद- केजरीवाल अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पंजाब में नशे के खिलाफ जो युद्ध छेड़ा गया है, वह भी एक बड़ी बात है। गांव-गांव से, छोटे-छोटे परिवारों से हमें जो आशीर्वाद मिल रहा है, वह इसलिए है क्योंकि जिनके बच्चे नशे में डूब गए थे, वे अब बाहर आ रहे हैं। यही आशीर्वाद आप को तरक्की देता है। पूरे देश में नशा है, दिल्ली, हरियाणा, गुजरात, गोवा, हर जगह। लेकिन पंजाब में जिस तरह नशे पर चोट की जा रही है, बड़े-बड़े तस्करों को पकड़ा जा रहा है, उनके खिलाफ बुलडोजर चलाए जा रहे हैं, मैसेज दिया जा रहा है कि चाहे कितना भी बड़ा नेता हो, नशे की तस्करी में शामिल होगा तो उसे बख्शा नहीं जाएगा।

आपात काल संस्मरण: आपातकाल के सच्चे क्रांतिकारी डॉक्टर नेमीशरण वर्मा को सच्ची श्रद्धांजलि

प्रात: किरण संवाददाता

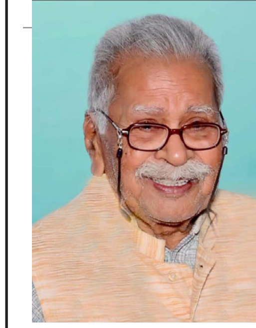

स्योहारा क्षेत्र की जानी मानी शख्सियत एवं भाजपा के अति वरिष्ठ नेता एवं 25 जून 1975 - आपातकाल के सच्चे क्रांतिकारी रहे स्वर्गीय डॉक्टर नेमीशरण वर्मा जी को आपातकाल की 50 वीं वर्षगांठ पर सच्ची श्रद्धांजलि दी गई। नगर के डॉ. नेमिशरण वर्मा एक सच्चे क्रांतिकारी एवं समाजसेवी थे। जिन्होंने जीवन भर समाज एवं राष्ट्रहित में संघर्ष किया और अपने जीवन में लगभग तीन वर्षों तक विभिन्न आंदोलनों में भाग लेने के कारण जेलवास सहा।1942 में भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लेते हुए वे जेल गए। 1948 में गांधी हत्या कांड के बाद संघ पर प्रतिबंध के दौरान वे सीमित जनपद बिजनौर के स्योहारा से एकमात्र स्वयंसेवक थे जिन्हें जेल भेजा गया। 1975 के आपातकाल के दौरान वे 22 माह तक मीसाबंदी के रूप में फतेहगढ़ केंद्रीय कारागार में बंद रहे। 1990 में राम मंदिर आंदोलन में कारसेवक के रूप में जेल गए। वे गोहत्याबंदी आंदोलन में भी जेल यात्रा कर चुके थे। आपको बताते चले कि राजनीतिक जीवन में डॉ. वर्मा को विशेष रूप से याद किया जाता है क्योंकि वह 1951 में जनसंघ के प्रथम जिलाध्यक्ष बने थे। जिन्हें पं. दीनदयाल उपाध्याय द्वारा स्योहारा आकर स्वत: विशेष रूप से नियुक्त किया गया था। ये अपने आप में बड़ी बात थी। भारतीय जनता पार्टी के गठन के बाद वे भाजपा के पहले जिलाध्यक्ष भी रहे। डॉ. नेमिशरण वर्मा एक सच्चे और सही मायनों में समाज के लिए समर्पित योद्धा थे। उन्होंने अपने शरीर और नेत्रों को समाज के लिये दान कर समाज सेवा की अद्भुत मिसाल पेश की। सभी उनके राष्ट्र एवं समाज के प्रति अद्वितीय योगदान को नमन करते हैं और उनकी प्रेरणा से समाजहित में कार्य करने का संकल्प लेते हैं।

शाहदरा जिले के डीसीपी प्रशांत गौतम के नेतृत्व में नशा तस्करों पर दो स्थानों से बड़ी कार्रवाई, दो गिरफ्तार

प्रात: किरण. मनोज जैन

शाहदरा जिले के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) श्री प्रशांत गौतम ने जानकारी दी कि थाना फर्श बाजार और थाना जगतपुरी की पुलिस टीमों ने नशीले पदार्थों की तस्करी में संलिप्त दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। दोनों के पास से प्रतिबंधित मादक दवाएं एवं इंजेक्शन बरामद किए गए हैं, जो युवाओं को नशे का आदी बनाने में प्रयुक्त हो रहे थे। पहली कार्रवाई थाना फर्श बाजार की टीम द्वारा की गई, जिसमें उप निरीक्षक अली हसन, मुख्य आरक्षक हेमंत कुमार तथा मुख्य आरक्षक रवि शेखर, थाना प्रभारी अजय करण शर्मा के नेतृत्व और सहायक पुलिस आयुक्त विजय कुमार नागर की देखरेख में की गई। गश्त के दौरान एनएसए कॉलोनी क्षेत्र में सुनील उर्फ काले निवासी विश्वास नगर को गिरफ्तार किया गया, जो थाना क्षेत्र का सक्रिय अपराधी है। तलाशी में उसके पास से फेनेरामिन मेलीएट के 27 इंजेक्शन और बुप्रिनॉर्फिन हाइड्रोक्लोराइड की 46 गोलियाँ बरामद की गईं। आरोपी पर पहले से लूट, झपटमारी, चोरी एवं एनडीपीएस अधिनियम के अंतर्गत 36 आपराधिक मामले दर्ज हैं। उसके विरुद्ध थाना फर्श बाजार में मामला दर्ज किया गया है। दूसरी कार्रवाई थाना जगतपुरी की टीम द्वारा की गई, जहाँ गुप्त सूचना के आधार पर सिल्वर पार्क, शिवपुरी क्षेत्र में नदीम अहमद निवासी परवाना रोड, उम्र 26 वर्ष को पकड़ा गया। तलाशी लेने पर उसके पास से बुप्रिनॉर्फिन और नालोक्सोन की 18 गोलियाँ तथा फेनेरामिन मेलीएट (10 मिलीलीटर) के 18 इंजेक्शन बरामद हुए। पूछताछ में आरोपी कोई संतोषजनक उत्तर नहीं दे पाया। थाना जगतपुरी में उसके विरुद्ध मामला दर्ज कर विधिक कार्यवाही की जा रही है। डीसीपी श्री प्रशांत गौतम ने बताया कि शाहदरा जिले में नशे के खिलाफ पुलिस की विशेष मुहिम लगातार जारी है। सभी थाना प्रभारियों और पुलिसकर्मियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि नशे के व्यापार में संलिप्त व्यक्तियों पर कड़ी निगरानी रखते हुए सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि युवा पीढ़ी को नशे के जाल से बचाया जा सके।

डीसीपी प्रशांत गौतम के निर्देशन में साइबर टीम की बड़ी कार्रवाई, फर्जी नौकरी घोटाले का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

प्रात: किरण. मनोज जैन

शाहदरा जिले के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) श्री प्रशांत गौतम ने बताया कि यूट्यूब और व्हाट्सएप के माध्यम से युवाओं को नौकरी के झूठे वादे देकर ठगी करने वाले गिरोह का पदार्फाश करते हुए साइबर थाना शाहदरा की टीम ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी और उसकी पत्नी ट्रेजर फाइंड सॉल्यूशन नामक फर्जी प्लेसमेंट एजेंसी के नाम पर बेरोजगार युवाओं से हजारों रुपये की ठगी कर रहे थे। यह मामला तब सामने आया जब 19 वर्षीय युवक, जो भोलानाथ नगर, शाहदरा का निवासी है, ने यूट्यूब पर जॉब है नामक मोबाइल ऐप का विज्ञापन देखा। ऐप डाउनलोड करने के बाद उसने कैशियर पद के लिए आवेदन किया। इसके बाद उसे व्हाट्सएप पर एचआर कमल नामक व्यक्ति का संदेश आया और 27 मई को निर्माण विहार मेट्रो खंभा संख्या 54 के पास साक्षात्कार के लिए बुलाया गया। फर्जी एचआर ने युवक को जेप्टो कंपनी में नौकरी दिलाने का झांसा दिया और रजिस्ट्रेशन, दस्तावेज सत्यापन, सेवा अनुबंध शुल्क, कर कटौती और अंतिम प्रक्रिया शुल्क जैसे बहानों से 27 मई से 6 जून के बीच किश्तों में 9,000 से अधिक की राशि मोबाइल भुगतान ऐप से मंगवाई। जब पीड़ित ने आगे पैसे देने से मना किया, तो उसे व्हाट्सएप पर ही ब्लॉक कर दिया गया। शिकायत पर साइबर थाना शाहदरा में मामला दर्ज किया गया और निरीक्षक विजय कुमार (प्रभारी, साइबर थाना) के नेतृत्व में उपनिरीक्षक ऋतु डांगी, सहायक उपनिरीक्षक राहुल चौधरी, मुख्य आरक्षक हरेंद्र, मुख्य आरक्षक रजनी और सिपाही अमित की टीम गठित की गई। जांच में तकनीकी निगरानी, मोबाइल रिकॉर्ड विश्लेषण और बैंकों की जानकारी के माध्यम से इस पूरे जाल का खुलासा हुआ। जांच में पता चला कि फर्जी भुगतान दो खातों में गया – रत्नाकर बैंक खाता जो शिवम (श्याम कॉलोनी, बुढ़विहार फेज-2, दिल्ली) के नाम पर है, और इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक खाता जो अभिषेक तिवारी (पुलिस कॉलोनी, नई दिल्ली) के नाम पर है। मोबाइल विश्लेषण से यह भी सामने आया कि आरोपी राहुल निवासी लावाखुर्द, बहादुरगढ़ (हरियाणा) है, जो अपनी पत्नी सीमा यादव निवासी अध्यापक नगर, निलोठी के साथ मिलकर यह फर्जी कंपनी चला रहा था। पुलिस ने नोएडा सेक्टर-63 व सेक्टर-38 में छापेमारी की, वहीं अभिषेक तिवारी को कुंडा, प्रयागराज में ट्रेस किया गया। आरोपी राहुल को गिरफ्तार कर लिया गया है, लेकिन उसकी पत्नी मोबाइल बंद कर फरार हो गई है। पुलिस ने निर्माण विहार स्थित कार्यालय (वीआईपी वस्त्रालय के ऊपर, भवन संख्या 8) पर दबिश दी, जहाँ से करीब 100 उम्मीदवारों के जीवनवृत्त (बायोडाटा), आधार कार्ड की प्रतियाँ, सेवा अनुबंध पत्र और ह्लट्रेजर फाइंड सॉल्यूशनह्व की मोहर बरामद की गई। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वे 2011 से फर्जी नियुक्ति एजेंसी चलाकर लोगों को ठगते आ रहे हैं। डीसीपी प्रशांत गौतम ने नागरिकों से भी अपील की है कि वे ऑनलाइन नौकरी से जुड़ी किसी भी पेशकश की सत्यता की पूरी जांच करें। किसी भी अज्ञात कड़ी (लिंक) या त्वरित कोड (क्यूआर कोड) पर धनराशि भेजने से बचें। किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि की जानकारी होने पर तुरंत साइबर पुलिस सहायता नंबर 1930 पर संपर्क करें।

धामपुर तहसील परिसर मे स्थित मंदिर में हुआ वार्षिक भंडारे का आयोजन

प्रात: किरण संवाददाता

धामपुर ।तहसील धामपुर परिसर मंदिर में बड़े ही श्रद्धा के साथ वार्षिक भंडारे का तहसील कर्मचारियों की ओर से आयोजन किया गया जिसमें भक्तजनों, श्रद्धालुओं, अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ साथ आमजन ने भी आकर प्रसाद ग्रहण किया। धामपुर तहसील परिसर में बने मंदिर के एक वर्ष पूर्ण होने की खुशी में समस्त तहसील कर्मचारियों की ओर से श्रद्धालुओं और भक्तजनों के लिए वार्षिक भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमे सभी ने बड़े ही चाव के साथ भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। तहसील परिसर में बने मंदिर की एक वर्ष पूर्व 24 जून 2024 को तत्कालीन तहसीलदार पवन शर्मा के कर कमलों द्वारा सभी तहसील कर्मचारियों के सहयोग से मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की गई थी। मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के एक वर्ष पूर्ण होने की शुभ अवसर पर पूरे विधि विधान,हवन पूजन के बाद भंडारे का आयोजन किया गया ।जिसमें मुख्य यजमान उपजिलाधिकारी अयोध्या पवन कुमार शर्मा रहे तथा यजमान उपजिलाधिकारी धामपुर रितू रानी व उनके पति शुभम कुमार जिला लेखा परीक्षक बिजनौर, तहसीलदार धामपुर धनराज कुमार व उनकी पत्नी बॉबी धनराज, नायब तहसीलदार विजय कुमार, लेखपाल मयंक भारद्वाज, लेखपाल अंजलि भारद्वाज, तहसील धामपुर लेखपाल संघ के अध्यक्ष प्रवीण नागर उनकी पत्नी मंजू नागर यजमान रहे। पुलिस क्षेत्राधिकारी अभय कुमार पांडे और कोतवाल धामपुर इंसपेक्टर राजेश चौहान ने भी मंदिर में पहुंचकर भगवान के दर्शन किए और भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। भंडारे में आए अतिथियों का लेखपाल संघ की ओर से पटका पहनाकर आदर सत्कार किया गया। तथा उपजिलाधिकारी रितू रानी व उनके पाई शुभम कुमार को हनुमान जी मूर्ति चित्र भेंट किया गया। तहसील मंदिर परिसर में हुए वार्षिक भंडारे के सफल आयोजन करने और व्यवस्था बनाने वालों में मुख्य रूप से मयंक भारद्वाज, प्रवीण नागर ,आशीष त्यागी,अंजलि भरद्वाज, मंजू नागर, छत्रपाल सिंह,प्रभात चौहान, प्रभात चौधरी,अनिल कुमार, नरेश कुमार, अजय कुमार ,लल्लन सिंह पटेल आदि लेखपाल गणों का सहयोग रहा।

आपातकाल स्मृति दिवस पर लोकतंत्र रक्षकों को भाजपा शाहदरा ज़िला ने किया नमन

इंदिरा शासनकाल में लोकतंत्र को पहुंची ठेस पर उठीं मुखर आवाजें, बोले गौतम- संविधान की आत्मा को कुचला गया

● **भव्य आयोजन में लोकतंत्र सेनानियों का शॉल, टोपी व छाता देकर हुआ सम्मान, प्रेस की आजादी व न्यायपालिका पर हुई चर्चा**

प्रात: किरण. मनोज जैन

भाजपा शाहदरा ज़िला द्वारा मंगलवार, 24 जून 2025 को बाल मंदिर स्कूल में ह्लआपातकाल स्मृति दिवसह्व पर एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। यह आयोजन उन लोकतंत्र सेनानियों की स्मृति में किया गया जिन्होंने 1975 में देश पर थोपे गए आपातकाल का साहसपूर्वक विरोध किया था। कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे और लोकतंत्र की रक्षा में योगदान देने वाले वीरों को शॉल, छाता और हिमाचली टोपी भेंट कर सम्मानित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि, भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं पूर्व सांसद श्री दुष्यंत कुमार गौतम ने कहा कि वर्ष 1975 का आपातकाल किसी युद्ध या राष्ट्रीय आपात स्थिति का परिणाम नहीं था, बल्कि यह तत्कालीन राजनीतिक परिस्थिति और सत्ता की चुनौतियों से उपजे निर्णय का परिणाम था। उन्होंने कहा कि उस समय अनुच्छेद 352 का जिस प्रकार उपयोग हुआ, वह संविधान की आत्मा और लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत था। श्री गौतम ने विशेष रूप से जस्टिस एच.आर. खन्ना के साहसपूर्ण फैसले को याद करते हुए उन्हें लोकतंत्र का रक्षक बताया। पूर्व महापौर श्री जयप्रकाश (जे.पी.) ने अपने संबोधन में कहा कि आपातकाल में ऐसे व्यक्तियों को निर्णय प्रक्रिया में शामिल किया गया जो किसी संवैधानिक पद पर नहीं थे। उन्होंने संजय गांधी की भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि यह एक ऐसा दौर था जब संवैधानिक सीमाएं धुंधली हो गई थीं। श्री जे.पी. ने आपातकाल झेलने वाले सभी बंदियों को ह्लसंविधान प्रहरीह्व कहते हुए उनका शालीन भाव से अभिनंदन किया। भाजपा शाहदरा ज़िला अध्यक्ष श्री दीपक मदनलाल गाबा ने कहा कि उस कालखंड में ह्लमिशाह्व जैसे विशेष कानूनों के अंतर्गत एक लाख से अधिक नागरिकों को बिना मुकदमा जेल में रखा गया। इनमें जयप्रकाश नारायण, अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी, अरुण जेटली और कई प्रमुख छात्र नेता शामिल थे। उन्होंने कहा कि इंदिरा सरकार द्वारा 39वें और 42वें संविधान संशोधनों के जरिए न्यायपालिका की स्वतंत्रता को सीमित करने का प्रयास भी किया गया, जो लोकतंत्र की मूल भावना के विपरीत था। कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री श्री दुष्यंत गौतम, पूर्व महापौर श्री जयप्रकाश (जे.पी.), ज़िला अध्यक्ष श्री दीपक मदनलाल गाबा, प्रदेश मंत्री श्रीमती सारिका जैन, विधायक श्री ओमप्रकाश शर्मा, श्री संजय गोयल, श्री अनिल गोयल, ज़िला प्रवक्ता एडवोकेट भारत गौड़, शाहदरा साउथ जोन चेयरमैन श्री रामकिशोर शर्मा, श्री महेंद्र आहूजा, मंडल अध्यक्ष श्री वैभव मेहरा, श्रीमती गीता शर्मा, श्री विजय शर्मा, संयोजक श्री रोमेश गुप्ता, श्रीमती अपर्णा गोयल, श्री अशोक आहूजा, श्री निर्मल जैन, निगम पार्षद श्री रमेश गर्ग सहित अनेक कार्यकर्ता एवं नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया।

नवागत अधिशासी अधिकारी दीपक कुमार ने संभाला सहसपुर नगर पंचायत का चार्ज

नगर में साफ सफाई, साफ पेयजल, गड्ढा मुक्त सड़के एवं पथ प्रकाश मेरी प्राथमिकता: दीपक कुमार

प्रात: किरण संवाददाता, नादिर त्यागी

सहसपुर। दीपक कुमार सहसपुर नगर पंचायत के नए अधिशासी अधिकारी होंगे। दीपक कुमार को जिला मुजफ्फरनगर की नगर पंचायत शाहपुर से सहसपुर नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी के पद पर स्थानांतरित किया गया। उन्होंने सोमवार को पंचायत सहसपुर कार्यालय में अपना कार्य भार संभाल लिया है। अधिशासी अधिकारी दीपक कुमार ने नगर पंचायत सहसपुर में अपना कार्यभार संभालते हुए बताया कि नगर पंचायत सहसपुर की जनता चाहे वो नौजवानों हो बुजुर्ग (वृद्धा) समस्त नागरिकों के साथ के साथ सदाचार, शिष्टाचार का व्यवहार (मान- सम्मान) दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि सरकार और शासन के आदेशों का पालन करते हुए स्वछता (साफ - सफाई) स्वच्छ पेयजल के साथ-साथ समस्त नगर की गड्ढा मुक्त सड़के, रात्रि में राहगीरों के लिए स्ट्रीट लाइट (पथ प्रकाश आदि सुविधाओं का सुधार ही मेरी प्राथमिकता होगी। नगर पंचायत का कार्य एक टीम वर्क होता है चेयरपर्सन ,सभासदों व कर्मचारियों की सलाह और सहयोग से सहसपुर नगर में विकास कार्य किये जाएंगे तथा और भी नगर पंचायत से संबंधित जनता की समस्याएं समय रहते निस्तारित कराई जाएगी। इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी एवं चेयरपर्सन पति अमजद अली अंसारी, बोर्ड मेम्बर्स , वरिष्ठ लिपिक सलमान अली, लिपिक जमशेद अली, लिपिक रिजवान मशकूर, लिपिक शाहबाज अहमद आदि सहित अन्य कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

मोहर्रम की तैयारी में जुटे अजादार सजने लगें फानूस झूमर से इमाम बाड़े

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। नगर के सभी मोहल्लों के इमाम बाड़ो में मोहर्रम की तैयारियां शुरू हो गई हैं। नगर में खराब रास्तों की मरम्मत का काम तेजी से चल रहा है। गड्ढों वाले रास्तों पर मरम्मत का काम लग भग हो गया है। बता दें की मोहर्रम का आगाज होने वाला है, जिसमें इमाम हुसैन और उनके साथियों की शहादत की याद में हर वर्ष मातमी जुलूस निकाले जाते हैं। शिया समाज तैयारी में जुटा है। चांद दिखने के बाद इमामबाड़ों में मजलिस का आयोजन किया जाता है। गम के माह का आगाज चाँद देख कर हो जाता है। जिसके बाद सभी अजाखानो मे हुसैनी बाजा बजा कर ऐलान के बाद मोहर्रम शुरू हो जाएगा। जिसके बाद नगर मे अपनी रिवायत के अनुसार 3 मोहर्रम से पैगंबरे मोहम्मद साहब के नवासे हजरत इमाम हुसैन और उनके 71 साथियों की शहादत की याद में मनाए जाने वाला मोहर्रम में मातमी जुलूस निकलेंगे। जो पूरे शहर मे गश्त करते हैं। वही इमामबाड़ों और घरों में फर्श-ए-अजा बिछा दी जाएगी। मजलिस-मातम का सिलसिला शुरू हो जाएगा। शिया समाज में मोहर्रम का चांद देखने के बाद खुद सोगवार (गम) में डूब जाते हैं। मोहर्रम की तैयारी मुस्लिम समुदाय के लोग एक हफ्ता पहले से कर रहे हैं। घरों में रंगाई-पुताई के अलावा इमामबाड़ों को तैयार किया जा रहा है। चांद दिखते ही इमामबाड़ों में शबीहे अलम, ताबूत, ताजिया सजा दिए जाएंगे। इसके बाद फर्श-ए-अजा बिछाकर इमाम हुसैन की मजलिस शुरू होंगी। नियाज नजर का सिल सिला बा दस्तूर चलता रहेगा।

पालिका कर्मियों को संचारी रोग के प्रति किया जागरूक

मंडी धनौरा ।बुधवार को नगर पालिका सभागार में स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचारी रोगों को लेकर एक बैठक का आयोजन हुआ। इस दौरान सफाई प्रभारी विशाल शर्मा ने कहा कि अभियान के अंतर्गत आमजन को संचारी रोग से बचाव, स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जाएगा। इन अभियानों के तहत, स्वास्थ्य विभाग की टीम घर-घर जाकर लोगों को जागरूक करती है और संचारी रोगों से बचाव के लिए जरूरी उपाय बताती है। बैठक में सभी सभासदों को अपने-अपने वार्ड के लोगों को संचारी रोग के प्रति जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया। स्वास्थ्य विभाग से आए डॉ. अमित कुमार व शीबा परवीन ने सभी कर्मचारियों को नाले व नालियों की साफ सफाई के साथ एंटी लार्वा का उपयोग करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि साफ सफाई से हर बीमारी से बचा जा सकता है सामूहिक प्रयासों से मलेरिया व डेंगू पर प्रभावित नियंत्रण के लिए कार्यवाही को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान के दौरान बुखार के रोगियों की पहचान भी की जा रही है। इस दौरान वरिष्ठ लिपिक उमेश कुमार, लेखा लिपिक सोनू पिवाल, आरती शर्मा, कृष्ण कुमार, रामेंद्र यादव, पंकज कुमार, सभासद राजू बादशाह, राजेन्द्र सिंह, निशान्त, महेंद्र सिंह, राजकुमार, मनोज कुमार, लज्जावती आदि मौजूद रहे।

अमावस्या पर समस्त नागर परिवार द्वारा पितृ तर्पण हेतु भव्य भंडारे का आयोजन

● **शांति मोहल्ला गली संख्या 15 में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया, नागर परिवार ने पूर्वजों को अर्पित की श्रद्धांजलि**

प्रात: किरण. मनोज जैन

शाहदरा विधानसभा क्षेत्र के शांति मोहल्ला, गली संख्या 15 में आज अमावस्या के पावन अवसर पर समस्त नागर परिवार द्वारा अपने पितृ देवताओं की स्मृति में भव्य भंडारे का आयोजन श्रद्धा, सेवा और पारिवारिक भावनाओं के साथ किया गया। यह आयोजन न केवल एक धार्मिक परंपरा थी, बल्कि पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता का जीवंत प्रतीक भी बनकर उभरा। आयोजन स्थल को पारंपरिक ढंग से सजाया गया था। धूप, दीप, पुष्प, तोरण और भक्ति संगीत के बीच नागर परिवार के सभी सदस्यों ने अपने पितरों को साक्षी मानकर तर्पण व भंडारा अर्पित किया। यह क्रिया केवल एक धार्मिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि मन, वचन और कर्म से निकली श्रद्धांजलि थी, जो पीढ़ियों को अपने जड़ों से जोड़ने का भाव पैदा करती है। वहीं, हजारों श्रद्धालुओं ने श्रद्धा के साथ प्रसाद ग्रहण किया और आयोजन की गरिमा में सहभागी बने। इस आयोजन को सफल बनाने में हातिम सिंह नागर, जोगिंदर सिंह जुग्गा नागर, ब्रह्म सिंह नागर, संदीप नागर, गौरव नागर, राजीव नागर, आदेश नागर, नीलू नागर, सुंदर नागर, रजनीश नागर, सचिन नागर और कमल नागर की सक्रिय भूमिका रही। संचालन और समन्वय में चौधरी अर्जुन (गोल बैठक) और चौधरी रणबीर पहलवान ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। पूरे नागर परिवार ने मिलकर पितृ श्रद्धा को कर्म रूप में परिणत किया। यह आयोजन हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी नागर परिवार द्वारा अमावस्या पर पितृ स्मरण हेतु किया गया। सिर्फ भंडारा नहीं, बल्कि यह आयोजन भावनात्मक तर्पण, स्मृति, कृतज्ञता और संस्कारों का संगम बनकर उपस्थित हुआ। स्थानीय नागरिकों और श्रद्धालुओं ने इस पवित्र कार्य के लिए नागर परिवार की भूरि-भूरि प्रशंसा की। दिन भर वातावरण में भक्ति, सेवा और शांति का सामंजस्य बना रहा।

अमावस्या पर श्रद्धालुओं ने गंगा में लगाई आस्था की डुबकी

गजरौला। अमावस्या के मौके पर बुधवार को ब्रजघाट व तिगरी घाट पर गंगा में लाखों श्रद्धालुओं ने स्नान कर पुण्य लाभ कमाया। स्थानीय समेत दूर दराज से आए श्रद्धालुओं ने भी आस्था की डुबकी लगाई। गंगा घाट पर पुरोहितों द्वारा पूजा अर्चना कराई गई। दोपहर तक श्रद्धालुओं के स्नान करने के लिए घाटों पर पहुंचने का सिलसिला जारी था। उधर, इस दौरान वाहनों की भारी तादाद के चलते राष्ट्रीय राजमार्ग पर घंटों जाम लग रहा। बुधवार तड़के से ही श्रद्धालुओं ने गंगास्नान शुरू कर दिया। बहुत से श्रद्धालुओं ने तो देर रात से ही ब्रजघाट पहुंचना शुरू कर दिया था। उन्होंने सूर्य की पहली किरण के साथ गंगास्नान किया तथा सूर्य को अर्घ्य देकर गंगा की आरती की। मंदिरों में पूजा-अर्चना कर पुण्य लाभ कमाया। हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली राज्यों के अलावा मेरठ, बुलंदशहर, हापुड़, अमरोहा, बिजनौर, मुरादाबाद, रामपुर, संभल आदि जनपदों के श्रद्धालु गंगास्नान करने पहुंचे। गर्मी में श्रद्धालु देर तक गंगा में डुबकी लगाते रहे। वहीं, युवाओं ने जमकर गंगाजल में जमकर अठखेलियां की। तिगरीधाम गंगा में भी श्रद्धालुओं ने स्नान कर मां गंगा की आरती की। घाटों के किनारे अनुष्ठान कराकर घर में सुख शांति की कामना की। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर घाटों पर खासी पुलिस तैनात रही। उधर, ब्रजघाट में राष्ट्रीय राजमार्ग पर सुबह के वक्त करीब दो घंटे जाम लगा रहा। जाम खुलवाने में पुलिस को खासी मशक्कत का सामना करना पड़ा।

नगर पालिका उपनिर्वाचन को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष रूप से संपन्न कराने को लेकर डीएम की समीक्षा बैठक

सभी मतदान केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे से निगरानी करने का आदेश

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। आगामी 28 जून को होने वाले नगर पालिका उपनिर्वाचन को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष रूप से संपन्न कराने को लेकर बुधवार को समाहरणालय स्थित कार्यालय वेश्म में जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा द्वारा सभी पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की गयी। बैठक में 28 जून को होने वाले नगर पालिका उप निर्वाचन तथा 30 जून को मतगणना कार्य की बिंदुवार समीक्षा की गयी। बैठक में पुलिस अधीक्षक सैयद इमरान मसूद, उप विकास आयुक्त अजीत कुमार सिंह, उप निर्वाचन पदाधिकारी राजीव कुमार, सदर अनुमंडल पदाधिकारी कुमार अभिषेक सहित अन्य उपस्थित थे।

बैठक में जिलाधिकारी ने 28 जून को होने वाले नगर पालिका उप निर्वाचन से संबंधित सभी कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि 8 बूथों पर यह चुनाव कराया जाना है, इस लिए बूथ पर सभी प्रकार की आधारभूत सुविधाओं के साथ अन्य व्यवस्थाएं भी पूर्ण कर लें। ई.वी.एम. का रैण्डमाइजेशन हेतु आयोग के निदेशानुसार अक्षरशः करवाई करने का निर्देश दिया गया तथा उसके डिस्पैच हेतु आवश्यक वाहनों की समुचित व्यवस्था का निर्देश दिया।

सामग्री कोषांग को चुनाव संबंधी सभी सामग्री की पैकिंग करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी सामग्री का समुचित पैकिंग कर लें, ताकि मैटेरियल हैंडओवर के दौरान कोई कमी न रहे। उन्होंने कहा कि मतदान के पश्चात ईवीएम रखने के लिए बने स्ट्रॉंग रूम की जांच कर लें तथा आरओ से इससे संबंधित प्रमाण पत्र ले लें।

उन्होंने कहा कि मतदान एवं मतगणना के दिन नियंत्रण कक्ष की तैयारी से संबंधित समीक्षा की गई ताकि पोलिंग की स्थिति का जायजा सहित अन्य जानकारी का आदान प्रदान किया जा सके। साथ ही मतदान के पश्चात ईवीएम प्राप्ति हेतु स्ट्रॉंग रूम के पास ही उसके रिसिविंग की समुचित व्यवस्था करने का निर्देश दिया। इससे संबंधित प्रशिक्षण 27 जून को चुनाव कार्य में लगे पदाधिकारियों एवं कर्मियों को आवश्यक रूप से दे दें, ताकि मतदान के दिन किसी तरह की कोई शिकायत न मिले। उन्होंने उप निर्वाचन पदाधिकारी को मतदान केंद्र तथा मतगणना केंद्र में सीसीटीवी संस्थापन कराने का निर्देश दिया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी ने मतदान के दिन एक आदर्श मतदान केंद्र बनाए जाने का निर्देश निवार्ची पदाधिकारी को दिया। साथ ही मतगणना केंद्रों पर तकनीकि पदाधिकारियों के प्रतिनियुक्ति करने का भी निर्देश दिया गया। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि मतदान के दिन सभी मतदान केंद्रों पर पर्याप्त मात्रा में सुरक्षा बलों की प्रतिनियुक्ति की जाएगी तथा मतदान एवं मतगणना को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष रूप से संपन्न कराया जाएगा।

मतदान केंद्रों के युक्तिकरण के निमित्त राजनैतिक दलों के अध्यक्ष,सचिव के साथ डीएम ने की बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

मधेपुरा जिला निर्वाचन पदाधिकारी -सह- जिला पदाधिकारी तरनजोत सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को न्यू एन आई सी हॉल में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम -2025 के तहत अर्हता तिथि -01-07-2025 के आधार पर विशेष गहन पुनरीक्षण -2025 एवं मतदान केंद्रों के युक्तिकरण के निमित्त सभी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यस्तरीय राजनैतिक दलों के अध्यक्ष/सचिव, मधेपुरा जिला के साथ बैठक आहूत की गई। बैठक में संबंधित बिन्दुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

सामाजिक समरसता एवं जनकल्याण हेतु महाकीर्तन का हुआ आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा नगर निगम क्षेत्र के शिक्षक कॉलोनी वार्ड नंबर 36 स्थित सर्वेश्वर नर्मदेश्वर महादेव मंदिर के सामने स्थित मैदान में मंगलवार को नीम करौली बाबा के शिष्य पंडित शिवम बाबा के सौजन्य से मंदिर स्थित हनुमान जी का विशेष पूजा, महाआरती, महाप्रसाद वितरण एवं देर शाम भजन संध्या का आयोजन किया गया। भजन संध्या में भगवान के भजनों पर श्रोता झूमते रहे। लोक गायिका दीक्षा झा, डॉली कुमारी एवं शंकर बिहारी ने एक से एक भजनों की प्रस्तुति देकर माहौल को भक्तिमय बना दिया एवं दर्शक को झूमाकर भक्ति रस में डुबो दिया। कार्यक्रम कमिटी एवं मंदिर कमिटी के सदस्यों ने सभी कलाकार एवं आगंतुक अतिथि पंडित नीम करौली के अनन्य शिष्य पंडित शिवम झा बाबा, गजमोहन झा, विजय नाथ ठाकुर, पप्पू सिंह, गुणसागर कुमार, रौशन माधव एवं काजू सिंह को मिथिला परंपरा के अनुसार पाग चादर देकर सम्मानित किया। पंडित श्री झा ने बताया कि जनकल्याण एवं सामाजिक समरसता के लिए आज 43 वां कीर्तन भजन का आयोजन किया गया है। पिछले मंगलवार से बटराहा, शिक्षक कॉलोनी, वार्ड नंबर 36 स्थित बाबा बजरंगबली का विशेष पूजा एवं महाकीर्तन का आयोजन हनुमान जी की कृपा से हो रहा है, और आगे भी नियमित रूप से जारी रहेगा। मौके पर मंदिर कमिटी के दीनानाथ पटेल, सुमन कुमार वर्मा, भगवान जी झा, बीरेंद्र पोद्दार, अंशु झा, चंद्रकुमार झा, पंकज राय, रमानाथ पासवान, पंकज झा, अरुण कुंवर, अमन झा, मनोज यादव, दिनेश यादव, रमेश यादव, कुमुद झा, ललितेश्वर झा, संजय वशिष्ठ, विनोद यादव, बालशंकर भारतेन्दु, दीपक झा, विमल कान्त मिश्रा सहित अन्य मौजूद थे। वही विधि व्यवस्था संधारण के लिए टीओपी टू प्रभारी सनोज कुमार, सब इंस्पेक्टर रामोतार यादव सदल बल मौके पर मौजूद थे।

सीवरेज की समस्याओं का निदान नहीं होने से लोग परेशान

मुंगेर। नगर निगम प्रशासन की ओर से केलाबाड़ी की जन समस्याओं में सीवरेज का निदान नहीं होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। केलाबाड़ी के लोगों ने बताया की मोहल्ले में ना तो नाला साफ सफाई कराई गई है और ना ही समुचित पेयजल की समस्याओं का समाधान हो पाया है। जर्जर सड़कों पर जल जमाव रहने से आवाजाही करने वालों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। विभिन्न पेंशन सहित शौचालय पीएम आवास राशन कार्ड सहित कई समस्याओं से मोहल्ले के लोगों को निजात नहीं मिल पाया है। लोगों ने कहा कि इस संबंध में नगर प्रशासन को जल्द से जल्द निजात दिलाने चाहिए। पिछले कई महीनो से विभिन्न गमों तथा शहरों की समस्याओं को अखबारों में प्रकाशित किया जा रहा है लेकिन जिला प्रशासन द्वारा और शहरी क्षेत्र में नगर निगम और प्रखंड और अनुमंडल स्तर पर नगर पंचायत और नगर परिषद में जन समस्याओं की समुचित निदान के लिए कोई कम नहीं उठा रहे हैं। लोगों के लिए चलाए जा रहे कल्याणकारी योजनाओं को भी सही तरीके से लाभ लाभुकों को नहीं मिल पा रहा है हकीकत तो यह है कि लोगों के लिए चलाए जा रहे कल्याणकारी योजनाओं का भी सही तरीके से लाभकों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है जब गांव का विकास नहीं होगा तब तक देश का विकास संभव नहीं है।

आगामी विधान सभा चुनाव के मद्दे नजर अपराधियों और शराब तस्करों पर पुलिस की निगाहे शक्त

नाटकीय अंदाज में पुलिस ने किया भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब बरामद, तस्कर भागने में कामयाब

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा बिहार में शराबबंदी सिर्फ कागजों पर है हकीकत यह है कि तस्कर बेखौफ हैं... और शराब का अवैध धंधा जोरों पर है। ताजा मामला सहरसा से सामने आया है, जहाँ पुलिस ने एक शातिर तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। सदर थाना क्षेत्र के डुमरैल चौक के पास, गुप्त सूचना पर पुलिस ने एक संदिग्ध वैन को रोका और जैसे ही तलाशी शुरू हुई, पुलिस के भी होश उड़ गए। वैन के अंदर बोतलें ही बोतलें थीं... अंग्रेजी शराब की सैकड़ों बोतलें। तस्करों ने शराब को छिपाने के लिए पूरी वैन को अंदर से मॉडिफाई कर रखा था ऊपर से चदरा लगाकर सब कुछ सील कर दिया गया था, ताकि किसी को भनक तक न लगे। पुलिस ने जब मैकेनिक बुलाकर वैन को खोला, तो असलियत सामने आई। विभिन्न ब्रांड की महंगी अंग्रेजी शराब की भारी खेप बरामद हुई, जिसकी कीमत लाखों में बताई जा रही है। हालांकि तस्कर छापेमारी से पहले ही फरार हो गया, लेकिन पुलिस अब उसकी तलाश में है और पूरे नेटवर्क की कड़ियाँ जोड़ने में जुटी है। शराबबंदी के बीच इतनी बड़ी तस्करी की साजिश – क्या वाकई सिस्टम फेल है? या तस्कर सिस्टम से तेज?

बीस सूत्री उपाध्यक्ष कर्यालय का उद्घाटन फीता काटकर जदयू जिला अध्यक्ष ने किया

प्रात : किरण संवाददाता

बरियारपुर (मुंगेर)। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के परिसर में स्थित पुराने भवन के कक्ष में प्रखण्ड बीस सूत्री उपाध्यक्ष के लिए मंगलवार के दिन कार्यलय खोला गया। इस का उद्घाटन संयुक्त रुप से जदयू के नेता नचीकेता मंडल सहित अन्य नेता द्वय ने फीता काटकर उदघाटन किया। इस अवसर पर चिकित्सा पदाधिकारी डाक्टर अनील कुमार सिन्हा, प्रखंड बिकास पदाधिकारी स्वेता कुमारी, के साथ करहरिया पच्चिमी पंचायत के मुखिया अशोक कुमार मंडल, भाजपा प्रखंड अध्यक्ष राजीव कुमार टिट्टु जदयू प्रखंड अध्यक्ष मिथलेश कुमार मंडल, फैयर प्राईस डीलर्स ऐसौसियन अध्यक्ष बिजय कुमार मंडल, उपाध्यक्ष उमेश कुमार मंडल के साथ अनेक गण्यमान्य लोग उपस्थित रहे।

26 वर्षीय वार्ड सदस्य को गोली मारकर हत्या, परिजनों का रो रो के बुरा हाल

बरियारपुर (मुंगेर)। बिगत नो दिनों के अन्तराल मे दो युवकों को गोली मारकर हत्या कर बरियारपुर पुलिस को अपराधियों ने चुनौती दे दिया हैं। बिगत दिन बरियारपुर राजस्व हाट के समीप नेपाली मंडल के पुत्र अशिश की हत्या गोली मारकर कर दिया गया बिजय नगर गांव के वार्ड सदस्य परमजीत कुमार मंडल के हत्या गोली मारकर कर दिया गया। दोनों हत्या के कारण समय रात्री के 8/30 मिनट बताया जाता है। क्या दोनों घटनाओं के हत्यारे बरियारपुर पुलिस के लिए एक चुनोती सावित हो रहा है। दोनों स्थानो पर भीड़भाड़ रहती हैं फिर भी हत्यारे हत्याकांड को अंजाम देकर बरियारपुर पुलिस के लिए चुनोती दे रहा है। हत्या की घटना को पुलिस रोक नहीं सकती है

अवैध रूप से विद्युत चोरी करने के आरोप में 52 पर प्राथमिकी दर्ज और 1575 लोगों का कटा कनेक्शन

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा जिला अंतर्गत अवैध रूप से विद्युत ऊर्जा चोरी की घटना की रोकथाम को लेकर चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत सभी कनीय विद्युत अभियंता के नेतृत्व में एक जाँच दल का गठन कर 52 पर प्राथमिकी दर्ज कराई गयी है। वहीं बकाया नहीं जमा नहीं करने के कारण 1575 लोगों का कनेक्शन काटा गया। कनीय विद्युत अभियंता के द्वारा बताया गया की मीटर से पहले मुख्य सर्विस तार में कटिंग कर एवं एक अतरिक्त तार जोड़कर मीटर बाईपास करते हुए अवैध रूप से विद्युत ऊर्जा चोरी करने को लेकर नौ लाख रुपये जिसमें विद्युत बकाया सहित जुमार्ना लगायी गयी है। उक्त उपभोक्ताओं के द्वारा मीटर बाईपास करने के कारण वास्तविक मान पठन अवरुद्ध हो रहा था तथा विभाग के राजस्व की क्षति हो रही थी। आगे बताते चलें की विद्युत विभाग का बकाया राशि लंबित रहने पर लाइन काटने के उपरांत बिना बकाया राशि तथा पुनः विद्युत संयोजन शुल्क जमा किये अवैध रूप से विद्युत ऊर्जा चोरी की जा रही है और राजस्व की क्षति हो रही है। विद्युत कार्यपालक अभियंता अमित कुमार के द्वारा बताया गया की बिजली चोरी के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिसमे उपभोक्ताओं के परिसर में लगे सर्विस तार, मीटर, बिलिंग एवं बिल के ससमय भुगतान की सघन जांच की जा रही है। जांच में मीटर की सील टूटी हुई, टेम्परिंग या बाईपास पाए जाने पर तत्काल प्राथमिकी दर्ज कराया जा रहा है।

बिहार लोकल बॉडीज एम्प्लॉईज फेडरेशन दो फाड़ - संजय केशरी गुट का हुआ गठन

अवैध कब्जा के कारण नगर निगम को दो करोड़ रुपयों से ज्यादा के राजस्व की क्षति

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। बिहार लोकल बॉडीज एम्प्लॉईज फेडरेशन के वर्तमान कर्ता-धताओं के कार्यकलापों से क्षुब्ध मुंगेर नगर निगम के सैंकड़ो कार्यालय कर्मियों, दैनिक कर्मियों, एनजीओ कर्मियों, जलकल कर्मियों एवं सेवानिवृत्त कर्मियों ने एक अलग गुट का गठन करते हुए ह्लबिहार लोकल बॉडीज एम्प्लॉईज फेडरेशन (संजय केशरी गुट)ह्व का गठन किया। लिखित रूप से इसकी जानकारी नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव, महापौर, निगमायुक्त, प्रमण्डलीय आयुक्त एवं जिलाधिकारी को दी गई हैं। इससे पहले अध्यक्ष संजय केशरी की अध्यक्षता में रामलीला मैदान दुर्गा स्थान, मुंगेर में सैंकड़ो निगम कर्मियों ने नगर निगम प्रशासन द्वारा मौखिक कानून के तहत दैनिक कर्मियों सहित अन्य कर्मियों का लगातार हो रहे दोहन-शोषण पर तीव्र आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि नया संगठन और अलग रजिस्ट्रेशन नहीं कराना है बल्कि इसी संगठन में अपना एक अलग गुट बनाकर काम करना है। इसके बाद सर्वसम्मति से ह्लबिहार लोकल बॉडीज एम्प्लॉईज फेडरेशन (संजय केशरी गुट)ह्व के गठन की घोषणा की गई जिसका उपस्थित निगम कर्मियों ने हाथ उठाकर, ताली बजाकर तथा प्रस्ताव पर हस्ताक्षर कर समर्थन किया। इस अवसर पर उपस्थित निगम कर्मियों को संबोधित करते हुए अध्यक्ष संजय केशरी ने कहा कि संजय केशरी गुट का कार्यक्षेत्र फिलहाल मुंगेर नगर निगम ही होगा लेकिन समय के साथ-साथ इसका विस्तार पूरे बिहार के नगर निकायों तक किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि नगर निगम प्रशासन एक नेता विशेष के इशारे पर काम कर रहा है और उन्हें गैरकानूनी तरीके से दो-ढाई वर्षों से टाउन हॉल में कार्यालय आबंटित किए हुए है जिससे नगर निगम को अनुमानतः दो करोड़ रुपए से भी ज्यादा के राजस्व की क्षति हुई है। श्री केशरी ने दैनिक कर्मियों की सेवा स्थाईकरण, दैनिक मजदूरी 654 रुपए करने, पेंशन सहित सेवांत लाभ, अनुकम्पा बहाली के साथ-साथ चतुर्थ, पंचम एवं षष्ठ वेतनमान का अंतर वेतन, सप्तम वेतनमान दिलाने, लंबित प्रोन्नति आदि पर जोरदार लड़ाई लड़ने की घोषणा की। इस अवसर पर दशरथ यादव, आनन्दी यादव, जुलूम यादव, जयनन्दन मंडल, ब्रह्मदेव केशरी, मुकेश मल्लिक, दिनेश मल्लिक, ओमप्रकाश यादव, बाल्मीकि यादव, सूरज डोम, विनय पासवान, नन्द किशोर कुमार, बिनोद राउत, नित्यानंद सिंह, सीता देवी, माला देवी, पारो देवी, रीना देवी, मनिया देवी, बिक्की मांझी, अमर मांझी, शिबू मल्लिक एवं युगल यादव सहित सैकड़ों निगमकर्मी उपस्थित थे।

नीतीश कुमार ने पेंशन वृद्धि कर असहायों को दी रहता : जिला जदयू प्रवक्ता

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के द्वारा पेंशन योजनाओं की राशि में 3 गुना वृद्धि किए जाने के निर्णय को लेकर मुंगेर जिला जदयू के प्रवक्ता मनोज कुमार रघु ने प्रेस बयान जारी कर इसे ऐतिहासिक और जनकल्याणकारी कदम बताया हैं। ,प्रवक्ता रघु ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का पूरा राजनीतिक जीवन समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के कल्याण को लेकर समर्पित रहा है ,चाहे वह शिक्षा स्वास्थ्य नाली या पुल पुलिया जैसी बुनियादी सुविधा हो या फिर वृद्ध विधवा और दिव्यांगजनों को मिलने वाली पेंशन योजनाएं नीतीश कुमार की योजनाएं सदा ही लोक कल्याण को केंद्र में रखती है, श्री रघु ने कहा की पूर्व में जो पेंशन राशि मिलती थी उससे असहाय लोगों का गुजारा करना बेहद कठिन था लेकिन अब 1100 की मानसिक पेंशन मिलने से पेंशनधारी को जीवन यापन में वास्तविक राहत मिलेगी ,इससे केवल लाभार्थी ही नहीं बल्कि उनके आश्रित परिवारजनों को भी मानसिक और आर्थिक सहारा मिलेगा, प्रवक्ता रघु ने कहा के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को उनके इस संवेदनशील;और दूरदर्शी निर्णय के लिए धन्यवाद दिया और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वह दीघार्यु हो स्वस्थ रहें तथा 2025 से 2030 तक पुनः बिहार के मुख्यमंत्री बनकर जन सेवा करते रहे यह निर्णय राज्य के लाखों जरूरतमंद नागरिकों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने वाला साबित होगा।

मखाना के खेतों में लगे तीन मोटर पंप की चोरों ने कर ली चोरी, किसान परेशान

प्रात : किरण संवाददाता

उदाकिशुनगंज (मधेपुरा) उदाकिशुनगंज थाना क्षेत्र के बुधामा ओपी अंतर्गत शहजादपुर पंचायत के बदरा चाप में एक किसान की मखाना की खेत में लगाए गए तीन मोटर पंप की चोरी हो गई।

मोटर पंप की चोरी होने से मखाना किसान हताश व परेशान है। इस संबंध में शहजादपुर पंचायत के गोरियारी निवासी मिठ्ठू मंडल ने बताया कि मंगलवार रात को लगाए गए मखाना के खेत में पंप बंद कर घर आया था। बुधवार सुबह खेत जाने के बाद मोटर पंप नहीं देखने पर काफी खोजबीन की लेकिन कुछ भी पता नहीं चल सका। तत्पश्चात पीड़ित किसान ने इसकी शिकायत पुलिस से की है। इस संबंध में थानाध्यक्ष विनोद कुमार सिंह ने बताया कि मोटर पंप चोरी की जानकारी मिली है। उन्होंने कहा कि आवेदन मिलने के उपरांत आवश्यक कार्रवाई की जायेगी।

घरेलू विवाद ने ली जानः मधुबनी में दो बच्चों की मां ने लगाई फांसी

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी खजौली थाना अंतर्गत कसमा मरार गांव में एक महिला ने घरेलू विवाद के बाद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान वार्ड संख्या-3 निवासी अजीत चौधरी की 32 वर्षीय पत्नी संगीता देवी के रूप में हुई है। घटना मंगलवार देर शाम की बताई जा रही है, जब संगीता देवी ने घर के एक कमरे में साड़ी से फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली।जानकारी के अनुसार, संगीता की शादी वर्ष 2012 में हुई थी और वह दो बच्चों की मां थी, जिनकी उम्र क्रमशः 5 और 7 वर्ष है। घटना से ठीक एक दिन पूर्व उसके पिता आम और कटहल लेकर बेटी से मिलने आए थे तथा उसे मायके चलने का आग्रह भी किया, लेकिन संगीता ने मना कर दिया।मंगलवार की शाम संगीता का अपने पति के साथ किसी घरेलू विषय को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद वह कमरे में चली गई और काफी देर तक बाहर नहीं निकली। संदेह होने पर परिजनों ने जब दरवाजा तोड़ा तो देखा कि संगीता फंदे से लटकी हुई थी। आनन-फानन में मामले की सूचना पुलिस को दी गई।खजौली थाना की पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमॉर्टम के लिए मधुबनी सदर अस्पताल भेज दिया। थाना प्रभारी प्रवीण कुमार सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत होता है, हालांकि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से ही मृत्यु के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी। मृतका के परिजन और पड़ोसी बताते हैं कि संगीता शांत और सौम्य स्वभाव की महिला थी तथा उसका किसी से कोई विशेष विवाद नहीं था। फिलहाल पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। अभी तक किसी भी पक्ष की ओर से लिखित शिकायत दर्ज नही कराई गई है।

आपातकाल के काले अध्याय पर भाजपा का प्रहार, लखीसराय में कार्यक्रम आयोजित

- भाजपा नेताओं ने कहा- कांग्रेस की तानाशाही का परिणाम था आपातकाल

प्रात : किरण संवाददाता

लखीसराय !भारतीय जनता पार्टी पुरानी बाजार मंडल,लखीसराय द्वारा बुधवार को शहर के पुरानी बाजार स्थित कौशल्या रेजिडेंट होटल में आपातकाल पर चर्चा विषयक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में आपातकाल के 50 वर्ष पूरे होने के मौके पर लोकतंत्र के उस काले अध्याय को याद करते हुए वक्ताओं ने कांग्रेस की नीतियों की कड़ी आलोचना की और भारतीय लोकतंत्र की मजबूती के लिए सतर्क रहने की अपील की। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष मुकुल सिंह ने की। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष धीरेन्द्र सिंह उपस्थित रहे। उन्होंने आपातकाल को भारतीय संविधान और लोकतंत्र के मूल मूल्यों पर सीधा हमला बताया। उन्होंने कहा कि 25 जून 1975 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने सत्ता बचाने के लिए देश को आपातकाल की जंजीरों में जकड़ दिया था। यह कदम न केवल विरोधियों की आवाज दबाने वाला था, बल्कि आम जनता की आजादी पर भी हमला था। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक कुमार सिंह ने भी आपातकाल के भयावह परिणामों को याद करते हुए कहा कि उस दौरान प्रेस की स्वतंत्रता छीन ली गई थी, विपक्षी नेताओं को जेल में डाल दिया गया था और आम नागरिकों के मौलिक अधिकार खत्म कर दिए गए थे। उन्होंने कहा कि भाजपा आज भी आपातकाल की मानसिकता का विरोध करती है और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। मीडिया प्रभारी अजय कुशवाहा ने कहा कि आने वाली पीढ़ी को आपातकाल के इतिहास से परिचित कराना जरूरी है ताकि वे जान सकें कि लोकतंत्र की कीमत क्या होती है और इसकी रक्षा कितनी आवश्यक है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, वरिष्ठ नागरिक और युवाओं ने भाग लिया। सभी ने एक स्वर में लोकतंत्र की रक्षा और उसके मूल्यों को बनाए रखने की शपथ ली। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

मोहर्रम पर्व को लेकर हुई शांति समिति की बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

पुरैनी (मधेपुरा) प्रखंड थाना परिसर में बुधवार को शांति समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता अंचल निरीक्षक अनिल सिंह ने किया। बैठक में सीओ विद्यानंद झा एवं आरो स्मिता झा मौजूद रहे। शांतिपूर्ण माहौल में मोहर्रम का पर्व मनाये जाने को लेकर जनप्रतिनिधियों के साथ विचार विमर्श किया। बैठक को संबोधित करते हुए अंचल निरीक्षक सुरेश कुमार ने कहा कि यहां हर पर्व त्यौहार मिलजुलकर सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में मनाने की परंपरा रही है। हमें उस परंपरा को कायम रखना है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया के माध्यम से अफवाह फैलाने वाले पर होगी कार्यवाही। इस दौरान थाना अध्यक्ष राघव शरण में कहा कि जुलूस में डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। तजिया जुलूस के सभी लाइसेंसधारियों से लाइसेंस नवीनीकरण के लिए आवेदन में तजिया निकलाने का रूट चार्ट की जानकारी देने के लिए कहा। जहां-जहां रेनगा कार्यक्रम आयोजित की जाएगी वहां पुलिस बल की मुस्तैद रहेगी। मौके पर जदयू प्रखंड अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार यादव, कांग्रेस अध्यक्ष जैनूल आबदीन, राजद अध्यक्ष शिवधन शर्मा, मंडल अध्यक्ष रोशन कुशवाहा, सांसद प्रतिनिधि निर्मल ठाकुर, प्रमुख प्रतिनिधि दिनेश पंडित, हिमांशु कुमार, पूर्व प्रमुख जवाहर मेहता, मुखिया मो वाजिद, पूर्व मुखिया पवन केडिया, गजेंद्र राम, जुबेर आलम, मो पप्पू, शहादत परदेसी, राजेश रोशन, मो शमशाद, मो नौशाद, मो मुबारक, मो शाकिर, मो सिकेंन्द्र, मो दिलावर, सुरेंद्र यादव, चंदन दास सहित अन्य मौजूद रहे।

सम्पादकीय

चीन ने बनाया - मच्छर ड्रोन बदल सकता है युद्ध का तरीका

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

तकनीकी युग ने मानव जीवन को जितना आसान बनाया है, उतना ही युद्ध के मैदान को भी जटिल और खतरनाक। अब टैंक, मिसाइल और जेट विमानों की बजाय एक नया युग शुरू हो चुका है ह्वमाइक्रो वॉरफेयरह्व। इस दिशा में चीन ने एक और बड़ा कदम उठाया है, जब उसने मच्छर ड्रोन नामक बायोनिक माइक्रो ड्रोन का सफलतापूर्वक निर्माण किया है। यह ड्रोन इतना छोटा है कि एक उंगली पर रखकर उड़ाया जा सकता है, लेकिन इसके कार्य अत्यंत गंभीर हैं , निगरानी, जासूसी, डेटा कलेक्शन और यहां तक कि दुश्मन की पोजिशन का सटीक पता लगाने का कार्य भी यह मच्छर के आकार का डिवाइस कर सकता है ।मच्छर ड्रोन की लंबाई केवल 1.3 सेंटीमीटर, डिजाइन हूबहू मच्छर जैसा, पंख दो बायोनिक विंग्स जो मच्छर की तरह फड़फड़ाता है, पैर बाल जितने पतले तीन माइक्रो लैग्स, वजन इतना हल्का कि इंसान के बाल से भी कम है। इसमें हाई-डेफिनिशन कैमरा, रडार और नेविगेशन सेंसर, स्मार्टफोन से नियंत्रण, बायोनिक टेक्नोलॉजी आधारित विंग मूवमेंट, सोलर और माइक्रो बैटरी सपोर्ट (सीमित) लगा हुआ है। यह ड्रोन चीन की नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ डिफेंस टेक्नोलॉजी (ठवउ्ळ) के रोबोटिक्स विभाग ने तैयार किया है। इसका उद्देश्य सिर्फ दुश्मन की निगरानी करना नहीं है, बल्कि एक पूरा मिनिएचर रोबोटिक जासूस बनाना है ।ड्रोन में डुअल हाई-रेजोल्यूशन कैमरा सिस्टम लगा है, जो एक मच्छर की आंखों जैसा कार्य करता है। यह सिस्टम 360 डिग्री तक विजुअल डेटा कैप्चर कर सकता है। ड्रोन में मल्टी-सेंसर सिस्टम है, जिसमें तापमान मापने वाला सेंसर, एयर क्वालिटी मापक, वॉटर क्वालिटी एनालाइजर, माइक्रो रडार नेविगेशन सिस्टम है ।इस ड्रोन को स्मार्टफोन या टेबल्ट के जरिए नियंत्रित किया जा सकता है। इसके लिए विशेष एप्लिकेशन आधारित कंट्रोल इंटरफेस विकसित किया गया है ।यह ड्रोन दुश्मन के इलाके में बिना पता चले घुस सकता है और सेना को वास्तविक समय की इंटेलिजेंस दे सकता है। भारत-चीन, चीन-ताइवान जैसी संवेदनशील सीमाओं पर यह ड्रोन चीन की सेना को अग्रिम मोर्चे पर बड़ी बढ़त दे सकता है। यह ड्रोन विशेष कैमरा और सेंसर से किसी व्यक्ति की गतिविधियों की निगरानी कर सकता है, जो आतंकवाद निरोधी अभियानों में कारगर हो सकता है। ड्रोन वाई-फाई नेटवर्क, रेडियो फ्रीक्वेंसी और मोबाइल डेटा की निगरानी में भी उपयोग किया जा सकता है ।बायोनिक टेक्नोलॉजी वह विज्ञान है, जो जीवों के शारीरिक संरचना को तकनीकी मशीनों में उपयोग करता है। मच्छर ड्रोन इसका सबसे बेहतरीन उदाहरण है। यह दिखाता है कि किस तरह एक जीव की उड़ान प्रणाली, पंखों की गति, और ध्वनि-मुक्त उड़ान को मशीनों में बदलकर उपयोग किया जा सकता है ।छोटी बैटरी की वजह से यह ड्रोन बहुत लंबी उड़ान नहीं भर सकता है। इसमें किसी प्रकार का हथियार या अतिरिक्त उपकरण ले जाने की क्षमता नहीं है। हवा का बहाव अधिक होने पर उड़ान असंभव हो जाता है। अगर नियंत्रण प्रणाली को हैक किया गया तो यह ड्रोन दुश्मन के लिए खतरा बन सकता है ।इस ड्रोन के जरिए सीमाओं पर जासूसी की घटनाएं बढ़ सकती हैं। इसका उपयोग खुफिया जानकारी चुराने के लिए किया जा सकता है। छोटे ड्रोन यदि नागरिक क्षेत्रों में उड़ाए जाते हैं तो यह निजता के अधिकारों का उल्लंघन हो सकता है। इस मच्छर ड्रोन ने अमेरिका, रूस, भारत, फ्रांस जैसे देशों को भी ऐसे ही माइक्रो ड्रोन बनाने की दौड़ में झोंक दिया है ।भारत ने भी अपनी उ्रूरव२ और ऊ्रूळ्ड के सहयोग से कई प्रकार के निगरानी ड्रोन विकसित किया हैं। लेकिन अब मच्छर ड्रोन जैसे बायोनिक सर्विलांस सिस्टम की दिशा में तेजी से काम करने की जरूरत है। माइक्रो ड्रोन टेक्नोलॉजी पर अनुसंधान को बढ़ावा, बायोनिक रोबोटिक्स प्रयोगशालाएं, क्र्र्रूळ२, क्र्रू जैसे संस्थानों को फंडिंग, सामरिक नीति में माइक्रो वॉरफेयर की योजना पर काम हो रहा है ।अगर एक मच्छर ड्रोन से किसी साजिश का संचालन हो सकता है, तो कल्पना कीजिए कि हजारों ऐसे ड्रोन एक साथ उड़ते हुए किसी देश की राजधानी में घुस जाएं। इससे साइबर अटैक, डाटा चोरी, वीआईपी ट्रैकिंग, बायोलॉजिकल हथियार के वितरण जैसे कार्य किया जा सकता हैं। यह ड्रोन आने वाले युद्धों को ह्वमानव रहित और सूक्ष्मह्व (वल्लेंल्लल्लीा & द्रू१ङ्क)ह्व बना देगा, जिसमें हथियारों से अधिक डेटा, तकनीक और निगरानी की भूमिका होगी ।चीन का मच्छर ड्रोन विज्ञान और तकनीक की चमत्कारिक क्रांति है, लेकिन यह एक चेतावनी भी है कि युद्ध अब सिर्फ बंदूक या बम से नहीं लड़ा जाएगा, बल्कि हवा में उड़ते अदृश्य खतरों से भी होगा। भारत सहित दुनिया के सभी देशों को अब इस दिशा में नई रणनीति, नई तकनीक और सतर्कता के साथ आगे बढ़ने की जरूरत है।

नशीली दवाओं के खिलाफ महत्वाकांक्षी युद्ध का आह्वान

नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस हर साल 26 जून को नशीली दवाओं मुक्त दुनिया को निर्मित करने के लक्ष्य को प्राप्त करने, कार्रवाई और सहयोग को मजबूत करने के लिए मनाया जाता है। इसका उद्देश्य गलत सूचनाओं का मुकाबला करना और नशीली दवाओं के बारे में तथ्यों को साझा करना है। साथ ही साक्ष्य आधारित रोकथाम, स्वास्थ्य जोखिमों और विश्व नशीली दवाओं की समस्या, उपचार और देखभाल से निपटने के लिए उपलब्ध समाधानों के बारे में जागरूकता पैदा करना है। अवैध ड्रग्स एवं तस्करी मानव के लिए बहुत बड़ी पीड़ा एवं संकट का स्रोत हैं। सबसे कमजोर लोग, खास तौर पर युवा लोग, इस संकट का खामियाजा भुगतते हैं। ड्रग्स का इस्तेमाल करने वाले और नशे की लत से जूझ रहे लोग अंधेरी दुनिया में भटकते हुए कई चुनौतियों का सामना कर रहे है। नशीली दवाओं एवं ड्रग्स के खुद के हानिकारक प्रभाव, उनके द्वारा झेला जाने वाला कलंक, स्वास्थ्य संकट और भेदभाव और अक्सर उनकी स्थिति के प्रति कठोर और अप्रभावी प्रतिक्रियाएं दुनिया को एक महासंकट में धकेल रही है। इसलिये नशे एवं नशीली दवाओं के बढ़ते प्रचलन एवं तस्करी को रोकने के लिये दुनिया को एकजुट होकर इस महत्वाकांक्षी युद्ध को सफल बनाना नितांत अपेक्षित है।

हर साल संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ एवं अपराध कार्यालय (यूएनओडीसी) वैश्विक जागरूकता अभियानों और नीति सिफारिशों का मार्गदर्शन करने के लिए एक थीम निर्धारित करता है। 2025 की थीम है-जंजीरों को तोड़ना : सभी के लिए रोकथाम, उपचार और पुनर्प्राप्ति !यह नारा सामुदायिक समर्थन, स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच और नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी से निपटने में वैश्विक एकजुटता की आवश्यकता पर जोर देता है। यूएनओडीसी की विश्व मादक पदार्थ रिपोर्ट 2020 के अनुसार, वर्ष 2018 में वैश्विक स्तर पर 269 मिलियन लोगों ने मादक पदार्थों का उपयोग किया, जो वर्ष 2009 की तुलना में 30 प्रतिशत अधिक है; तथा अनुमान है कि 35 मिलियन लोग मादक पदार्थ उपयोग विकारों से पीड़ित हैं। यह दिवस न्याय, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और वैकल्पिक आजीविका सहित रोकथाम में निवेश का आह्वान करता है-जो टिकाऊ लचीलेपन के निर्माण के साथ उन्नत एवं स्वस्थ मानव जीवन का आधार हैं।

दुनिया में सभी राष्ट्रों में राजनीति और ड्रग्स का चोली दामन का संबंध है, सभी देशों में बड़ी राजनीतिज्ञ पार्टियों की नशा माफिया एवं नशीले पदार्थों के तस्करों के साथ काफी मिलीभगत है और यही वजह है कि दुनिया नशीले पदार्थों की राजनीति के युग से गुजर रही है। इसलिये भी यह समस्या उग्र से उग्रतर होती जा रही है। जिससे समय के साथ दुनिया में हेरोइन, अफीम, गांजा, चरस के अलावा अन्य नशों के साथ कैप्सूल और नशीली दवाइयों का चलन बढ़ने लगा है ।नशीली दवाओं का दुरुपयोग और अवैध तस्करी वैश्विक स्तर पर चिंता का विषय बनी हुई है, जिससे लाखों व्यक्ति, परिवार और समाज प्रभावित हो रहे हैं। इसीलिये यह दिवस एक स्वस्थ और नशीली दवाओं से मुक्त समाज बनाने के लिए साक्ष्य-आधारित नीतियों, सामुदायिक सहभागिता और नुकसान कम करने की रणनीतियों के महत्व पर प्रकाश डालता है। पिछले वर्ष विश्वभर में 15-64 वर्ष की आयु के 300 मिलियन से अधिक लोगों ने नशीले पदार्थों का उपयोग किया है। मादक द्रव्यों के सेवन संबंधी विकार से पीड़ित 8 में से 1 व्यक्ति को उपचार मिल पाता है,

57 देशों की भारत-विरोधी लामबंदी

पाकिस्तान के दुष्प्रचार की असलियत बताने और भारत का पक्ष रखकर कूटनीतिक समर्थन जुटाने सरकार ने सर्वदलीय प्रतिनिधि मंडलों का विभिन्न देशों में भेजा था। इन सारे प्रयासों की हकीकत यह है, जिन देशों में यह डेलिगेशन गये थे, उन्हीं देशों ने भारत के खिलाफ पारित प्रस्ताव पर दस्तखत किए हैं। कुवैत, सऊदी अरब, यूएई, बहरीन, मलेशिया, कतर, इंडोनेशिया, मिस्र, अल्जीरिया, गुयाना और सिएरा लियोन सहित 11 देशों ने भारत का पक्ष नहीं लिया उल्टे विरोध किया है

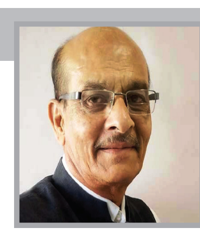

सनत जैन
लेखक

57 इस्लामिक देशों के संगठन ऑर्गनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन (ओआईसी) की हालिया बैठक में भारत के खिलाफ सर्वसम्मति से पारित प्रस्ताव पारित किया गया है। जिसमें भारत की विदेश नीति और ऑपरेशन सिंदूर के निर्णयों को कठघरे में खड़ा किया गया हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री जयशंकर के विदेशी दौरे और विदेश नीति के साथ-साथ, 51 सांसदों का प्रतिनिधिमंडल ऑपरेशन सिंदूर के बाद विभिन्न देशों में गया था। बहुचर्चित ऑपरेशन सिंदूर की साख पर भी ओआईसी के प्रस्ताव से तगडा झटका लगा है। 51 सांसदों को विदेशों में भारत का पक्ष रखने भेजा था। पाकिस्तान के दुष्प्रचार की असलियत बताने और भारत का पक्ष रखकर कूटनीतिक समर्थन जुटाने सरकार ने सर्वदलीय प्रतिनिधि मंडलों का विभिन्न देशों में भेजा था। इन सारे प्रयासों की हकीकत यह है, जिन देशों में यह डेलिगेशन गये थे, उन्हीं देशों ने भारत के खिलाफ पारित प्रस्ताव पर दस्तखत किए हैं। कुवैत, सऊदी अरब, यूएई, बहरीन, मलेशिया, कतर, इंडोनेशिया, मिस्र, अल्जीरिया, गुयाना और सिएरा लियोन सहित 11 देशों ने भारत का पक्ष नहीं लिया उल्टे विरोध किया है। ओआईसी संगठन ने कश्मीर और सिंधु जल संधि जैसे आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने वाले प्रस्ताव पर पाकिस्तान के पक्ष में समर्थन दिया है। जो भारत सरकार की विफल विदेश नीति को दशार्ता है।

यह केवल कूटनीतिक विफलता नहीं, बल्कि भारत के लिये एक शर्मनाक स्थिति है। करोड़ों करदाताओं के टैक्स में जमा सरकारी धन के खर्चे पर सांसदों के प्रतिनिधि मंडलों को विदेशों मे भेजा गया था। जिन देशों में यह प्रतिनिधिमंडल गए थे। वहां पर इसका कोई व्यावहारिक प्रभाव नहीं पड़ा। सरकारी मंच और मीडिया के माध्यम से जनता के बीच जरुर यह भ्रम फैलाया गया। भारत सरकार की यह कोशिशें बड़ी सफल रहीं है। सांसदों के प्रतिनिधि मंडल ने सभी देशों में जाकर भारत का पक्ष अच्छी तरह से रखा है। यह प्रचारित किया गया, सांसदों के प्रतिनिधिमंडल की यात्राओं ने भारत का डंका दुनिया के कई देशों में बजाया है। भारत के सामने पाकिस्तान अलग-थलग पड़ गया है। भारत को हर देश से समर्थन मिला है। ओआईसी के पारित प्रस्तावों ने यह सिद्ध कर दिया है। भारत अंतरराष्ट्रीय मंच पर अकेला पड़ गया है। भारत सरकार की तमाम कोशिशें एवं प्रचार-प्रसार मीडिया तक सीमित हैं। जमीनी स्तर पर उसका प्रभाव देखने को नहीं मिला।

प्रधानमंत्री मोदी की 150 विदेश यात्राएँ, जयशंकर की विदेश मंत्री के रूप में सक्रियता भारत की कूटनीति और सांसदों के डिप्लोमेसी टूर मैं जो बताया गया था, ठीक उसके विपरीत वर्तमान स्थिति है। भारत की इस फजीहत का क्या कारण है। वर्तमान स्थिति में देश के नागरिकों के मन में तीव्र जिज्ञासा है, जनता जानना चाहती हैं। क्या विदेश यात्राएँ राष्ट्रीय हित के लिए थीं। क्या इस तरह की विदेश यात्राएं राजनीतिक और व्यक्तिगत फायदे के लिये होती हैं।

देश को वर्तमान स्थिति को देखते हुए सरकार की आत्ममंथन करने की आवश्यकता है।

किसी भी राष्ट्र के साथ अपने संबंधों को बनाना, कूटनीति के साथ रिश्तों को राष्ट्रीय हित में बेहतर स्थिति में ले जाना, यह वास्तविक कार्य प्रणाली से ही संभव है। इवेंट मैनेजमेंट के जरिए रिश्तों का कोई फायदा नहीं होता है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए यह स्पष्ट हो गया है। भारत को विश्व गुरु के मुखौटे से बाहर निकलना होगा। हम 140 करोड़ की आबादी वाले देश हैं। इससे भी हमें बाहर निकालने की जरूरत है। रिश्ते दो पक्षों के बीच में बनते हैं। दोनों पक्ष एक दूसरे की आवश्यकता जरूरत और संबंधों के आधार पर रिश्ते प्रगाण होते हैं। नए वैश्विक समीकरणों को देखते हुए भारत को राष्ट्रीय हितों, कारोबार की नीतियों तथा संबंधों की स्पष्टता को ध्यान में रखते हुए विदेश नीति बनानी होगी। तभी दुनिया भारत के ऊपर विश्वास करेगी।

जातिगत जनगणना: लोकतंत्र की आत्मा या सत्ता का समीकरण?

आजादी के 75 वर्ष बाद भी जाति भारतीय समाज की संरचना, अवसरों की उपलब्धता, राजनीतिक प्रतिनिधित्व और संसाधनों के वितरण का निर्धारक बनी हुई है। ऐसे में जातिगत जनगणना केवल एक प्रशासनिक कवायद नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, समानता और लोकतंत्र की आत्मा से जुड़ा हुआ सवाल है

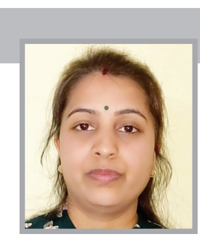

सोनम लववंशी
लेखिका

बीते दिनों केंद्र सरकार ने जातिगत जनगणना कराने की मंजूरी दे दी है। पहली बार देश में डिजिटल जनगणना होगी जो अपने आपमें स्वागतयोग्य कदम है, क्योंकि जो दिखता नहीं, वो गिना नहीं जाता और जो गिना नहीं जाता, वो सत्ता और संसाधनों की दौड़ में कहीं पीछे छूट जाता है। भारत में जाति एक सामाजिक सत्य है, जिसे नजरअंदाज करना असंभव है। आजादी के 75 वर्ष बाद भी जाति भारतीय समाज की संरचना, अवसरों की उपलब्धता, राजनीतिक प्रतिनिधित्व और संसाधनों के वितरण का निर्धारक बनी हुई है। ऐसे में जातिगत जनगणना केवल एक प्रशासनिक कवायद नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, समानता और लोकतंत्र की आत्मा से जुड़ा हुआ सवाल है।

भारत में पहली बार व्यवस्थित जातिगत जनगणना 1871 में की गई थी, जिसे बाद की जनगणनाओं में 1931 तक जारी रखा गया। लेकिन 1951 के बाद से स्वतंत्र भारत में जातिगत आंकड़ों को जानबूझकर इकट्ठा नहीं किया गया। केवल अनुसूचित जातियों और जनजातियों की गणना होती रही। 1931 के बाद से ओबीसी की जनसंख्या का कोई प्रामाणिक आंकड़ा उपलब्ध नहीं है। मंडल आयोग ने 1931 की जनगणना के आधार पर ओबीसी आबादी का अनुमान 52 फीसदी लगाया था, पर यह अनुमान आज के संदर्भ में प्रासंगिक नहीं रह गया है। लगभग एक सदी पुराने आंकड़ों के आधार पर सामाजिक न्याय की नीतियां बनाना न केवल अवैज्ञानिक है, बल्कि लोकतंत्र के मूल्यों के विरुद्ध भी है।

जातिगत जनगणना सामाजिक न्याय के लिए आधारभूत आवश्यक है। यह जानना जरूरी है कि कौन सी जातियाँ कितनी संख्या में हैं, उनकी सामाजिक, शैक्षणिक, आर्थिक और राजनीतिक स्थिति क्या है। सामाजिक न्याय का अर्थ केवल आरक्षण देना नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि समाज के सभी वर्गों को समान अवसर, सम्मान और भागीदारी प्राप्त हो। जब तक पिछड़े वर्गों की वास्तविक स्थिति का आंकलन नहीं होगा, तब तक नीतियों की प्रभावशीलता संदेहास्पद रहेगी। जातिगत जनगणना के बिना यह जानना संभव नहीं कि-

1) कौन सी जातियाँ आरक्षण का वास्तविक लाभ ले रही हैं?

2) किन समुदायों को आज भी हाशिए पर रखा गया है?

3) क्या वर्तमान आरक्षण नीति सामाजिक न्याय के लक्ष्यों को पूरा कर रही है?

आर्थिक आधार पर पिछड़ापन तय करने की मांग लगातार उठती रही है। लेकिन भारतीय संदर्भ में यह तर्क अधूरा है। गरीब तो सभी वर्गों में हो सकते हैं, लेकिन हर गरीब की सामाजिक स्थिति समान नहीं होती। एक सवर्ण गरीब और एक दलित गरीब के बीच जमीन-आसमान का फर्क होता है। दलित या ओबीसी गरीब को सामाजिक भेदभाव, उत्पीड़न, और प्रतिनिधित्व आदि वंचनाओं का सामना करना पड़ता है। इसके उलट, सवर्ण गरीब को सामाजिक नेटवर्क, सम्मान और अवसरों की सांस्कृतिक पूंजी प्राप्त होती है। इसलिए केवल आर्थिक पिछड़ेपन को आधार बनाना, जातिगत असमानताओं की अनदेखी करना है। जाति और आर्थिक स्थिति दोनों को समग्रता में समझना होगा। और इसके लिए जातिगत आंकड़े अनिवार्य हैं।

भारतीय संविधान में सामाजिक न्याय की अवधारणा निहित है। अनुच्छेद 15(4) और 16(4) में राज्य को यह अधिकार दिया गया है कि वह सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों के लिए विशेष प्रावधान करे, लेकिन सवाल यह है कि बिना आंकड़ों के हम यह कैसे तय करेंगे कि पिछड़ा वर्ग कौन है और कितना पिछड़ा है? क्या यह उचित है कि 90 साल पुराने आंकड़ों के आधार पर 140 करोड़ की आबादी के लिए नीतियां बनाई जाएं? जातिगत जनगणना संविधान की उस आत्मा को सशक्त करती है जो समानता, स्वतंत्रता और न्याय की बात करती है। लोकतंत्र का अर्थ केवल मतदान का अधिकार नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक को बराबरी के अवसर देना भी है।

जातिगत जनगणना केवल सामाजिक नहीं, बल्कि एक राजनीतिक मुद्दा भी है। यह चुनावी गणित और सत्ता संतुलन को प्रभावित कर सकती है। यही कारण है कि केंद्र की सरकारें वर्षों से इसे टालती रही हैं। अगर जातिगत आंकड़े सामने आ जाए और यह साबित हो जाएगा कि ओबीसी वर्ग

भारतीय कामगारों का सशक्तिकरण : रोजगार में बढ़ोतरी और श्रमिक कल्याण के डिजिटल उपाय

वी. अनंत नागेश्वरन
भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार

आधुनिक डिजिटल युग में, चैटबॉट, पोर्टल, ऑनलाइन शिकायत निवारण व्यवस्था और प्रबंधन सूचना प्रणालियों द्वारा संचालित ई-गवर्नेंस पोर्टल ने सरकार को लोगों के बेहद करीब ला दिया है। प्रौद्योगिकी के माध्यम से सरकार रोजगार वृद्धि और कामगारों की सामाजिक सुरक्षा सहित कई क्षेत्रों में सेवा प्रदान करने को फिर से परिभाषित और पुनसंयोजित कर रही है। अब प्रक्रियाएं अधिक कुशल, पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित बन रही हैं। योजना से संबंधित पोर्टल अब ऑल-इन-वन (एकल सुविधा) प्लेटफॉर्म के रूप में कार्य कर रहे हैं, जो धोखाधड़ी, मैन्युअल प्रक्रियाओं और प्रशासनिक बोझ कम करते हुए कार्यक्रमों के बारे में निर्बाध ज्ञान प्रवाह और लाभ मापन की सुविधा प्रदान करते हैं। योजनाओं को आधार कार्ड से जोड़े जाने और विभिन्न योजनाओं के साथ इसके अंतसंबंध से किसी को दो बार लाभ लेने से रोकने के साथ ही यह सुनिश्चित होता है कि लाभ समय पर लक्षित लोगों तक ही पहुंचें। आपस में जुड़े पोर्टल कामगारों को लाभकारी योजनाओं तक पहुंचने और आवेदन की स्थिति जानने, रोजगार के अवसरों का पता लगाने और कौशल प्रशिक्षण प्राप्त करने में सक्षम बनाते हैं। जबकि ये नियोक्ताओं को राष्ट्रीय प्रतिभा पूल के उपयोग में सहायता प्रदान करते हैं, जिससे कौशल और अनुभव के आधार पर कामगारों की भर्ती संभव हो पाती है। इसके अतिरिक्त, ये पोर्टल असंगठित श्रमिकों, नौकरी के इच्छुक कामगारों, नियोक्ताओं और रोजगार के अवसरों का व्यापक राष्ट्रीय डेटाबेस बनाने में योगदान देते हैं, जिससे नीति निमार्ताओं को सूचित, डेटा-समर्थित निर्णय लेने की सहूलियत मिलती है। किसी बड़े संकट के समय, महामारी इत्यादि के दौरान, ये डेटाबेस बेहद उपयोगी सिद्ध होंगे, जिससे जरूरतमंदों की शीघ्रता से पहचान और समय पर सहायता सुनिश्चित हो सकेगी। यह डिजिटल शासन में परिवर्तन को सुव्यवस्थित कर रहा है, नागरिकों को सशक्त बना रहा है और कल्याणकारी प्रयासों की व्यापकता और प्रभावशीलता बढ़ा रहा है। इन पहल के कुछ उदाहरणों की यहां चर्चा की गई है।

राष्ट्रीय करियर सेवा (एनसीएस) पोर्टल इस परिवर्तनकारी पहल का एक उल्लेखनीय उदाहरण है। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा 2015 में आरंभ किए गए इस पोर्टल ने रोजगार के इच्छुक व्यक्तियों को संबंधित सेवा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 5 करोड़ 50 लाख से अधिक कामगारों के पंजीकरण के साथ, यह एक वन-स्टॉप प्लेटफॉर्मह्व के रूप में काम कर रहा है जो नौकरी पाने के इच्छुक व्यक्तियों को देश भर में रोजगार के अवसरों से जोड़ता है। इस पर उन्हें करियर काउंसलिंग, जॉब मैचिंग, इंटर्नशिप और अप्रेंटिसशिप (प्रशिक्षुता), कौशल विकास पाठ्यक्रम आदि की जानकारी प्रदान की जाती है। किसी राज्य विश्वविद्यालय से तुरंत स्नातक होने वाला छात्र पहले मोबाइल फोन के जरिए देश भर में नौकरी के अवसरों को जानने की कल्पना भी नहीं कर सकता था। पर आज, एनसीएस की मदद से कोई भी व्यक्ति आसानी से स्थान के हिसाब से पीएम गतिशक्ति के साथ एकीकरण के जरिए, देश भर में नौकरियों की खोज कर सकता है, करियर और नौकरी संबंधी परामर्श प्राप्त कर सकता है और यहां तक कि स्किल इंडिया डिजिटल (एसआईडी) पोर्टल के जरिए आवश्यक कौशल भी हासिल कर सकता है। यह सब उसे फोन पर या स्थानीय रोजगार मेलों में शामिल होकर मिल सकता है।

एनसीएस परियोजना के अंतर्गत अब तक लगभग 57 हजार रोजगार मेले आयोजित किए जा चुके हैं। इसके अलावा, एनसीएस पोर्टल को स्किल इंडिया डिजिटल हब (एसआईडीएच), उद्यम, ई-श्रम, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ), कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी), पीएम गतिशक्ति, डिजीलॉकर और अन्य के साथ एकीकृत किया गया है, जिससे हितधारकों की उन तक पहुंच और दक्षता में वृद्धि हुई है। यह पोर्टल लगभग 30 राज्यों और निजी रोजगार पोर्टलों से भी जुड़ा हुआ है, जिससे कामगारों को नौकरी के अवसरों तक व्यापक पहुंच हो रही है। इसी तरह, श्रम सुविधा और समाधान पोर्टल, उद्योग और व्यापार के लिए अनुपालन और व्यापार सुगमता को बढ़ाते हैं तथा विवादों का तेजी से समाधान और दावे तथा श्रमिकों की शिकायतों का निपटान सुनिश्चित करते हैं। ईएसआईसी धनवंतरी मॉड्यूल अस्पतालों और औषधालयों को मरीजों का रिकॉर्ड (परीक्षण इत्यादि) पिछले मामले के इतिहास आदि की बेहतर उपलब्धता प्रदान करने में सक्षम बनाता है, जिससे रोगी की बेहतर देखभाल सुनिश्चित होती है। ये पहल सरकार के संकल्प के स्पष्ट प्रमाण हैं कि प्रौद्योगिकी के लाभ से विभिन्न पहल द्वारा सभी के लिए अधिक सुलभ, कुशल और पारदर्शी सेवा मुहैया कराने के कल्याणकारी उपायों में कोई भी पीछे न छूटे ।रोजगार का दूसरा पहलू सामाजिक सुरक्षा है। भारत में एक बड़ा अनौपचारिक, असंगठित क्षेत्र है जो रोजगार प्रदान करता है। ऐसे रोजगार में नियोक्ता द्वारा कोई लिखित अनुबंध और सामाजिक सुरक्षा नहीं होती। इन कामगारों के लिए, बीमारी, चोट, दुर्घटना, नौकरी छूटना या अन्य आपात स्थिति जैसी कोई भी घटना तुरंत विपत्ति में बदल सकती है। अब सरकार के सामाजिक सुरक्षा के उपाय अस्थायी संकट को आजीवन कठिनाई में बदलने से रोकते हैं। सरकार के निरंतर प्रयासों से इसमें महत्वपूर्ण प्रगति हुई है और सबको सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाना सरकार की प्रमुख प्राथमिकता है। हाल तक लाखों असंगठित श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लाभों तक जागरूकता और पहुंच सीमित थी। पर ई-श्रम पोर्टल ने इस चुनौती का समाधान किया है। असंगठित श्रमिकों को अब सरकार की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए एक विशिष्ट पहचान मिला है। वर्ष 2021 में आरंभ किए गए इस पोर्टल पर 30 करोड़ 70 लाख से अधिक असंगठित श्रमिक पंजीकृत हैं। यह पोर्टल लगभग 13 सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को एक ही स्थान पर एकीकृत कर श्रमिकों के लिए ह्वएकल समाधानह्व के रूप में कार्य करता है, जिससे लाभों को लक्षित रुप से पहुंचाना, उन तक बेहतर पहुंच और योजना संतृप्ति (योजना लाभ) संभव हो पाता है। केंद्रीय बजट 2025-26 में गिग श्रमिकों (अल्पकालिक, अनुबंध-आधारित नौकरी करने वाले) का ई-श्रम से पंजीकरण कर विशिष्ट पहचान पत्र प्रदान किया गया है और उन्हें पीएम जन आरोग्य योजना के दायरे में लाकर सामाजिक सुरक्षा प्रदान की गई है। राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के साथ श्रमिकों का विवरण साझा करके, पोर्टल राज्य स्तर पर श्रमिक कल्याण कार्यक्रमों की बेहतर योजना और कार्यान्वयन को सक्षम बनाता है। इसके अलावा, पोर्टल को राष्ट्रीय करियर सेवा, स्किल इंडिया डिजिटल हब, प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना आदि है।

आपदा से नुकसान कम से कम हो, ये हम सबका प्रयास होना चाहिए : प्रभारी सचिव

संभावित बाढ़ एवं सुखाड़ आपदा से निपटने हेतु सभी तैयारियां पूरी रखने का निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया(घनश्याम)। बी. कार्तिकेय धनजी, सचिव, पथ निर्माण विभाग, बिहार-सह-प्रभारी सचिव, पश्चिम चम्पारण जिला की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में संभावित बाढ़ एवं सुखाड़-2025 के पूर्व तैयारी हेतु समीक्षात्मक बैठक सम्पन्न हुयी। जिला पदाधिकारी धर्मेन्द्र कुमार एवं अपर समाहर्ता विभागीय जांच कुमार रविन्द्र द्वारा पावर प्रजेंटेशन के माध्यम से संभावित बाढ़ एवं सुखाड़ से निपटने के लिए अबतक की गयी तैयारियों से प्रभारी सचिव को अवगत कराया गया। जिला पदाधिकारी ने बताया कि उनके द्वारा कई तटबंधों का निरीक्षण किया गया है और संबंधित अभियंताओं को मुस्तैदी से तटबंधों की निगरानी करने हेतु निर्देशित किया गया है। इसके साथ ही आपदा प्रबंधन की बैठक का तैयारी की समीक्षा की गई है उन्होंने बताया कि आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा जारी एसओपी के अनुरूप जिलास्तर से लेकर पंचायतस्तर तक तैयारियां की जा रही है। अधीक्षण अभियंता, शीर्ष कार्य प्रमंडल वाल्मीकिनगर गंडक बराज से छोड़े जाने वाले पानी की मात्रा से संबंधित प्रतिवेदन प्रतिदिन 12-12 घंटे पर उपलब्ध करा रहे हैं। जल संसाधन विभाग एवं बाढ़ नियंत्रण प्रमंडल से संबंधित सभी कार्यपालक अभियंता तटबंधों की सुरक्षा/देखरेख हेतु स्थानीय स्तर पर स्वयंसेवकों की प्रतिनियुक्ति कर दिये हैं तथा उसकी सूची संबंधित अंचल अधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी एवं जिला आपदा प्रबंधन शाखा को उपलब्ध करा दिये हैं। सभी अंचलाधिकारी अपने क्षेत्र अंतर्गत तटबंधों पर प्रतिनियुक्त कनीय अभियंता/सहायक अभियंता एवं स्वयंसेवकों के साथ बैठक कर लिये हैं। उन्होंने बताया कि सभी एसडीएम एवं प्रखंड के वरीय प्रभारी पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्रान्तर्गत सभी सामुदायिक रसोईयां केन्द्रों, बाढ़ राहत केन्द्रों एवं बाढ़ आश्रय स्थलों का भौतिक सत्यापन कर रहे हैं। सभी एसडीएम अपने अनुमंडल अंतर्गत बाढ़ के दौरान राहत सामग्रियों के वितरण हेतु न्यूनतम दस हजार पैकिंग के लिए सुरक्षित एवं रौशनी वाले उपर्युक्त स्थलों का चयन कर लिये हैं तथा उसका भौतिक सत्यापन भी कर लिये हैं। सिविल सर्जन जिलान्तर्गत सभी बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में चिकित्सक दल का गठन तथा वहां सभी आवश्यक दवाओं की आपूर्ति की व्यवस्था, जिला पशुपालन पदाधिकारी पशु चिकित्सक दल का गठन एवं आवश्यक सभी दवाओं, पशु चारा आदि की व्यवस्था सुनिश्चित कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि जिलास्तर पर आपातकालीन संचालन केन्द्र एवं नियंत्रण कक्ष 247 कार्यरत है। आपातकालीन संचालन केन्द्र का संपर्क नंबर-06254-247003 एवं मोबाईल नंबर-8757547904 है। इसके साथ ही जिला आपातकालीन प्रतिक्रिया सुविधा-सह-प्रशिक्षण केन्द्र मझौलिया अंचल अंतर्गत धोकराहां पंचायत अंतर्गत शिकारपुर गांव में अवस्थित है। इस केन्द्र में एसडीआरएफ की 25 सदस्यों की एक टीम 06 मोटरबोट के साथ नियमित रूप से आवासित है, जो आपातकालीन परिस्थिति से निपटने हेतु 247 तैयार रहते हैं। उन्होंने बताया कि पॉलीथिन शीट्स का वेयर हाउस बेतिया प्रखंड के प्रांगण में अवस्थित है, जिसमें लगभग 11000 पॉलीथिन शीट्स भंडारित है। उन्होंने बताया कि जिले में वर्तमान में प्राइवेट नावों की संख्या 116, लाईफ जैकेट 71 की उपलब्धता है। इसके साथ ही 177 गोताखोर, 107 राहत एवं बचाव दल की सूची, 281 सामुदायिक रसोई, 281 बाढ़ राहत शिविर तथा 15547 पॉलीथिन शीट्स की उपलब्धता है। टी बी. कार्तिकेय धनजी सचिव, पथ निर्माण विभाग, बिहार-सह-प्रभारी सचिव पश्चिम चम्पारण ने कहा कि सभी पदाधिकारियों एवं अभियंताओं की जिम्मेवारी अलग-अलग है लेकिन उद्देश्य एक ही है। आपदा से नुकसान कम से कम हो, ये हम सबका प्रयास होना चाहिए। आपदा से निपटने हेतु सभी विंग्स की महत्वपूर्ण भूमिका है। तैयारी पूरी रखनी है। समीक्षा के क्रम में उन्होंने निर्देश दिया कि पॉलीथिन शीट्स अंचलों को भेज दें। जरूरत के अनुरूप उपलब्ध करा दें। रेस्ट पॉलीथिन शीट्स वेयर हाउस में रखें और आवश्यकतानुसार उपयोग करें। सभी सीओ सम्पूर्ति पोर्टल पर डाटा अपडेशन की कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने निर्देश दिया कि वर्षा मापक यंत्रों की साफ-सफाई तथा फंक्शनालिटी की निरंतर जांच करते रहें। गंडक बराज का नियमित रूप से निरीक्षण के साथ ही ग्रिसिंग, मरम्मति पर भी विशेष ध्यान दें।

डेंगू-चिकनगुनिया की रोकथाम को लेकर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट, अस्पतालों में बनेगा डेंगू वार्ड

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। डेंगू और चिकनगुनिया जैसे मच्छर जनित रोगों की आशंका को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग सतर्क हो गया है। इसको लेकर स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत के द्वारा वीडियो कन्फ्रेंसिंग के माध्यम से डेंगू एवं चिकनगुनिया की रोकथाम को लेकर एक समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला प्रशासन, नगर निकायों, स्वास्थ्य महकमे और अन्य संबद्ध विभागों के अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान जिलाधिकारी अमन समीर, उप विकास आयुक्त यतेंद्र पाल, नगर आयुक्त सुनिल कुमार पांडेय, सिविल सर्जन डॉ. सागर दुलाल सिन्हा, जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. दिलीप कुमार सिंह शामिल थे। इस दौरान लार्वीसाइडल दवा का छिड़काव, जल जमाव को समाप्त करने, अस्पतालों में डेंगू-चिकनगुनिया के इलाज की विशेष व्यवस्था करने का निर्देश दियागया। शहरी क्षेत्र में नगर निगम और नगर परिषद्, नगर पंचायत के द्वारा फॉगिंग कराया जायेगा। वहीं ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग के टीम द्वारा छिड़काव होगा। सदर अस्पताल में 10, अनुमंडलीय अस्पताल में 5 तथा सभी पीएचसी में 2 बेड का डेंगू वार्ड बनेगा: इस दौरान जिलाधिकारी अमन समीर ने कहा कि डेंगू और चिकनगुनिया से निपटने के लिए सदर अस्पताल में 10 बेड, अनुमंडलीय अस्पताल में 5 बेड तथा सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में 2 बेड सुरक्षित रखें। सभी बेड को मच्छरदानी युक्त रखने का निर्देश दिया है। संबंधित मरीजों के उपचार के लिए पर्याप्त मात्रा में दवा की व्यवस्था सभी अस्पतालों में हमेशा उपलब्ध रखें। डेंगू के मरीज की पुष्टि होने पर मरीज के निवास स्थान के 500 मीटर के रेडियस में फॉगिंग कराने का निर्देश दिया गया है। इन क्षेत्रों में स्वास्थ्य विभाग के कर्मियों के द्वारा एक्टिव सर्विलांस कराने का निर्देश भी दिया गया है ताकि नए मरीजों की खोज की जा सके। जिलाधिकारी ने आदेश दिया कि मेडिकल कॉलेज से समन्वय स्थापित कर प्लेटलेट्स की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। जिलाधिकारी निर्देश पर डीसीसी और नगर आयुक्त के द्वारा सदर अस्पताल का भ्रमण किया गया और जलजमाव की समस्या से निपटने के लिए आवश्यक उपाय बताये गये। एडीज मच्छर के काटने से होता है डेंगू: जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. दिलीप कुमार सिंह ने बताया कि जिले में डेंगू के रोकथाम के लिए सभी आवश्यक तैयारी की गयी है। सभी स्वास्थ्य केंद्रों में डेंगू के जांच के लिए कीट की उपलब्धता सुनिश्चित की गयी है। फॉगिंग के लिए नये मशीन की खरीदारी हुई है। बैठक आयोजित कर निर्देश दिया जा चुका है। जल्द हीं जिला समन्वय समिति की बैठक आयोजित की जायेगी। एडीज मच्छर के काटने से डेंगू होता है। यह मच्छर दिन में काटता है और स्थिर एवं साफ पानी में पनपता है। तेज बुखार, बदन, सिर एवं जोड़ों में दर्द और आंखों के पीछे दर्द हो तो सतर्क हो जाएं। त्वचा पर लाल धब्बे या चकते का निशान, नाक-मसूढ़ों से या उल्टी के साथ रक्तस्राव होना और काला पखाना होना डेंगू के लक्षण हैं। इन लक्षणों के साथ यदि तेज बुखार हो तो तत्काल सदर अस्पताल जाएं और अपना इलाज करवाएं। उन्होंने बताया कि यदि किसी व्यक्ति को पहले डेंगू हो चुका है तो उसे ज्यादा सतर्क रहने की जरूरत है। ऐसे व्यक्ति दोबारा डेंगू बुखार की आशंका होने पर सरकारी अस्पताल या फिर डॉक्टर से संपर्क करें।

संक्षिप्त खबरें

लालूप्रसाद को पुनः राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर राजद नेताओं में खुशी की लहर

छपरा कार्यालय। सारण जिला राजद के नेताओं ने 13 वीं बार लालू प्रसाद को सर्वसम्मति से निर्विरोध राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित होने पर खुशी जाहिर करते हुए बधाई दी है। सारण जिला राजद प्रवक्ता हरेलाल यादव ने कहा कि सामाजिक न्याय, धर्मनिरपेक्षता के प्रतीक एवं गरीबों दलितों शोषितों वंचितों अतिपिछड़ों पिछड़ों तथा अल्पसंख्यकों के मान सम्मान के प्रतीक श्री लालू प्रसाद जी को निर्विरोध राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर निर्वाचित होने से जिले के राजद नेताओं एवं कार्यकताओं में खुशी और उत्साह का माहौल है। उन्होंने कहा कि लालू प्रसाद यादव ने हमेशा कार्यकताओं के प्रति जो मान सम्मान और स्नेह देने का भाव रखा वह स्पष्ट रूप से गौरव की बात है। इनके पुनः राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने से राजद गठबंधन प्रचंड बहुमत से बिहार में तेजस्वी यादवके नेतृत्व में आसन्न विधानसभा चुनाव में सरकार बनाने का काम करेगी। खुशी जाहिर करते वालों में वरीय राजद नेता राधेकृष्ण प्रसाद पूर्व प्राचार्य शंकर प्रसाद पूर्व विधायक मुद्रिका राय हीरामणि तांती पूर्व प्रत्यासी मदन राय जीलानी मोबीन सुरेंद्र प्रसाद यादव रामलाल राम राजू यादव टिम रोहिणी के संयोजक मंडल के सदस्य संध्या राय जिला राजद महिला अध्यक्ष धर्मेंद्र राय सुमित्रा चौरसिया आकाश राय हरेलाल यादव जिला राजद प्रवक्ता चंद्रावती यादव प्रीतम यादव प्रतिमा कुशवाहा रवि प्रकाश राम अयोध्या राय मुखिया दिनेश प्रसाद यादव मुखिया ब्रह्मदेव नारायण ज्ञानी अनिल राय गौतम यादव सहित काफी लोग शामिल थे।

सारण की शान अंतर्राष्ट्रीय मंच पर देगी कत्थक की प्रस्तुति

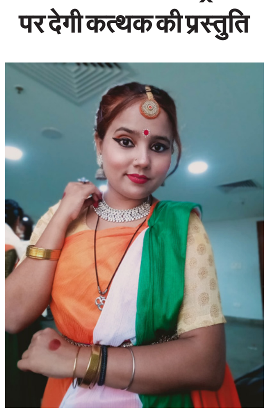

छपरा सदर। सारण की शान अनीशा राष्ट्रिय स्तर पर अपना झंडा बुलंद करने के बाद अब अंतर्राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुति देने जा रही हैं। दिव्य युवा मंच के तत्वाधान में हरियाणा के ऐलनाबाद में चार दिवसीय अंतरराष्ट्रीय युवा विकास सम्मेलन -4 का अयोजन किया जा रहा हैं। जिसमें भारत के भिन्न भिन्न राज्यों के साथ साथ 10 देशों के प्रतिनिधि भी शामिल हो रहे हैं। जिसमें सारण की कुमारी अनीषा बिहार का प्रतिनिधित्व करेंगी। अनीशा को कत्थक की प्रस्तुति के लिए आमंत्रित किया गया। सभी आए प्रतिनिधि अपने अपने में किए जा रहे कार्यों की जानकारी साझा करेंगे। अपनी अपनी संस्कृति से रूबरू करायेंगे। अनीषा इसके पहले भी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के मंचो पे भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। जैसे प्रवासी भारतीय दिवस, इन्दौर मध्य प्रदेश, ऑल इंडिया म्यूजिक एंड डांस फेस्टिवल कोलकाता , सुबह ए बनारस, वाराणसी इत्यादि कई मंचों पर प्रस्तुति देती आ रही हैं। अभी हाल ही में 9 जून को दूरदर्शन केन्द्र पटना ने भी उनको कत्थक के लिए आमंत्रित किया था। संस्कृति के साथ साथ शिक्षा के क्षेत्र में भी अपना नाम कर चुकी हैं। आठ सालों से निःशुल्क शिक्षा केंद्र चला रही हैं।

शौच करने गए युवक पर मगरमच्छ का हमला एक पैर को चबाया, जीएमसीएच रेफर

बगहा। बगहा में नहर किनारे शौच करने गए एक युवक पर मगरमच्छ ने हमला बोल दिया है।मगरमच्छ ने युवक का पैर बुरी तरह चबा लिया है। जिसके कारण उसके पैर में फिलहाल मूवमेंट नहीं हो रही है। लिहाजा चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे जीएमसीएच रेफर कर दिया है। बताते हैं कि उमेश राम नाम का व्यक्ति बिशुनपुरवा गांव से होकर गुजरने वाली हरहा नहर में शौच करने गया था। इसी बीच मगरमच्छ ने नहर से निकलकर उमेश राम पर हमला कर दिया, मगरमच्छ युवक का पैर पकड़कर नहर में उसे खींचने लगा था जिसके बाद युवक ने उसके जबड़े पर हाथ से प्रहार किया। ऐसे में मगरमच्छ ने पैर छोड़कर हाथ पकड़ने की कोशिश की,इसी बीच युवक ने मगरमच्छ से खुद को छुड़ा लिया।गंडक नदी का जलस्तर बढ़ने के बाद सहायक नहरों में लगातार पानी छोड़ा जा रहा है। लिहाजा मानसून के इस सीजन में नदी,नालों,नहरों और तालाबों में भी मगरमच्छों की तादाद बढ़ गई है वहीं वजह है कि आए दिन मगरमच्छ जलाशयों किनारे जाने वाले लोगों पर हमला कर रहे हैं। इससे पहले पिछले हफ्ते भी एक बुजुर्ग पर मगरमच्छ ने हमला किया था।अनुमंडलीय अस्पताल के डॉ विनय कुमार ने बताया कि इस हमले में मगरमच्छ बुजुर्ग का हाथ चबा गया था।फिलहाल वन विभाग ने लोगों से अपील की है कि बरसात के समय जलाशयों के किनारे जाने पर सतर्कता बरतें. वहीं, उमेश राम के परिजनों ने वन विभाग से मुआवजे की मांग की है. मगरमच्छ युवक के पैर का मांस बुरी तरह चबा गया है, जिससे टांका लगाना मुश्किल है। लिहाजा प्राथमिक उपचार के बाद पीड़ित को जिला अस्पताल बेतिया रेफर कर दिया गया है।

एसएसबी 65 बटालियन के जवानों ने बगहा के एकेडमी छात्रों संग वृक्षारोपण और नशामुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। बुधबार को 65 वीं बटालियन के कार्यवाहक कमांडेंट कोजा राम लोमरोड़,द्वितीय कमान अधिकारी के मार्गदर्शन में बगहा स्थित डी.एम.एकेडमी के विद्यार्थियों हेतु ह्लएक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम के अंतर्गत वृक्षारोपण एवं नशा मुक्त भारत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डी. एम. एकेडमी बगहा के प्राचार्य राकेश कुमार यादव ने सर्वप्रथम विद्यालय परिसर में पौधारोपण किया । उन्होंने संबोधित करते हुए एसएसबी 65 वीं बटालियन वृक्षारोपण एवं नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता के जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की सराहना की। इस अवसर पर उन्होंने 65 वीं बटालियन के द्वारा भारत-नेपाल की अंतर्राष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा के साथ-साथ स्थानीय जन साधारण को पर्यावरण के संरक्षण हेतु वृक्षारोपण एवं विशेषकर युवा वर्ग को नशे की लत से बचाने के लिए किए जा रहे सतत प्रयासों की प्रशंसा की एवं इस पुनीत कार्य में अपना भरपूर सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया। इस कार्यक्रम के दौरान डी.एम. एकेडमी बगहा के प्राचार्य राकेश कुमार यादव,शिक्षकगण, विद्यार्थीगण एवं बड़ी संख्या में एसएसबी के जवान उपस्थित रहे।

लिपिक संवर्ग द्वारा अपने 10 सूत्री मांगो को लेकर काला बिल्ला लगाकर कार्य किया गया

बनियापुर। प्रखंड के अनुसचिवीय संवर्ग कर्मचारी (गोप गुट संबद्ध) कर्मचारियों ने अपनी 10 सूत्री मांगो के समर्थन मे काला बिल्ला लगा कर दिनभर कार्य किया,जहाँ कर्मचारियो ने बताया कि हम सभी लिपिक संवर्ग अपने दस सूत्री मांगो के समर्थन मे 27 जून तक काला बिल्ला लगा कर संघ के राज्य व्यापी आह्वान पर इस सरकार के उदासीनपूर्ण रवैए के विरोध मे काला बिल्ला लगार कार्य कर रहे है,इस दौरान सरकार हमारी मांगो यथा ग्रेड पे,वेतन विसंगति,आवासन की सुविधा सहित दस मांगो को मंजूर नही करती तो हम लिपिको का आंदोलन तेज होगा ।जहा आरिफ खान सहित कई लिपिको ने बताया कि सरकार को हमारी दस सूत्री मांगो को पुरा करना ही होगा,हमारी राज्य व्यापी आंदोलन का 27 जून के बाद स्वरूप बदल जाएगा ।जहा मौके पर अतुल कुमार ललित श्रीवास्तव राहुल कुमार सिंह विजय कुमार सोनू कुमार रविंद्र कुमार विनय कुमार सिंह सहित अन्य शामिल थे।

क्लबफुट के बच्चों के इलाज में आरबीएसके की पहल

आरबीएसके के सहयोग से क्लबफुट के बच्चों का पटना में हो रहा है निःशुल्क ईलाज

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया, बच्चों के जन्मजात विकारों में क्लब फुट एक ऐसा रोग है जिसमें बच्चे के पैर या पैर के टखने का आकार या स्थिति सामान्य से अलग होती है। इसे चिकित्सकीय भाषा में कंजेनाइटल टेलिप्स इक्विनोवेरस ह्व कहा जाता है। इस स्थिति में पैर अंदर की ओर मुड़ जाता है, जिससे बच्चा सामान्य रूप से खड़ा नहीं हो पातें हैं। यह कहना है- जिले के सीएस डॉ विजय कुमार का। उन्होंने बताया की यदि समय पर इसका उपचार न किया जाए, तो यह बच्चे के चलने की क्षमता को भी प्रभावित कर सकता है। यह विकार लगभग 1,000 नवजात शिशुओं में से 01 में पाया जाता है और लड़कों में इसके मामले अधिक देखे जाते हैं। क्लब फुट का कारण अनुवांशिक, पर्यावरणीय कारक या गर्भावस्था के दौरान भ्रूण के विकास में बाधा, मांसपेशियों और नसों की असामान्यता हो सकता है। वहीं जिला समन्वयक डॉ रंजन मिश्रा ने बताया की जिले में ऐसे बच्चों की पहचान व ईलाज को लेकर स्वास्थ्य विभाग काफी गंभीर है, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के तहत क्लबफुट से पीड़ित 04 बच्चों का फॉलोअप किया जा रहा है। वहीं इस सप्ताह 08 बच्चों को निःशुल्क बेहतर इलाज के लिए पीएमसीएच पटना भेजा गया। उन्होंने बताया की इन बच्चों का इलाज विशेषज्ञ डॉक्टरों की देखरेख में किया जाता है। जहां ईलाज के बाद बच्चे के जीवन में सकारात्मक बदलाव की उम्मीद जगती है। शुरूआती चरण में पहचान कर ईलाज जरूरी : जिले के एसीएमओ डॉ रमेश चंद्रा ने कहा की क्लबफुट जैसी जन्मजात विकृति का समय पर इलाज अत्यंत आवश्यक है। हमारा उद्देश्य हर जरूरतमंद बच्चे तक सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं को पहुंचाना है। मैं सभी अभिभावकों से अपील करता हूं कि वे अपने बच्चों को समय पर स्वास्थ्य जांच के लिए स्वास्थ्य केंद्र लाएं ताकि उन्हें समय पर उपचार मिल सके। स्वास्थ्य विभाग का यह प्रयास समाज के कमजोर वर्गों के लिए एक बड़ी राहत है। क्लबफुट जैसी विकृति से पीड़ित बच्चों को समय पर इलाज और देखभाल प्रदान करके उन्हें सामान्य जीवन जीने का अवसर दिया जा रहा है। यह पहल न केवल स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को बढ़ावा देती है, बल्कि आरबीएसके की भूमिका है। आरबीएसके डीआईसी प्रबंधक सह जिला समन्वयक डॉ रंजन कुमार मिश्रा ने बताया कि हमारी टीम नियमित रूप से क्षेत्र का भ्रमण कर क्लबफुट और अन्य गंभीर बीमारियों से पीड़ित बच्चों को चिह्नित करती है। इन बच्चों को इलाज के लिए सरकारी संस्थानों में ले जाने और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए हरसंभव प्रयास किया जाता है। हमारी टीम का उद्देश्य है कि कोई भी बच्चा स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित न रहे।

आध्यात्मिक ज्ञान दिवस के अवसर पर मातेश्वरी जगदंबा सरस्वती को दी गई श्रद्धांजलि

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। एक भरोसा, एक विश्वास, ना किसी से दुःख लो और ना ही किसी को दुःख दोह्व जैसे वाक्यों को अपनाने वाली मम्मा एक तीव्र बुद्धि की मालिक होने के साथ- साथ बाबा की मुरली सुनकर ज्ञान और मंथन करने वाली मातेश्वरी जगदंबा सरस्वती प्रजापिता ब्रह्मा की पुत्री थी। उक्त बातें प्रजापिता ब्रह्मा कुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की स्थानीय इकाई की मुख्य संचालिका ब्रह्मा कुमारी अनामिका दीदी ने ओम राधे उर्फ.जगदंबा सरस्वती मातेश्वरी अम्मा की 60 वीं स्मृति दिवस के अवसर पर बी के भाई और बहनों से कही। उन्होंने यह भी कहा कि आज के दिन पूरे विश्व के लगभग 140 से अधिक देशों में आध्यात्मिक ज्ञान दिवस के रूप में मनाया जाता है। बीके अनामिका दीदी ने बताया कि 24 जून 1965 को मातेश्वरी जी ने शरीर को त्याग किया था। उनका प्रसिद्ध कथन था -गुणवान बनना है, गुण देखना है और गुण दान करना है। यह शिक्षाएं आज भी लाखों लोगों को आत्मिक उन्नति की राह दिखा रही हैं। पंजाब के अमृतसर में पिता पोकर दास और माता रोचा के घर जन्मी मातेश्वरी जगदंबा सरस्वती को प्यार से ह्यमम्माह्ल कहा जाता था। क्योंकि आध्यात्मिकता, त्याग और नारी सशक्तिकरण की प्रतीक थीं। कार्यक्रम के दौरान मातेश्वरी जी के जीवन पर प्रकाश डाला गया। जिसमें सैकड़ों से अधिक भाई- बहनों ने श्रद्धांजलि अर्पित की और आत्म- सुधार का संकल्प लिया। स्थानीय सेवा केंद्र की संचालिका ब्रह्माकुमारी अनामिका दीदी सहित सैकड़ों भाई और बहनों ने माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। मम्मा का व्यक्तित्व बहुत ही शक्तिशाली था। क्योंकि उन्होंने ऐसी स्थिति प्राप्त कर ली थी कि उनकी मात्र एक दृष्टि से सामने वाली आत्मा का मन पवित्र और शांत हो जाता था। 28 वर्षों के निरंतर ज्ञान मंथन और तीव्र पुरुषार्थ के बाद जून 1965 में मम्मा संपूर्ण बन गई। विश्व परिवर्तन के इस महान कार्य अर्थ, शिव बाबा का दाहिना हाथ बन सूक्ष्म वतन तक उड़ गई। जिस कारण इस परिवार में आज भी प्रेरणा के लिए मम्मा का जीवन, उनके गुण, वचन और कर्म याद किया जाता हैं। उन्होंने ना सिर्फ.स्वयं को कर्मेंद्रीजीत व स्वराज्यधिकारी बनाया। बल्कि अंत आत्माओं का भी आध्यामिक उत्थान कर मनुष्य से देवता बनने की कला सिखाई है। मम्मा की दृष्टि से ही अनेकों प्रकार की विकार छोड़ने और समान श्रेष्ठ बनाने की प्रेरणा मिल जाती हैं। प्रमंडलीय मुख्यालय सारण के छपरा शहर स्थित भगवान बाजार थाना से दक्षिण गुदरी राय के चौक के समीप प्रजापिता ब्रह्मा कुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की स्थानीय इकाई द्वारा मातेश्वरी जगदंबा सरस्वती की 60वीं पुण्यतिथि मनाई गई।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर पर 10 फाइलेरिया के मरीजों के बीच एमएमडीपी कीट का हुआ वितरण

छपरा। जिले में राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत हाथीपांव के मरीजों के बीच एमएमडीपी कीट का वितरण किया जा रहा है। इसी कड़ी में जिले के दरियापुर प्रखंड के सुतिहार आयुष्मान आरोग्य मंदिर पर 10 हाथी पांव के मरीजों के बीच एमएमडीपी कीट का वितरण किया गया। इसके साथ हीं वीबीडीएस घनश्याम यादव औ सीएचओ नंदन कुमार के द्वारा सेल्फ केयर के बारे में जानकारी दी गयी। मरीजों को एमएमडीपी किट के माध्यम से टब, टॉवल, साबुन, क्रीम, लोशन विशेष प्रकार की चप्पल जैसे कई महत्वपूर्ण सामग्री दी जा रही है। जिससे की फाइलेरिया पीड़ित मरीज एमएमडीपी किट से खुद को स्वच्छ रख अपना बचाव कर सकें। वहीं इस बीमारी से दिव्यांग हुए मरीजों को चिह्नित कर उनका ऑनलाइन पंजीकरण किया जा रहा है और सरकार योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए उन्हें दिव्यांगता प्रमाण पत्र दिया जा रही है। इस पहल का उद्देश्य है कि फाइलेरिया से दीर्घकालिक रूप से प्रभावित मरीजों को सरकारी योजनाओं और सामाजिक सुरक्षा लाभ का पूरा हक मिल सके, जिसके लिए विकलांगता प्रमाण पत्र आवश्यक होता है। 5 से 15 वर्ष में दिखते फाइलेरिया के लक्षणः वीबीडीएस घनश्याम यादव ने बताया कि क्यूलेक्स मच्छर फाइलेरिया संक्रमित व्यक्ति को काटने के बाद किसी स्वस्थ्य व्यक्ति को काटता है तो उसे भी संक्रमित कर देता है। लेकिन संक्रमण के लक्षण पांच से 15 वर्ष में उभरकर सामने आते हैं। इससे या तो व्यक्ति को हाथ-पैर में सूजन की शिकायत होती है या फिर अंडकोष में सूजन आ जाती है। महिलाओं को स्तन के आकार में परिवर्तन हो सकता है। फाइलेरिया ग्रसित अंगों की साफ-सफाई रखने से इंफेक्शन का डर नहीं रहता है और सूजन में भी कमी रहती है। क्या हैं एमएमडीपी किट के फायदेः वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. दिलीप कुमार सिंह के अनुसार हाथीपांव से पीड़ित मरीजों के लिए एमएमडीपी किट काफी फायदेमंद होता है। क्योंकि, इस किट में कई सामान और दवाइयां होती है. जिसके इस्तेमाल से हाथीपांव से पीड़ित मरीजों को राहत मिलती है। उन्होंने बताया कि इस किट का इस्तेमाल करने के लिए भी हाथीपांव के मरीजों की समय-समय पर प्रशिक्षण आयोजित कर जानकारी दी जाती है। इस किट में एक विशेष प्रकार का चप्पल भी होता है जो हाथीपांव के मरीजों के लिए काफी फायदेमंद होता है। क्योंकि, हाथीपांव के मरीजों को इंफेक्टेड हिस्से को धूल और गंदगी से बचाना होता है। इसके अलावा उस हिस्से को साफ करने के लिए साबुन और लगाने के लिए क्रिम भी दिया जाता है।

42 वीं जिला एथलेटिक्स मीट गरखा में पांच व छह जुलाई को

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। सारण जिला एथलेटिक्स संघ की आपात बैठक कार्यकारी जिलाध्यक्ष अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में उनके आवासीय परिसर में आयोजित की गयी. बैठक में सचिव गजेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि 42 वीं जिला एथलेटिक्स प्रतियोगिता पांच और छह जुलाई को गरखा के बसंत उच्च विद्यालय के खेल मैदान में आयोजित किया जाएगा. कार्यकारी सचिव नीलाभ गुंजन राका ने बताया कि पूर्व में उक्त प्रतियोगिता 28 व 29 जून को एकमा में आयोजित करने की स्वीकृति प्रदान की गयी थी. परंतु एकमा नगर पंचायत का उप चुनाव होने के कारण आयोजन को स्थगित कर दिया गया. बैठक में विचार विमर्श के पश्चात नई तिथि और स्थान को स्वीकृति प्रदान करते हुए सर्वसम्मति से गरखा प्रखंड को मेजबानी सौंपी गयी. श्री सिंह ने बताया कि एथलेटिक्स संघ के पत्रांक पांच दिनांक 25 जुन के अनुसार गरखा को मेजबानी सौंपते हुए नारायण सिंह को आयोजन अध्यक्ष बनाया गया. जल्द ही उनके द्वारा आयोजन समिति गठित कर ली जाएगी. उन्होंने बताया कि प्रत्येक वर्ष जिला प्रतियोगिता की मेजबानी अलग-अलग प्रखंड इकाइयों को सौंपी जाती है. मौके पर जिला भर से जुटने वाले खिलाडियों के आवासन, भोजन और अन्य व्यवस्थाओं की तैयारी पर विचार विमर्श किया गया. श्री सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए भेजा जाएगा. उन्होंने बताया कि जिला प्रतियोगिता में अंडर 14 व 16 के बालक तथा बालिका समेत पुरुष और महिला वर्ग के खिलाड़ी विभिन्न प्रतिस्पर्धा में भाग ले सकेंगे. चूंकि नेशनल के लिए ऑन द स्पॉट चयन होगा. इसलिए खिलाड़ियों को अपने जन्म प्रमाण पत्र व आधार कार्ड के साथ आने का निर्देश दिया गया है. बैठक में न्यु यूथ क्लब के निर्मल ठाकुर, संजय सिंह खलपुरी, रूपेश कुमार, धर्मेंद्र कुमार, राजू मिश्रा, श्यामदेव सिंह, ब्रजकिशोर सिंह, नवीन पूरी, राज किशोर तिवारी, संजय कुमार सिंह, कमलजीत कुमार, आयुराज, कुंदन कुमार, अंकित कुमार पूरी, विशाल कुमार, भारत स्काउट गाइड के जिला सचिव डॉ शहजाद आलम, फहीम अख्तर आदि उपास्थित थे.

दो मोबाईल चोरों को ग्रामीणों ने पकड़ा

परसा थाना क्षेत्र अंतर्गत बंटुआ गांव में मोबाइल चोरी करते दो चोरों को पड़कर स्थानीय ग्रामीणों ने जमकर पिटाई शुरू कर दी. जिसके बाद इस घटना की सूचना स्थानीय थाना पुलिस को दी गई. सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने भीड़ से बचा कर दोनों मोबाइल चोरों को गिरफ्तार कर थाना ले गई. बताया जा रहा है कि दो मोबाइल चोरों को ग्रामीणों ने पकड़ा. पकड़े जाने के बाद ग्रामीणों ने दोनों युवकों को रस्सी से बांध दिया और जमकर पिटाई की. परसा थाना क्षेत्र अंतर्गत बंटुआ गांव में मोबाइल चोरी करते दो चोरों को पड़कर स्थानीय ग्रामीणों ने जमकर पिटाई शुरू कर दी. जिसके बाद इस घटना की सूचना स्थानीय थाना पुलिस को दी गई. सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने भीड़ से बचा कर दोनों मोबाइल चोरों को गिरफ्तार कर थाना ले गई. बताया जा रहा है कि दो मोबाइल चोरों को ग्रामीणों ने पकड़ा. पकड़े जाने के बाद ग्रामीणों ने दोनों युवकों को रस्सी से बांध दिया और जमकर पिटाई की. जिसके बाद मामले की सूचना स्थानीय थाना को दी गई.

नगर निगम ने गुदरी चौक पर वर्षो से जल -जमाव की समस्या से मुक्ति दिलाया

जिलाधिकारी के पहल पर महापौर,उप महापौर और नगर आयुक्त ने की त्वरित कर्रवाई

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। महापौर लक्ष्मीनारायण गुप्ता, उप महापौर रागिनी कुमारी एवं नगर आयुक्त सुनील कुमार पाण्डेय के संयुक्त प्रयास से गुदरी बाजार मे बर्षो से जल- जमाव से झेल रहे मुहल्लावासी को छोटी पुलिया का निर्माण कर राहत दी है क एक सप्ताह से लगातार गुदरी बाजार में जल- जमाव और छोटी पुलिया टूट जाने से बाजार में जल- जमाव हो गया था। इस संबंध में शिकायत जिलाधिकारी के पास किया गया था क जिलाधिकारी ने नगर आयुक्त सुनील कुमार पाण्डेय से इस समस्या का समाधान तुरंत कराने को कहा था क रविवार को सुबह नगर आयुक्त ने महापौर लक्ष्मीनारायण गुप्ता एवं उप महापौर रागिनी कुमारी सहित नगर निगम टीम द्वारा स्थल का निरीक्षण कर त्वरित कार्य करने का निर्देश दिया गया। बता दें कि नल -जल का पाइप टूट जाने से गुदरी में पानी का अत्यधिक जमाव होने लगा था। जिसे स्थानीय लोगों को काफी कठिनाइयों हो रही थी ।निरीक्षण के बाद नगर आयुक्त ने पम्प को तत्काल बंद करवाया, ताकि पानी अवैध रूप से बाहर नहीं गिरे करविवार से हीं लगातार गुदरी मे कार्य शुरू करा दिया गया क मंगलवार को रात्रि में छोटी पुलिया का निर्माण कर आवागमन शुरू करा दिया गया है स्थानीय शहरवासी इस कार्य से बहुत खुश है कबार -बार गुदरी की शिकायत रहती थी, जो नगर निगम के अथक प्रयास से दूर कर दिया गया है नगर आयुक्त सुनील कुमार पाण्डेय ने सभी इंजीनियरिंग शाखा एवं सभी पदाधिकारियों को इस कार्य के लिए धन्यवाद दिया इस कार्य में महापौर लक्ष्मीनारायण गुप्ता, उप महापौर रागिनी कुमारी, नगर आयुक्त सुनील कुमार पाण्डेय, स्वछता पदाधिकारी, सुमित कुमार, संजीव मिश्रा, सिटी मैनेजर वेद प्रकाश वर्णवाल, अरविन्द कुमार,कार्यपालक अभियंता,सहायक अभियंता, कनीय अभियंता आदि का अहम-योगदान रहा

संक्षिप्त खबरें

जीविका समूह की हुई बैठक

कल्याणपुर समस्तीपुर प्रखंड क्षेत्र के नामापुर पंचायत स्थित ग्राम रसलपुर बाघला में जीविका के शिक्षा जीविका स्वयं सहायता समूह की एक बैठक सी. एम. मंजू कुमारी की अध्यक्षता मे किया गया।जिसमें पीरामल फाउंडेशन के प्रोग्राम ऑफिसर संजय कुमार शर्मा ने फलेरिया एवं कालाजार रोगों के बारे में सभी सदस्यों को विस्तृत पूर्वक जानकारी देते हुए कहा कि यह बीमारी मच्छर के काटने से फैलता है।फलेरिया का लक्षण दिखने में 5 से 10 साल लग जाते हैं।इस बीच लोगों को इस बीमारी के बारे में पता नहीं चलता। अतः सभी सदस्यों से अनुरोध किया गया कि सरकार द्वारा साल में एक बार फलेरिया की दवा घर-घर पहुंचने का काम एक अभियान चलाकर किया जाता है। उन्होंने यह भी बताया कि जिन लोगों को फलेरिया की बीमारी हो जाती है। वह ठीक नहीं हो पाता अतः लोगों को इससे बचने की जरूरत है। फाइलेरिया ग्रसित मरीजों की विशेष देखभाल के लिए एमएमडीपी किट के प्रयोग के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। बैठक में यह भी बताया गया कि फाइलेरिया से पीड़ित लोग यूडीआईडी के माध्यम से दिव्यांग प्रमाण पत्र बनवाकर सरकारी पेंशन योजना का लाभ उठा सकते हैं। मौके पर चंदा कुमारी, खुशबू देवी, संगीता कुमारी, बीना देवी, पूनम देवी, रीना देवी आदि मौजूद थी।

लूट की राशि के साथ दो गिरफ्तार

कल्याणपुर समस्तीपुर थाना क्षेत्र के 19 जून को मंजिल मुबारक गांव से एक खटीक व्यापारी के पर्स में रखी 34 हजार रुपए एवं आधार कार्ड सहित मोबाइल बदमाशों द्वारा दिन दहाड़े लूट लिया गया था।जिस कांड का खुलासा बुधवार को अनुमंडल पुलिस कार्यालय डीएसपी 2विजय महतो ने कांड का खुलासा करते हुए कहा कि घटना के बाद दर्ज प्राथमिक 216/25 के आलोक में पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एक टीम का गठन किया गया। गठित टीम का नेतृत्व डीएसपी टू खुद कर रहे थे ।टीम में थाना अध्यक्ष राकेश कुमार शर्मा ,अपर थाना अध्यक्ष दीपक कुमार झा ,अवर निरीक्षक सिंपी कुमारी, गुड्डू कुमार, धर्मेंद्र कुमार आदि ने लूट की नगद राशि 89 सौ लूट की राशि एवं एक मोबाइल के साथ एक आधार कार्ड भी बरामद कर लिया है। वहीं दो बदमाश भी गिरफ्तार कर लिया गया है । गिरफ्तार बदमाश की पहचान कल्याणपुर थाना क्षेत्र के मंजिल मुबारक गांव के मोहम्मद नौशाद के पुत्र मोहम्मद जाहिद उर्फ भुट्टो दूसरा बदमाश गांव के ही मोहम्मद उस्मान के पुत्र मोहम्मद बबलू को गिरफ्तार किया। आगे डीएसपी टू ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी का अपराधिक इतिहास मोहम्मद जाहिद उर्फ भूटो का वारिसनगर थाना कांड 306/22 विरुद्ध दर्ज है । दोनों गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

आकाशी बिजली गिरने से मुंगेर जिले में एक की मौत दो घायल तथा एक गाय की मौत

मुंगेर। जिले के अलग-अलग प्रखंडों में आकाशीय बिजली गिरने से हवेली खड़गपुर प्रखंड के बहिरा पंचायत के रघुनाथपुर नया टोला के समीप पीर बाबा स्थान के समीप तेज बारिश के बीच अचानक ठंडकागिरने से रघुनाथपुर नया टोला निवासी मुकेश यादव की 62 वर्षी पत्नी रंजना देवी की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। सूचना मिलनेपर 112 मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टमके लिए मुंगेर भेज दिया। वहीं जिले के असरगंज प्रखंड के में गांव में सोमवार को खेत में गाय चराने के दौरान आकाशी बिजली की चपेट में आने से दो लोग घायल हो गए दोनों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज के लिए भागलपुर भेज दिया ।घायलों में ममई गांव के भूटोयादव एवं अजीत कुमार है। वही असरगंज प्रखंड के चोर गांव उत्तर वास ओला बाजार में बात की चपेट में आने से एक गाय की मौत हो गई। गाय सिकंदर यादव की थी।

आपातकाल केवल एक निर्णय नहीं था, यह हमारे संविधान पर सीधा प्रहार था : मंगल पाण्डेय

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। डीएमसीएच ऑडिटोरियम में भाजपा जिला अध्यक्ष प्रो आदित्य नारायण चौधरी मन्ना की अध्यक्षता में आपातकाल के 50 वर्ष पूर्ण होने पर संपूर्ण क्रांति दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सैकड़ों जेपी सेनानियों को बिहार सरकार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पाण्डेय एवं राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री संजय सरावगी ने अंगवस्त्र ने सम्मानित किया। संपूर्ण क्रांति दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बिहार के स्वास्थ्य व विधि मंत्री मंगल पांडेय ने कहा कि आज ही के दिन 50 वर्ष पूर्व 1975 में कांग्रेस की सरकार ने लोकतंत्र का अपमान करते हुए आपातकाल लागू किया, जब संविधान के मूलभूत अधिकारों और स्वतंत्र संस्थाओं को राजनीतिक स्वार्थ के लिए कुचल दिया गया तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने न्यायपालिका और प्रेस की स्वतंत्रता का दमन कर अपनी अनैतिक सत्ता को दीर्घकाल तक बनाए रखने का प्रयास किया।आपातकाल के दौरान कांग्रेस ने 39वें और 42वें संशोधनों के द्वारा संवैधानिक सुरक्षा कवच को कमजोर किया और संविधान की आत्मा को तोड़ने का प्रयास किया। इस दौरान कितने तत्कालीन जनसंघ के हजारों कार्यकर्ताओं, नेताओं, जयप्रकाश नारायण जैसे महान स्वतंत्रता सेनानियों को प्रताड़ित किया गया, देश की आम जनता को मूल अधिकारों से वंचित किया गया। संघ काल की इस संविधान विरोधी कृत्य के विरोध में खड़े सभी लोगों को याद करते हुए 25 जून को संविधान हत्या दिवस घोषित कर इस क्षतिपूर्ति और संविधान के प्रति जनता की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया गया है ।यह काले अध्याय हमें लोकतंत्र की सतर्कता और संवैधानिक मूल्यों की सुरक्षा की सीख देता है, जिसे भाजपा दृढ़ता से आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। 50 साल पहले लगाया गया आपातकाल केवल एक निर्णय नहीं था, यह हमारे संविधान पर सीधा प्रहार था। 25 जून का दिन भारतीय लोकतंत्र पर वह काला दिन है, जब आजाद भारत में लोकतंत्र की हत्या करते हुए तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने आपातकाल थोप दिया था। आज के हर युवा को कांग्रेस के इस काले कारनामे के बारे में जानना चाहिए, और आज बिहार में राजद उसी कांग्रेस के साथ खड़ी है ।तेजस्वी जी, इस बार आपकी पूरी पार्टी का सूपड़ा साफ होना तय है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बिहार सरकार के राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री संजय सरावगी ने कहा कि भारतीय लोकतंत्र का काला दिवस 1975 में आज ही के दिन कांग्रेस ने सत्ता के स्वार्थ व अहंकार में देश पर आपातकाल थोपकर विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की हत्या कर दी थी। एक परिवार के विरोध में उठने वाले स्वरों को कुचलने के लिए थोपा गया आपातकाल आजाद भारत के इतिहास का एक काला अध्याय है। 21 महीनों तक निर्दयी शासन की क्रूर यातनाएं सहते हुए देश के संविधान व लोकतंत्र की निरंतर रक्षा करने वाले सभी देशवासियों के त्याग व बलिदान को कोटि-कोटि नमन। ऐसे कठिन समय में असीम यातनाएं सहकर देश में लोकतंत्र की पुनर्स्थापना हेतु संघर्ष करने वाले सभी महान लोकतंत्र सेनानियों को कोटिशः नमन करता हूँ।

कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री सुजीत मल्लिक ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन जिला महामंत्री संतोष पोद्दार ने किया। इस अवसर पर विधायक डॉ रामचंद्र प्रसाद, जयकृष्ण झा, राजमंगल ठाकुर, नरेश सहनी ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम में पूर्वी भाजपा जिलाध्यक्ष विनय पासवान, जीवछ सहनी, विजय चौधरी, विकास चौधरी,सुनील चौधरी, श्रवण मिश्र, सोनी पूर्वे, राहुल पासवान,बालेन्दु झा,जेपी सेनानी रेवती रमन पाठक, पिंटू महासेठ,जिला मीडिया प्रभारी मुकुंद चौधरी,मीरा मेहता, संगीत साह, सपना भारती, अविनाश कश्यप, मनीष झा, लक्ष्मण कासयकार,मदन कुमार यादव,प्रेमकुमार मिश्र रिंकू,संजय महतो,अविनाश कश्यप,राजू झा,सहित कार्यकर्ता एवं सैकडों जेपी सेनानी उपस्थित थे।

जिलाधिकारी ने संभावित बाढ़ एवं लगातार हो रही वर्षा को देखते हुए सड़कों की मरम्मति कार्य में तेजी लाने का दिया निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी आगामी बाढ़ और लगातार हो रही वर्षा को ध्यान में रखते हुए जिला पदाधिकारी आनन्द शर्मा द्वारा जिले के सभी कार्यपालक अभियंताओं, सहायक अभियंताओं एवं कनीय अभियंताओं को अपने-अपने क्षेत्रान्तर्गत सड़कों में बने गड्ढों एवं क्षतिग्रस्त पुल-पुलियों की अविलंब मरम्मति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। यह निर्देश उस स्थिति के मद्देनजर जारी किया गया है जिसमें दिनांक 23 जून 2025 को प्रातः हुई वर्षा के उपरांत कई सड़कों पर जलजमाव देखा गया, जिससे आमजन को भारी परेशानी हुई।जिलाधिकारी द्वारा यह भी स्पष्ट किया गया है कि सभी अभियंता अपने क्षेत्रों की सड़कों का निरीक्षण कर मरम्मति कार्य अविलंब प्रारंभ कराएं एवं कार्य की जियोटैग फोटोग्राफ संबंधित ग्रुप एवं जिलाधिकारी के व्हाट्सऐप पर भेजना सुनिश्चित करेंगे। इसके अतिरिक्त दिनांक 26 जून 2025 को प्रातः 07:00 बजे से सभी अभियंताओं को रोस्टर के अनुसार सड़क का भ्रमण कर मरम्मति कार्य का स्थल निरीक्षण करने का भी निर्देश दिया गया है।जिला पदाधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि लापरवाही के कारण किसी प्रकार की दुर्घटना या विधि-व्यवस्था की समस्या उत्पन्न होती है, तो संबंधित अभियंता के विरुद्ध आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 की धारा 56 के तहत कार्रवाई की जाएगी।जिलाधिकारी आनंद शर्मा ने कहा कि कई अभियंता बिना जिलाधिकारी की पूर्वानुमति के मुख्यालय छोड़ देते हैं, जो कि स्पष्ट रूप से सरकारी निर्देशों का उल्लंघन है। भविष्य में यदि कोई अधिकारी बिना अनुमति मुख्यालय छोड़ते हैं तो उनके विरुद्ध कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

फाइनेंस कर्मी को घर में किया कैद, पुलिस ने कराया मुक्त

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी बेनीपट्टी थाना क्षेत्र स्थित कटैया गांव में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां एक निजी फाइनेंस कंपनी के कर्मचारी को एक युवक ने जबरन अपने घर में बंधक बना लिया। पीड़ित कर्मचारी की पहचान दरभंगा जिले के हरिहरपुर निवासी सूरज कुमार ठाकुर के रूप में हुई है, जो कंपनी के कार्य से बिस्फी प्रखंड से लौट रहे थे ।रास्ते में कटैया गांव के रतीश मुखिया ने सूरज को रोक लिया और उन्हें अपने घर के भीतर बंद कर दिया। आरोपी ने सूरज का मोबाइल फोन, बैग और बाइक की चाबी भी छीन ली। जब ग्रामीणों को इस घटना की जानकारी हुई तो उन्होंने रतीश से कर्मचारी को छोड़ने की अपील की, लेकिन उसने किसी की बात नहीं मानी ।बाद में किसी ने इस घटना की सूचना फाइनेंस कंपनी के प्रबंधक को दी, जो तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और स्थानीय जनप्रतिनिधियों से सहयोग लिया। मामले की जानकारी डायल 112 पुलिस सेवा को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची, परंतु उसके पहले ही आरोपी युवक फरार हो चुका था ।पुलिस ने सूरज कुमार ठाकुर को सकुशल मुक्त करा लिया और उनका मोबाइल, चाबी व बैग भी वापस दिलाया गया। सूरज ने बताया कि उन्हें बिना किसी कारण बंधक बनाया गया। ग्रामीणों ने भी रतीश मुखिया के इस व्यवहार की निंदा की है। फिलहाल पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और फरार आरोपी की तलाश में जुटी हुई है ।फाइनेंस कर्मी अब सुरक्षित हैं और अपने कार्यस्थल लौट चुके हैं।

बिहार को बर्बाद करने पर तुली हुई है डबल इंजन वाली सरकार : मनोज

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जन जन की है एक पुकार बदलो सरकार बदलो बिहार नारों के साथ निकले भाकपा माले का बदलो बिहार यात्रा आज बंदरा प्रखंड में प्रवेश किया प्रवेश करके बंदरा चौक पर इस यात्रा में शामिल तमाम नेताओ का स्वागत किया गया उसके बाद यात्रा बरियारपुर चौक स्थित एक मैदान में बदलो बिहार जन संवाद सभा में बदल गया। गायघाट विधान सभा स्तरीय ज अध्यक्षता जिला कमिटी सदस्य संजय दास ने किया एवं सभा का सफल संचालन बंदरा प्रखंड के सचिव रामबली मेहता ने किया जन संवाद सभा को संबोधित करते हुए भाकपा माले केंद्रीय कमिटी सदस्य और अगिआंव विधान सभा के पूर्व विधायक मनोज मंजिल ने कहा कि बिहार सरकार बिहार को बर्बाद करके रखी हुई है। पूरे बिहार को बेरोजगारी में धकेल दिया गया है । बिहार में अपराध का राज्य है इसलिए अब बिहार को बदलना है इसलिए हमारी पार्टी ने पूरे बिहार में बदलो सरकार बदलो बिहार का नारा दिया है और बदलो बिहार यात्रा का आयोजन कर जनता को इस डबल इंजन की सरकार की नाकामियों का पदार्फास कर रही है उन्होंने कहा , बिहार में होनेवाले विधानसभा चुनाव पर पूरे देश की नजर है। बीस सालों से रोजगार छीन रही सरकार को बदलने का समय आ गया है । सभा को संबोधित करते हुए आईसा के पूर्व महासचिव प्रसनजीत कुमार ने कहा कि आरएसएस का कोटा राज्य में चल रहा है। क्या इस कोटा से विश्वविद्यालय में नियुक्ति भी हो रही है । जन सभा को संबोधित करते हुए वारिसनगर विधान सभा के पूर्व महागठबंधन प्रत्याशी फूलबाबू सिंह ने कहा कि बिहार में जातीय जनगणना के बाद जो आंकड़े सामने आए है, उसको नीतीश सरकार खुले मन से स्वीकार नहीं कर पा रही है क्योंकि भाजपा की गोद में बैठने के बाद उनको दलित, पिछड़ों ,अल्पसंख्यकों की ये बड़ी जमात हमेशा नजरों में खटक रही है। इसीलिए 95 लाख गरीब परिवारों को 2 लाख रुपया सहायता नीतीश सरकार ने नहीं दिया। ।जन सभा को संबोधित करते हुए कल्याणपुर विधान सभा के महागठबंधन के पूर्व प्रत्याशी रणजीत राम ने कहां की पूरे बिहार में दलितों पर चौतरफा हमला भाजपाई सामंती ताकतों के द्वारा बढ़ा है। एक तरफ जहां हमारी मां बहनों के साथ सरेआम गैंग रेप की घटना घट रही हैं ,वहीं दूसरी तरफ दलित पिछड़ों की लगातार हत्या हो रही है। नीतीश सरकार की पुलिस पूरे बिहार में अपराधियों को पकड़ने के बजाय शराब ढूंढे फिर रही है और गरीबों को ही शराब पीने के नाम पर जेल भेज रही है ।जन सभा को संबोधित करते हुए जितेंद्र यादव ने कहा कि जिस तरह से पहले गांव में महाजन हुआ करते थे, वैसे ही आज उस महाजन की जगह इस सरकार ने माइक्रोफाइनेश कम्पनी का जाल बिछा रखा है ।तमाम गरीब परिवारों को कर्ज की जाल में बुरी तरह से फंसा दिया है ,जिसके कारण कई लोगों ने आत्महत्या कर लिया है । बरियारपुर से बदलो बिहार बदलो सरकार यात्रा निकलकर बड़गांव ,सिमरा, हरपुर ,पीरापुर, पियर, रामपुरदयाल, रतवारा , तेपरी होते हुए पूसा के लिए प्रस्थान किया ।जन संवाद सभा को खेग्रामस के राज्य सचिव शत्रुध्न साहनी इंसाफ मंच के राज्य उपाध्यक्ष नेयाज अहमद , पार्टी के दरभंगा जिला सचिव बैद्यनाथ यादव , ऐपवा नेत्री शनिचरी देवी , साधना तिवारी, रानी प्रसाद , प्रखंड सचिव रामबली मेहता , संजय कुमार दास, महेश महतो , नगर सचिव सूरज सिंह, विमलेश मिश्रा, अजीत कुमार सिंह, सहित सैकड़ों लोग शामिल हुए।

भारत-नेपाल सीमा पर एसएसबी की बड़ी कार्रवाई, नेपाली शराब जब्त

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी जयनगर भारत-नेपाल सीमा पर तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत 48वीं वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की एफ कंपनी को एक बड़ी सफलता मिली है। मंगलवार 25 जून की सुबह लगभग 6:35 बजे बीओपी परसा के जवानों ने विशेष गश्ती के दौरान 900 बोतल नेपाली शराब के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई सीमा स्तम्भ संख्या 298 से लगभग 200 मीटर भारत की ओर की गई ।गिरफ्तार तस्कर की पहचान मोहम्मद सितारे (उम्र लगभग 40 वर्ष)पिता मोहम्मद हैदर अली, निवासी डोनर जलावतपुर, पोस्ट मिल्कीचक, थाना बहादुरपुर, जिला दरभंगा बिहार के रूप में हुई है। तस्करी में प्रयुक्त एक बजाज ऑटो वाहन को भी जब्त किया गया है। जब्त शराब नेपाली सोफी ब्रांड की है, जिसकी मात्रा 375 एमएल की कुल 900 बोतल है ।पकड़े गए आरोपी और जब्त सामग्री को अग्रिम विधिक कार्रवाई के लिए मधवापुर थाना को सौंप दिया गया है। कार्रवाई की सराहना करते हुए 48वी वाहिनी के कमांडेंट गोविन्द सिंह भण्डारी ने टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि तस्करी के विरुद्ध इस प्रकार की सतत कार्रवाई भारत-नेपाल सीमा की सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है। वाहिनी भविष्य में भी पूरी सजगता और प्रतिबद्धता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करती रहेगी।

एसएसबी 18वीं वाहिनी ने निकाली नशा मुक्ति जागरूकता रैली

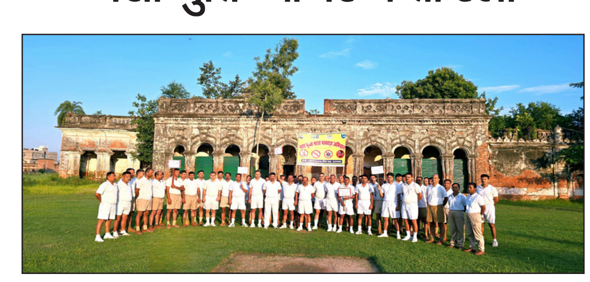

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी राजनगर, नशा मुक्त भारत पखवाड़ा के अवसर पर दिनांक 25 जून 2025 को 18वीं वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल, राजनगर के तत्वावधान में एक भव्य नशा मुक्ति जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वाहिनी के अधिकारीगण, जवानों तथा बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया रैली का उद्देश्य समाज में नशे के बढ़ते प्रचलन को रोकना तथा युवाओं को इस बुराई से दूर रहने के लिए प्रेरित करना था। बलकर्मियों ने जागरूकता संदेशों के साथ पोस्टर व बैनर लेकर क्षेत्र में भ्रमण किया, जिससे आमजन तक एक सशक्त संदेश पहुंचाया जा सके ।इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों ने ग्रामीणों को नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्प्रभावों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी और उन्हें नशा मुक्त जीवन अपनाने का संकल्प दिलाया ।कार्यक्रम का संचालन शांतिपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। एसएसबी की इस पहल की क्षेत्रीय लोगों ने सराहना की और इसे समाज हित में एक सराहनीय कदम बताया।

स्वाभिमान संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने एसपी से की मुलाकात

पूसा प्रखंड की विधि-व्यवस्था सुधार की मांग

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

स्वाभिमान संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील कुमार राय ने बुधवार को पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के साथ समस्तीपुर के पुलिस अधीक्षक अरविंद प्रताप सिंह से औपचारिक मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने पूसा प्रखंड में विधि व्यवस्था से संबंधित विभिन्न क्षेत्रीय समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की और एसपी का ध्यान आकृष्ट कराया। सुनील कुमार राय ने कहा कि पूसा प्रखंड समस्तीपुर जिला का ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण क्षेत्र है, लेकिन यहां समय-समय पर कानून व्यवस्था से जुड़ी समस्याएं सामने आती रहती हैं। ऐसे में स्थानीय पुलिस प्रशासन को सजग रहना चाहिए और क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए। प्रतिनिधिमंडल में महमदा पंचायत के सरपंच प्रतिनिधि रंजीत कुमार राय, सामाजिक कार्यकर्ता निर्मला पाठक, रेणु देवी और अजीत प्रसाद भी शामिल थे। इन सभी ने भी अपने-अपने स्तर से स्थानीय समस्याओं को लेकर अधिकारियों को अवगत कराया और त्वरित समाधान की मांग की।

शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों की नई सोच व आदर्श विचारों को प्राथमिकता दें : डॉ उत्सव मिश्रा

सीएम कॉलेज, दरभंगा में नई सोच और आदर्श पर एक दिवसीय कार्यशाला

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। भारत के उच्च शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के लिए यह सुनहरा अवसर है कि आईआईटी दिल्ली स्टडीज द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर पूरे देश में एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें भारत सरकार छात्रों के नए विचारों और आदर्श विचारों को व्यवहारिक रूप देने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम भी प्रदान करेगी और जिन छात्रों के विचार और विचार आदर्श होंगे, उन्हें पुरस्कार स्वरूप एक बड़ी धनराशि भी दी जाएगी। उक्त विचार डॉ उत्सव मिश्रा (निहू शिलांग) ने व्यक्त किए। डॉ मिश्रा स्थानीय सीएम कॉलेज में नए विचार और आदर्श विचार विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला में छात्रों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमें अपने छात्रों को ऐसी शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करना चाहिए कि वे केवल सरकारी नौकरियों पर निर्भर न रहें बल्कि अपने लिए भी रोजगार के अवसर पैदा करें ताकि वे दूसरों को भी रोजगार प्रदान कर सकें और इसके लिए सरकार द्वारा कई सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं और प्रशिक्षण कार्यक्रम भी चलाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश के विभिन्न हिस्सों के उच्च शिक्षण संस्थानों में इस तरह की कार्यशाला आयोजित करने के लिए आईआईटी दिल्ली और सैमसंग के बीच समझौता हुआ है। सीएम कॉलेज में यह कार्यशाला भी इसी का एक हिस्सा है। कार्यशाला के अध्यक्ष कॉलेज के प्राचार्य प्रो मुश्ताक अहमद ने कहा कि सरकार का यह अभियान विद्यार्थियों के लिए बहुत उपयोगी है।

प्रोफेसर अहमद ने कहा कि आईआईटी दिल्ली तथा देश की बड़ी कंपनी सैमसंग के साथ समझौता करना तथा कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम उपलब्ध कराना एक सराहनीय कदम है। इस कार्यशाला के पर्यवेक्षक डॉ ललित शर्मा, डॉ अबसार आलम और डॉ दोया शर्मा ने प्रकाश डाला। कार्यशाला में बड़ी संख्या में कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

भाजपा परिवार इस कठिन समय में पीड़ित परिवार के साथ खड़ा है : पप्पू सिंह

प्रात : किरण संवाददाता

अलीनगर(दरभंगा) ।अलीनगर विधानसभा अंतर्गत तारडीह प्रखंड के कठरा निवासी सीताराम महतो जी के 22 वर्षीय पौत्र राज कुमार महतो का मुंबई में हत्या की खबर से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। बुधवार को मृत शरीर कठरा स्थित उनके आवास पर पहुंचते ही परिजनों और क्षेत्र के लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। भाजपा संगठनात्मक जिला दरभंगा पूर्वी के जिला महामंत्री संजय सिंह उर्फ पप्पू सिंह ने उनके आवास पर पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त की और जिज्ञासा किया। इस दौरान उन्होंने परिजनों से बातचीत कर घटना की जानकारी ली और प्रशासन से मांग की कि इस मामले में उचित कार्रवाई कर दोषी को सजा दिलाई जाए ।श्री सिंह ने कहा कि प्रशासन को इस मामले में संवेदनशीलता के साथ जांच करनी चाहिए और न्याय सुनिश्चित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा परिवार इस कठिन समय में पीड़ित परिवार के साथ खड़ा है और हर संभव मदद के लिए तैयार है। राज कुमार की आकस्मिक मृत्यु की खबर से क्षेत्र के लोगों ने भी इस घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है और प्रशासन से न्याय की मांग की है। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष श्रीमती सुधा देवी, मंडल अध्यक्ष पंकज कुमार कंठ,राहुल झा, नित्यानंद झा,पंकज झा,संतोष झा,राजीव शर्मा, हरेराम महतो, लाल महतो,राजा महतो समेत कई लोग उपस्थित थे।

व्यापारी से लूटपाट मामले का पुलिस ने किया खुलासा, तीन अपराधी गिरफ्तार

- खुटौना थाना पुलिस को बड़ी सफलता, चाकू और मोटरसाइकिल के साथ लुटेरे चढ़े हत्थे

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी खुटौना थाना क्षेत्र में 14 जून 2025 की संध्या करीब 8 बजे एक व्यापारी के साथ लूटपाट की सनसनीखेज घटना को अंजाम दिया गया था। व्यापारी एकम्मा हटिया से सामान बेचकर वापस लौट रहे थे, तभी रास्ते में तीन अज्ञात अपराधियों ने मोटरसाइकिल से आकर उन्हें घेर लिया। अपराधियों ने न केवल व्यापारी से मारपीट की, बल्कि चाकू से वार कर गंभीर रूप से घायल कर लूटपाट कर फरार हो गए ।घटना की जानकारी मिलते ही खुटौना थाना पुलिस सक्रिय हो गई और त्वरित कार्रवाई करते हुए तकनीकी टीम की सहायता से मामले की गहन छानबीन शुरू की। पुलिस को बड़ी सफलता तब मिली जब 23 जून 2025 को इस लूटकांड का सफलतापूर्वक उद्भेदन कर लिया गया। पुलिस ने तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया है, जिनके पास से घटना में प्रयुक्त एक चाकू, एक मोटरसाइकिल और एक मोबाइल फोन भी बरामद किया गया है ।गिरफ्तार अपराधियों की पहचान सत्तो कुमार चौपाल (24 वर्ष) भोगिन्द्र राम (27 वर्ष) और एक नाबालिग आकाश कुमार चौपाल (17 वर्ष) सभी निवासी मेनहा, थाना फुलपरास जिला मधुबनी के रूप में की गई है। मधुबनी पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को लेकर लोगों में विश्वास और भी मजबूत हुआ है।

मनरेगा और अंचल कार्यालय बना लूट का अड्डा : भाकपा

प्रात : किरण संवाददाता

कल्याणपुर समस्तीपुर भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) का बैठक नगर निगम क्षेत्र के मुक्तापुर पंचायत भवन पर प्रदीप झा के अध्यक्षता ,और राघवेंद्र यादव और भोला राय के पर्यवेक्षण में संपन्न हुआ। बैठक में सीपीएम के अगले होने वाले संघर्षों पर चर्चा किया गया। जिसमें लोकल साथियों ने कई समस्याएं खुलकर सामने रखा जिसमें, कल्याणपुर अंचल कार्यालय एवं मनरेगा कार्यालय में भारी लूट खसोट पर चर्चा किया गया । वक्ताओं ने विस्तार से बताया की कल्याणपुर अंचल कार्यालय में दाखिल खारिज, परिमार्जन ,रेंट फिक्सेशन में अलग-अलग रेट बंधा हुआ है। जो स्थानीय कर्मचारी एवं कार्यालय के मिली भगत से जनता से उगाही किया जा रहा है। जनता का काम भी समय से नहीं हो पा रहा है ।वहीं मनरेगा सिर्फ नाम का योजना रह गया है ।जिसमें ठेकेदार और कार्यालय के पदाधिकारी कर्मचारी मिलकर भारी लूट खसोट मचाए हुए हैं। बैठक में आगामी चुनाव को लेकर के भी चर्चा किया गया है। पर्यवेक्षक राघवेंद्र यादव ने बताया कि सभी बूथ पर बूथ लेवल एजेंट की नियुक्ति करना है।

'मैं बहुत खुश हूं', 'सितारे जमीन पर' की सफलता से उत्साहित हुए आमिर

आमिर खान की फिल्म 'सितारे जमीन पर' रिलीज के बाद से ही लगातार चर्चा में बनी हुई है। फिल्म को काफी तारीफें मिल रही हैं। क्रिटिक्स से लेकर दर्शक और कई दिग्गज हस्तियां भी आमिर की इस फिल्म को पसंद कर रहे हैं और इसकी सराहना कर रहे हैं। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी 'सितारे जमीन पर' देख चुकी हैं। अब फिल्म को लगातार मिल रही प्रशंसा से अभिनेता आमिर खान भी काफी खुश हैं। उन्होंने इसको लेकर दर्शकों का आभार जताया है।

आमिर ने जताई खुशी

सोशल मीडिया पर आमिर का एक वीडियो वायरल हो रहा है। ये वीडियो एयरपोर्ट के बाहर का मालूम होता। इस वीडियो में आमिर पैपराजी से बात करते हैं। इस दौरान फिल्म को लगातार मिल रहीं तारीफें और प्रशंसा से उत्साहित आमिर वीडियो में कहते हैं, 'मैं इतना खुश हूं। फिल्म को जो प्यार मिल रहा है और इतना अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। अपने जो दस सितारे हैं, वो इतने एक्साइटेड हैं कि उन्होंने पहली फिल्म की है और वो उनकी सुपरहिट हो गई।' इस दौरान आमिर ने बताया कि प्रेसिडेंट साहिबा ने भी फिल्म देखी, उन्हें भी काफी पसंद आई। हम बहुत खुश हैं और फिल्म को प्यार देने के लिए लोगों का आभार जताते हैं।

फिल्म में दिखाई गई बौद्धिक विकलांग लोगों की कहानी

आरएस प्रसन्ना द्वारा निर्देशित सितारे जमीन पर बौद्धिक विकलांग लोगों के एक समूह पर आधारित है। फिल्म में आमिर इन बच्चों के बास्केटबॉल कोच बने हैं। फिल्म में आमिर के साथ दस नए कलाकार नजर आए हैं, जो असल में भी बौद्धिक रूप से द्वियांग हैं। इन कलाकारों ने फिल्म में बेहतरीन अभिनय किया है। आमिर के साथ जेनेलिया डिसूजा भी फिल्म में प्रमुख भूमिका में नजर आई हैं। बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही फिल्म 'सितारे जमीन पर' बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छा प्रदर्शन कर रही है। फिल्म पांच दिनों में अब तक कुल 75.15 करोड़ रुपए की कमाई कर चुकी है। अब फिल्म का लक्ष्य 100 करोड़ के क्लब में शामिल होना है।

सानविका नहीं देना चाहती थी ऑडिशन

पॉपुलर वेब सीरीज पंचायत 4 प्राइम वीडियो पर दस्तक दे चुकी है. वेब सीरीज के नए सीजन को मिलाजुला रिस्पॉन्स मिल रहा है. पंचायत के अभी तक तीन सीजन में नजर आने वाले सभी किरदार ने अपनी एक्टिंग के दम पर छाप छोडी है. वेब सीरीज में रिंकी का रोल करने वाली एक्ट्रेस सानविका काफी अहम भूमिका में नजर आती हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि वेब सीरीज पंचायत के लिए सानविका ऑडिशन भी नहीं देना चाहती थी. सानविका ने एक इंटरव्यू के दौरान बताया है इसके बाद उन्हें ये रोल कैसे मिला और उनके लिए कितना मायने रखता है. पंचायत की रिंकी यानी सानविका ने एक इंटरव्यू के दौरान वेब सीरीज में अपनी कास्टिंग को लेकर बात की है. उन्होंने बताया है कि किस तरह से उन्हें इसका ऑफर मिला था और वो इसका ऑडिशन भी नहीं देना चाहती थी. एक्ट्रेस सानविका ने बताया कि वह रोजाना कास्टिंग कंपनी में एड के ऑडिशन के लिए जाती थी. एक बार जब वो ऑडिशन देने आई तो उनकी मुलाकात कास्टिंग कंपनी में काम करने वाले एक शख्स से हुई थी.

सानविका को ऑफर हुई वेब सीरीज

सानविका ने आगे बताया, उस शख्स ने मुझसे कहा कि आपके लिए एक वेब सीरीज में रोल है. आप उसका ऑडिशन दे दीजिए जब मुझे पता चला कि सीरीज क्या है और कौन बना रहा है तो मैं हैरान हो गई और मैंने अपने आप को खुद से रिजेक्ट कर दिया. मैंने सोचा किया रोल मुझे क्यों मिलेगा

सानविका ने फोन आने पर दिया ऑडिशन

उस शख्स ने मुझे कई ऑडिशन देने के लिए कहा लेकिन मैं नहीं गई. फिर कास्टिंग कंपनी से मुझे दोबारा कॉल आया. जिसके बाद मैंने सोचा कि चलो ऑडिशन तो दे ही देते हैं.

पंचायत में काम करना सपने जैसा

मैंने ये कभी नहीं सोचा था कि मेरा ऑडिशन उन लोगों को पसंद आ जाएगा और मैं रिंकी का रोल करूंगी. अभी ये सपने जैसा लगता है. जिस शख्स ने मुझे ये रोल दिलाया वो आज मेरा बहुत अच्छा दोस्त है.

सानविका का असली नाम है पूजा सिंह

एक्ट्रेस सानविका के बारे में बता दें कि उनका असली नाम पूजा सिंह है. उन्होंने एक्टिंग की दुनिया में आने के बाद अपना बदल दिया था. सानविका का होमटाउन जबलपुर है और उनके माता-पिता चाहते थे कि वह पढ़ाई करके नौकरी करें. उनका एक्टर बनने का सपना था.

माता-पिता से झूठ बोलकर बनाया करियर

सानविका ने इंजीनियरिंग की पढ़ाई करके माता-पिता से कहा कि नौकरी करने जा रही हैं लेकिन वह मुंबई चली गई. सानविका ने मायानगरी में असिस्टेंट डायरेक्टर बनकर अपना करियर शुरू किया था.

हेरा फेरी 3 परेश रावल के बिना अधूरी

एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा ने मोस्ट-अवेटेड फिल्म हेरा फेरी 3 को लेकर अपने विचार व्यक्त किए। सोनाक्षी का मानना है कि अपकमिंग फिल्म में अभिनेता परेश रावल के बिना मजा नहीं है। वह बाबूराव गणपतराव आप्टे के बिना फिल्म की कल्पना भी नहीं कर सकती हैं। परेश रावल ने हेरा फेरी फ्रेंचाइज में बाबूराव गणपतराव आप्टे का किरदार निभाकर दर्शकों का दिल जीता था। सोनाक्षी का कहना है कि कॉमेडी फिल्म परेश रावल के बिना अधूरी है। बातचीत में सोनाक्षी ने एक दर्शक के तौर पर कहा, मैं हेरा फेरी 3 की परेश रावल के बिना कल्पना भी नहीं कर सकती। उनकी मौजूदगी इस फिल्म की जान है। हाल ही में परेश रावल ने सोशल मीडिया पर घोषणा की थी कि वह हेरा फेरी 3 का हिस्सा नहीं होंगे। उन्होंने पोस्ट में स्पष्ट करते हुए बताया कि हेरा फेरी 3 से उनके हटने का फैसला रचनात्मक मतभेदों के कारण नहीं था। निर्देशक प्रियदर्शन के साथ भी उनका कोई मनमुटाव नहीं है। उनकी इस घोषणा ने फैंस को निराश किया, क्योंकि बाबूराव का किरदार इस फिल्म की पहचान है। सोनाक्षी ने अपनी नई फिल्म निकिता रॉय में परेश रावल के साथ पहली बार काम करने के अनुभव को भी साझा किया। उन्होंने बताया, परेश रावल जैसे शानदार एक्टर के साथ स्क्रीन शेयर करना मेरे लिए सम्मान की बात थी। उनके काम और अभिनय की गहराई ने मुझे बहुत प्रभावित किया। जब उनसे पूछा गया कि वह परेश रावल को कॉमेडी किरदारों में ज्यादा पसंद करती हैं या गंभीर किरदारों में, तो सोनाक्षी ने कहा, वह हर किरदार में कमाल करते हैं, चाहे वह कॉमेडी हो या गंभीर रोल। उनके लिए कोई एक चुनना मुश्किल है। सोनाक्षी की नई फिल्म निकिता रॉय में वह परेश रावल, अर्जुन रामपाल और सुहैल नायर के साथ मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। इस फिल्म के साथ उनके भाई कुश सिन्हा बतौर निर्देशक शुरुआत करने जा रहे हैं। यह फिल्म 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

इटैलियन ग्लोबल सीरीज फेस्टिवल में सम्मानित हुईं जैकलीन

जैकलीन फर्नांडीज ने सोशल मीडिया पर अपना लेटेस्ट लुक शेयर किया। साथ ही उन्होंने बताया कि उन्हें हाल ही में रिमिनी में प्रतिष्ठित इटैलियन ग्लोबल सीरीज फेस्टिवल 2025 में सम्मानित किया गया। बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज को सिनेमा की दुनिया में उनके योगदान के लिए इटैलियन ग्लोबल सीरीज फेस्टिवल अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। इसकी झलक जैकलीन ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर कर फैंस को खुश कर दिया है। वैश्विक मंच पर टेलीविजन और फिल्म में उत्कृष्टता का जश्न मनाने वाले इस कार्यक्रम में जैकलीन को पुरस्कार विजेताओं के एक प्रतिष्ठित समूह में शामिल किया गया। अपना आभार व्यक्त करते हुए, जैकलीन ने साझा किया कि उनके लिए सिनेमा, कहानी कहने से कहीं बढ़कर है। उन्होंने इसे एक शक्तिशाली माध्यम बताया जो समय, भाषा और महाद्वीपों के पार लोगों को जोड़ता है। जैकलीन ने आगे लिखा, आगे जैकलीन ने लिखा, रिमिनी में आपके प्रतिष्ठित कार्यक्रम में सभी असाधारण पुरस्कार विजेताओं की उपस्थिति में सम्मानित होना सम्मान की बात थी। दुनिया भर में सिनेमा का जश्न मनाने के लिए हमारे पास और भी कई पल हैं।

जल्द ही इस फिल्म में नजर आएंगे गोविंदा

पांच साल तक बड़ी स्क्रीन से दूर रहने के बाद आखिरकार गोविंदा अपनी नई फिल्म से पर्दे पर वापसी करने वाले हैं। गोविंदा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर अपनी एक वीडियो शेयर की है और इसमें अपनी अपकमिंग फिल्म के बारे में जानकारी दी है। गोविंदा ने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में वह जींस और शर्ट पहन कर डांस कर रहे हैं। वह हवा में एक लाल कैप उछाल कर अपने सिर पर लगाते हैं और डांस करते हैं। इसके साथ ही वह चेहरे से जबरदस्त एक्सप्रेशन दे रहे हैं। गोविंदा ने वीडियो के कैप्शन में लिखा है अपनी अपकमिंग फिल्म दुनियादारी के लिए अभ्यास कर रहा हूं। गोविंदा की अपकमिंग फिल्म के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। उन्होंने यह भी नहीं बताया है कि फिल्म में उनके अलावा कौन से एक्टर या एक्ट्रेस होंगी। इस फिल्म की कहानी क्या है। हालांकि ये देखना दिलचस्प होगा कि गोविंदा हमारे लिए अपनी फिल्म में क्या नया ला रहे हैं? गोविंदा की वीडियो पर कई यूजर्स ने कमेंट किया है। एक यूजर ने लिखा है चलो तैयार हो जाओ। एक दूसरे यूजर ने लिखा है बॉस आज भी वही लचक है आपकी। इससे पहले गोविंदा ने दावा किया था कि हॉलीवुड के निर्देशक जेम्स कैमरून ने उनसे फिल्म अवतार के लिए उनसे संपर्क किया था। उन्होंने यह भी दावा किया था कि निर्देशक ने उन्हें भारी भरकम फीस ऑफर की थी। हालांकि उन्होंने निर्देशक के ऑफर को ठुकरा दिया था। हालांकि इस बारे में गोविंदा की पत्नी सुनीता ने उर्फी जावेद के यूट्यूब चैनल पर कहा कि उन्हें इस बारे में नहीं पता। आपको बता दें कि गोविंदा आखिरी बार साल 2019 में फिल्म रंगीला राजा में नजर आए थे। फिल्म में उनके साथ शक्ति कपूर, दीगंगना सूर्यवंशी और प्रेम चोपड़ा थे।

मैंने कई ऐसी हिट फिल्में की हैं, जो बाकी एक्टर्स ने मना कर दी थी

बड़े पर्दे पर बाहुबली के भल्लालदेव हो या ओटीटी के फिक्सर राणा नायडू, एक्टर राणा दग्गुबाती चुनौतीपूर्ण किरदारों में चमकने की कला खूब जानते हैं। खास बात यह है कि एक्टिंग के अलावा वे फिल्म निर्माण की बारीकियों में भी खूब रुचि रखते हैं। इन दिनों अपनी सीरीज राणा नायडू सीजन 2 के लिए चर्चा बटोर रहे हैं।

फिल्मों चुनने के मामले में आप हमेशा ही बड़े साहसी एक्टर रहे हैं। वो चाहे लीडर जैसी फिल्म से डेब्यू करना हो, बेबी में सपोर्टिंग रोल या फिर बाहुबली में विलेन का रोल, करैक्टर चुनते वक्त क्या सोच रहती है?

फिल्मों में आने के साथ से ही मेरी एक ही सोच रही है कि अगर एक दर्शक के तौर पर वो फिल्म देखना चाहूंगा जो पहले नहीं देखी हो, तो करैक्टर भी मैं वो करना चाहूंगा जो फिल्मों में पहले से ना हों। आपने मेरी पहली फिल्म लीडर की बात की, उस समय बिना गाने और फाइट सीन के फिल्म करना सभी के लिए अजीब था। किसी ने ऐसा किया नहीं था, मगर वो फिल्म पूरी मेनस्ट्रीम बन गई। मेरे करियर में ऐसी बहुत सी फिल्में थीं, जो कोई और करना नहीं चाहता था। मुझे भी सलाह दी गई कि वे फिल्में ना करूं, लेकिन मैंने किया और वे बेहद सफल हुईं। इस प्रफेशन का यही मजा है कि एक एक्टर होने के नाते आप किसी और की जिंदगी जीते हैं और उस जिंदगी को चुनने की ताकत ही हमारे पास होती है कि तो मैं इंट्रेस्टिंग लोगों की जिंदगी चुनना पसंद करता हूं।

बीते दिनों पर्दे पर एंटी हीरो किरदारों को ग्लैमराइज करने को लेकर काफी बहस छिड़ी। आपकी इस बारे में क्या राय है?, क्योंकि सीरीज राणा नायडू में आपका किरदार राणा भी एक एंटी हीरो ही है?

देखिए, हम वो दिखा रहे हैं जो असल जिंदगी में होता है। हर कहानी समाज का आईना होती है। जो समाज में हो रहा होता है, हम उसी को थोड़ा मनोरंजक तरीके से दिखाने की कोशिश करते हैं। फिर, अच्छे-बुरे, सही गलत की परिभाषा हर किसी के लिए अलग होती है, यह उनके बैकग्राउंड पर निर्भर करता है। भले किसी इंसान को वो सही ना लगे, क्योंकि वो उसकी कहानी नहीं है। किसी और की कहानी है और यही सिनेमा का मजा है कि आप अलग-अलग लोगों की कहानी देखते हैं।

सीरीज में अपने अंकल वेंकटेश से साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा? कुछ नर्वसनेस भी रही, क्योंकि शो में आपका किरदार उनसे नफरत करता है?

एक्साइटमेंट ज्यादा थी कि मैं अपने अंकल के साथ पहली बार काम कर रहा हूं। आम तौर पर जब आप परिवार के सदस्य के साथ काम करते हैं, तो वही घिसी-पिटी केमिस्ट्री और रिश्ता होता है कि पिता-बेटे का रोल कर रहे हैं। पिता बेटे को बचा रहा है या बेटा पिता को बचा रहा है, लेकिन शो में हमारी इक्वेशन पिता-बेटा होने के बावजूद बहुत अलग है। मुझे नहीं लगता कि किसी फैमिली मेंबर्स ने पर्दे पर इस तरह का रोल किया है।

बाहुबली के बाद से इधर जो पैन-इंडिया फिल्मों की शुरुआत हुई है, उसे कितना बेहतर मानते हैं?

बहुत ही अच्छी बात है। अब जाकर हम एक भारतीय इंडस्ट्री के तौर पर बात कर रहे हैं, क्योंकि कुछ तेलुगु फिल्में यहां अच्छा कर रही हैं, कुछ हिंदी फिल्में वहां अच्छा कर रही हैं, तो एक इंडस्ट्री बनने से हम कुछ ही कदम दूर हैं, वरना अब तक एक भारतीय एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री जैसा हमारे यहां कुछ नहीं था। बड़े से बड़े कन्नड फिल्ममेकर्स को यहां आप नहीं जानते होंगे। कई ऐसी इंडस्ट्री हैं, जो भाषा के स्तर पर बहुत बड़ी हैं, जैसे असमी या उड़िया, मगर उनकी फिल्म इंडस्ट्री बहुत छोटी है, उन्हें बढ़ाने की ओर काम होना चाहिए।

आप मामी के बोर्ड मेंबर भी हैं। इन दिनों थिएटर्स में दर्शकों को ला पाना बड़ी चुनौती हो गई है। आपके हिसाब से कहां सुधार किया जाना चाहिए?

मुझे लगता है कि हमारी इंडस्ट्री में हर कोई मीडिया के लिए बहुत जवाबदेह है। जबकि, वे फिल्म मेकिंग के प्रॉसेस में कहीं इन्वॉल्व नहीं होते। आप केमिकल इंडस्ट्री में भी देखें तो कीमतें बहुत ज्यादा बढ़ी हैं, मगर वे मीडिया को जवाब नहीं देते। मुझे लगता है कि जब आप ज्यादा चर्चा करते हैं तो दिक्कत जितनी होती है, उससे ज्यादा बड़ी लगती है। आज थिएट्रिकल निश्चित तौर पर कम हुआ है, मगर पहली बार हम यह भी देख रहे हैं कि फिल्में 1000 करोड़ कमा रही हैं। हमने कभी ऐसा सुना भी नहीं था। आप सोच भी नहीं सकते थे कि ऐसा कभी हो सकता है, लेकिन आज एक नहीं, 5 से 6 फिल्मों ने वह आंकड़ा पार किया है। इसका मतलब है कि अभी फिल्मों के लिए पहले से कहीं बड़ी ऑडियंस है, पर वे बहुत ज्यादा अलग कॉन्टेंट चाहती हैं तो ये स्किल हमें डेवलप करना है। हमारे यहां एंटरटेनमेंट बिजनेस में पढ़ाई की बात कोई नहीं करता।

चीन के ठेंगा दिखाने के बाद जागी सरकार

अब देश में ही होगा रेयर अर्थ मैग्नेट का उत्पादन

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन ने भारत को रेयर अर्थ मैग्नेट देने से इन्कार कर दिया है। इसके बाद अब देश में ही इनके उत्पादन का इंतजाम किया जा रहा है। हालांकि वास्तविक उत्पादन में दो साल का समय लग जाएगा। इस दौरान जापान और वियतनाम से रेयर अर्थ मैग्नेट मंगाने पर काम चल रहा है। इनका यूज इलेक्ट्रिक गाड़ियों और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में होता है। केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी ने कहा है रेयर अर्थ मैग्नेट के घरेलू उत्पादन पर सब्सिडी योजना शुरू करने के बारे में 15 से 20 दिन में निर्णय लिया जाएगा। इस योजना के तहत सब्सिडी की मात्रा निर्धारित करने के लिए हितधारकों के साथ विचार-विमर्श जारी है। भारी उद्योग मंत्रालय में सचिव कामरान रिजवी का कहना है कि यदि कुल प्रोत्साहन 1,000 करोड़ रुपये से अधिक होता है, तो योजना को मंजूरी के लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल के पास भेजा जाएगा। कुमारस्वामी ने संवाददाताओं से कहा, हैदराबाद की एक कंपनी इसमें दिलचस्पी दिखा रही है।

कहां आता है काम

चीन द्वारा प्रमुख धातुओं के निर्यात पर हाल ही में लगाए गए प्रतिबंधों के कारण भारत सहित कई देशों में वाहन और सेमीकंडक्टर चिप के विनिर्माण में व्यापक व्यवधान उत्पन्न हुआ है। सचिव ने कहा कि दुर्लभ खनिज के वास्तविक उत्पादन में करीब दो वर्ष लगेंगे। इस दौरान सरकार उद्योग के साथ मिलकर जापान और वियतनाम सहित अन्य वैकल्पिक स्रोतों से खरीद की संभावना तलाशेगी। रिजवी ने कहा, 'आप जानते हैं कि जापान और वियतनाम में दुर्लभ खनिज उपलब्ध हैं। हम वहां से इसे लेने का प्रयास कर रहे हैं।'

रेयर अर्थ मैग्नेट में नियोडिमियम-आयरन-बोरॉन शामिल है। इसका उपयोग इलेक्ट्रिक वाहन में ट्रैक्शन मोटर और इलेक्ट्रिक वाहन एवं परंपरागत वाहनों में पावर स्टीयरिंग मोटर के लिए किया जाता है।

सब्सिडी से रेयर अर्थ ऑक्साइड को चुंबक में बदलने के लिए प्रसंस्करण सुविधाएं स्थापित करने को निवेश मिल सकेगा। अधिकारियों ने बताया कि परमाणु ऊर्जा मंत्रालय के तहत सार्वजनिक उपक्रम इंडियन रेयर अर्थ मैग्नेट्स लिमिटेड के पास ही रेयर अर्थ मैग्नेट का भंडार है।

कितनी मिलेगी सब्सिडी

रिजवी ने कहा कि योजना केंद्रीय मंत्रिमंडल के पास मंजूरी के लिए जाएगी या नहीं, यह इस बात पर निर्भर करता है कि प्रोत्साहन की मात्रा कितनी होगी। उन्होंने कहा, 'यह प्रोत्साहन के स्तर पर निर्भर करता है। यदि यह 1,000 करोड़ रुपये से कम है, तो (भारी उद्योग) मंत्री और वित्त मंत्री इसे कर सकते हैं। यदि यह 1,000 करोड़ रुपये से अधिक है, तो इसे मंत्रिमंडल के पास भेजा जाएगा।' उन्होंने कहा कि हमें अभी तक आवश्यक सब्सिडी की मात्रा का पता नहीं है। स्टेकहोल्डर्स के साथ बातचीत जारी है और अलग-अलग प्रतिक्रियाएं आई हैं। कोई 50 प्रतिशत चाहता है, कोई 20 प्रतिशत चाहता है, इसलिए यह प्रतिस्पर्धी बोली के अधीन होगा, तब ही हमें आवश्यक समर्थन की मात्रा का पता चलेगा।'

निया के सबसे ताकतवर देश अमेरिका में आने वाली है मंदी!

खतरनाक संकेत दे रहे हैं इकनॉमिक इंडिकेटर्स

नई दिल्ली। दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी वाले देश अमेरिका में अभी मंदी का खतरा टला नहीं है। देश के बड़े आर्थिक सूचकांक अब भी मंदी का संकेत दे रहे हैं। लीडिंग इकनॉमिक इंडेक्स में मई में लगातार छठे महीने गिरावट आई है। पिछले 39 महीनों में 37 बार इसमें गिरावट आई है जो देश के इतिहास में सबसे लंबे दौर में से एक है। पिछले छह महीने में 5 फीसदी की सालाना दर से गिरावट आई है जो इस बात का संकेत है कि देश में अब भी मंदी का खतरा बना हुआ है। एलआइइ अपने उच्चतम स्तर से 16 फीसदी गिर चुका है और यह नौ साल के अपने न्यूनतम स्तर पर पहुंच चुका है। इतिहास पर नजर डालें तो 1960 के बाद हर बार मंदी से पहले एलईआई में लंबे समय तक गिरावट आई है। इससे इस बात की आशंका बढ़ गई है कि अमेरिका का इकॉनमी मंदी में जा सकती है। अमेरिका की इकॉनमी मंदी में फंसी तो इसका असर पूरी दुनिया पर देखने को मिलेगा। तकनीकी रूप से लगातार दो तिमाहियों में जीडीपी में गिरावट को मंदी कहा जाता है।

फेड का फंदा

इस बीच अमेरिका के सेंट्रल बैंक फेड रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल का कहना है कि ब्याज दरों में कटौती की फिलहाल कोई उम्मीद नहीं है। उन्होंने कहा कि पॉलिसी बदलावों का दौर अभी चल रहा है और इकॉनमी पर उनके प्रभाव के बारे में अभी कुछ नहीं कहा जा सकता है। अभी तो हम इंतजार कर रहे हैं। ट्रंप की टैरिफ नीति का इकॉनमी पर कुछ असर होगा लेकिन कितना प्रभाव होगा, यह देखना बाकी है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ब्याज दरों में कटौती की मांग की है। फेड के कई अधिकारियों ने भी उनकी इस मांग का समर्थन किया है।

4100 रुपये के पार जा सकता है टाटा का यह शेयर, झुनझुनवाला का कंपनी पर बड़ा दांव

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप की कंपनी टाइटन के शेयर बुधवार को क्रश्च में 3 पर्सेंट से अधिक की तेजी के साथ 3633.10 रुपये पर कारोबार कर रहे हैं। टाइटन के शेयरों में और तेजी देखने को मिल सकती है। विदेशी ब्रोकरेज फर्म मैक्री के मुताबिक, टाइटन के शेयर अपने पिछले क्लोजिंग प्राइस से 17 पर्सेंट उछल सकते हैं। ब्रोकरेज फर्म के मुताबिक, ज्वैलरी सेगमेंट में मजबूत डिमांड कंपनी के परफॉर्मेंस को रफ्तार दे सकती है। टाइटन, दिग्गज इनवेस्टर रहे राकेश झुनझुनवाला का फेवरिट स्टॉक रहा है। झुनझुनवाला फैमिली का टाइटन पर बड़ा दांव है।

4150 रुपये का दिया है टारगेट

इंटरनेशनल ब्रोकरेज फर्म मैक्री ने टाइटन कंपनी के शेयरों को 4150 रुपये का टारगेट दिया है। ब्रोकरेज हाउस ने टाटा ग्रुप की इस कंपनी के शेयरों को आउटपरफॉर्म रेटिंग दी है। मैक्री ने अपने नोट में लिखा है कि सोने की ऊंची कीमतों के बावजूद

पहली तिमाही में ज्वैलरी सेगमेंट में मजबूत डिमांड देखने को मिल सकती है। मैक्री का कहना है कि पहली तिमाही में टाइटन के ज्वैलरी सेगमेंट में 21 पर्सेंट की सेल्स/इबिट ग्रोथ देखने को मिलेगी। टाइटन के शेयर का कवरेज करने वाले 35 एनालिस्ट्स में से 23 ने कंपनी के शेयरों को बाय रेटिंग दी है। वहीं, 7 एनालिस्ट्स ने होल्ड रेटिंग और पांच ने सेल रेटिंग दी है। यह बात सीएनबीसी-टीवी 18 की एक रिपोर्ट में कही गई है।

झुनझुनवाला फैमिली का टाइटन पर बड़ा दांव- दिग्गज निवेशक रहे राकेश झुनझुनवाला की पत्नी रेखा झुनझुनवाला के पास टाइटन के कुल 45,793,470 शेयर हैं। कंपनी में रेखा झुनझुनवाला की 5.17 पर्सेंट हिस्सेदारी है। शेयरहोल्डिंग का यह डेटा मार्च 2025 तिमाही तक का है। राकेश झुनझुनवाला की 14 अगस्त 2022 में मृत्यु हो गई थी। इसके अलावा, देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी एलआईसी के पास टाइटन के 2,07,30,126 शेयर या कंपनी में 2.34 पर्सेंट हिस्सेदारी है। 50 म्यूचुअल फंड्स की कंपनी में 6.41 पर्सेंट हिस्सेदारी है।

भारत-ब्रिटेन के बीच जुलाई के अंत तक व्यापार समझौता होने की संभावना

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और यूनाइटेड किंगडम के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को कानूनी रूप देने की प्रक्रिया तेज गति से आगे बढ़ रही है। इस पर जुलाई के अंत तक हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। मंगलवार को एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

वाणिज्य सचिव हैं लंदन के दौरे पर - इस प्रक्रिया को गति देने के लिए वाणिज्य सचिव सुनिल बर्थवाल अपनी आधिकारिक टीम के साथ लंदन में हैं। बर्थवाल अपनी दो दिवसीय यात्रा के दौरान ब्रिटेन के बिजनेस एंड ट्रेड सेक्रेटरी जोनाथन रेनॉल्ड्स और अन्य वरिष्ठ ब्रिटिश अधिकारियों से मुलाकात करेंगे।

2030 तक 120 बिलियन डॉलर के व्यापार का लक्ष्य - भारत और यूके ने 6 मई को एफटीए वार्ताओं को औपचारिक रूप से पूरा करने की घोषणा की। इस समझौते के तहत भारत से चमड़ा, जूते और वस्त्र जैसे श्रम-प्रधान उत्पादों के निर्यात पर शुल्क समाप्त हो जाएगा। वहीं ब्रिटेन से व्हिस्की और कारों का आयात सस्ता होगा। दोनों अर्थव्यवस्थाओं के बीच 2030 तक व्यापार दोगुना होकर 120 बिलियन डॉलर हो जाएगा। विश्व की पांचवीं और छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं ने तीन वर्षों की वार्ता के बाद इस समझौते को संपन्न किया।

आईपीओ की राह आसान बनाने के लिए एनएसई ने सेबी को दिया 13.88 अरब रुपये के भुगतान का ऑफर

नई दिल्ली, एजेंसी। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया ने बाजार नियामक सेबी के साथ अपने कानूनी विवाद को निपटाने के लिए नियामक को 13.88 अरब रुपये यानी 1388 करोड़ रुपये (160 मिलियन डॉलर) का भुगतान करने की पेशकश की है। एनएसई ने यह कदम इसलिए उठाया है ताकि वह लंबे समय से टल रहे अपने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) को लाने की दिशा में आगे बढ़ सके। रॉयटर्स के अनुसार मामले से जुड़े तीन सूत्रों ने एनएसई के इस कदम की पुष्टि की है। एनएसई की ओर से पेश राशि भारत के इतिहास में बाजार नियामक के साथ किया गया सबसे बड़ा समझौता है।

एनएसई 2019 से सेबी के साथ मुकदमेबाजी में है उलझा- भारत का सबसे बड़ा एक्सचेंज और दुनिया का सबसे सक्रिय डेरिवेटिव एक्सचेंज एनएसई 2019 से भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के साथ मुकदमेबाजी में उलझा हुआ है। नियामक ने एक्सचेंज पर अपने सभी व्यापारिक सदस्यों को समान पहुंच प्रदान करने में विफल रहने के आरोपों के बाद 11 अरब रुपये का जुर्माना लगाया गया था। मामले से जुड़े दो सूत्रों के अनुसार, एनएसई और सेबी अदालत के बाहर समझौते के लिए बातचीत कर रहे हैं। एक सूत्र ने बताया कि नियामक तीन महीने के भीतर एक्सचेंज को यह प्रमाणपत्र दे सकता है कि उसे आईपीओ पर कोई आपत्ति नहीं है। एक अन्य सूत्र ने कहा, यदि सब कुछ अपेक्षित समयसीमा के अनुसार हुआ तो एनएसई का आईपीओ अगले वर्ष मई से पहले बाजार में आ सकता है। रॉयटर्स के अनुसार, हालांकि इस मामले में एनएसई ने फिलहाल टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। सेबी की ओर से भी अब तक इस मामले में आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं हा गया है।

एसबीआई लाइफ ने 2025 हैक-एआई-थॉन के समापन में भारत के युवा टैलेंट से भविष्य के लिए तैयार एआई समाधान मांगे

भोपाल। भारत के सबसे भरोसेमंद निजी जीवन बीमा प्रदाताओं में से एक, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस ने अपनी राष्ट्रीय नवाचार पहल, हैक-एआई-थॉन 2025 के शानदार समापन के साथ एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। यह मंच बीमा क्षेत्र की वास्तविक चुनौतियों के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित समाधान विकसित करने के लिए बनाया गया था। हफ्तों की गहन चर्चा और सहयोग के बाद, 16 से अधिक शीर्ष टीमों (50 से ज्यादा प्रतिभागी) ने ग्राहकों के अनुभव, कामकाज की दक्षता और डिजिटल सेवाओं को बेहतर बनाने वाले एआई-आधारित नए विचार प्रस्तुत किए। इस आयोजन का मकसद युवा प्रतिभाओं को मौका देना।

ओप्पो ने लॉन्च किया के13 एक्स 5जी सबसे टफ और ड्यूरेबल स्मार्टफोन

मुंबई, एजेंसी। ओप्पो इंडिया ने अपने सेगमेंट में सबसे मज़बूत 5जी स्मार्टफोन ओप्पो के 13एक्स 5जी पेश किया है। यह बिना किसी समझौते के ड्यूरेबिलिटी और ऑल-राउंड फंक्शनैलिटी पसंद करने वाले युवा विद्यार्थियों और प्रोफेशनल्स के लिए बनाया गया है। के13×5 जी एसजीएस मजबूती के लिए गोल्ड ड्रॉप सर्टिफिकेशन और एमआईएल-एसटीडी 810एच मिलिट्री-ग्रेड मानकों के साथ आता है। इसलिए यह अपने सेगमेंट में सबसे अधिक मजबूत डिवाइस है। इसमें 360ए डैमेज-प्रूफ आर्मर बॉडी है, जो एयरोस्पेस-ग्रेड एएम04 एल्युमिनियम एलॉय से बनी है। क्रिस्टल शील्ड ग्लास और गहरे समुद्री स्पंज से प्रेरित बायोमिमेटिक स्पंज शॉक एब्जॉर्प्शन सिस्टम इसकी मजबूती को बढ़ा देते हैं। आईपी65 वॉटर और डस्ट रेजिस्टेंस के साथ, ओप्पो के13×5जी ड्यूरेबिलिटी का नया मानक स्थापित करता है, तथा स्टाइल या उपयोग से समझौता किए बिना बेजोड़ मजबूती प्रदान करता है।

टाटा मोटर्स ने भारत की सबसे शक्तिशाली स्वदेशी एसयूवी- हैरियर.ईवी की प्रारंभिक कीमतों की घोषणा की

9 बुकिंग शुरू होगी 2 जुलाई से

भोपाल। भारत की अग्रणी 4-व्हीलर इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता कंपनी टाटा मोटर्स ने आज एसयूवी- हैरियर.ईवी भारत की सबसे शक्तिशाली स्वदेशी एसयूवी की शुरुआती कीमतों की घोषणा की। इस एसयूवी में ऐसे इनोवेशन शामिल हैं जो न सिर्फ इंडस्ट्री फर्स्ट हैं, बल्कि विश्व स्तर पर भी अग्रणी हैं। इसके साथ ही बैटरी पैक पर लाइफटाइम वारंटी जैसी सुविधा इसे लंबे समय तक भरोसेमंद बनाती है। हैरियर.ईवी ने सुपरकार जैसी परफॉर्मेंस, हर रास्ते पर चलने की क्षमता, अत्याधुनिक तकनीक और शानदार आरामदायक अनुभव प्रदान करके खुद को भविष्य की अल्टीमेट एसयूवी के रूप में स्थापित किया है। हैरियर.ईवी की बुकिंग 2 जुलाई से शुरू हो रही है। इसके रियर-व्हील ड्राइव वर्ज़नों की प्रारंभिक कीमतें निम्नलिखित हैं। क्वैड व्हील ड्राइव डुअल-मोटर वर्जन की कीमतें 27 जून 2025 को घोषित की जाएंगी। परसोना, कीमतत्त (भारतीय रुपये में) (सभी कीमतें एक्स-शोरूम, पूरे भारत में लागू), एडवेंचर 65, 21.49 लाख, एडवेंचर स 65, 21.99 लाख,

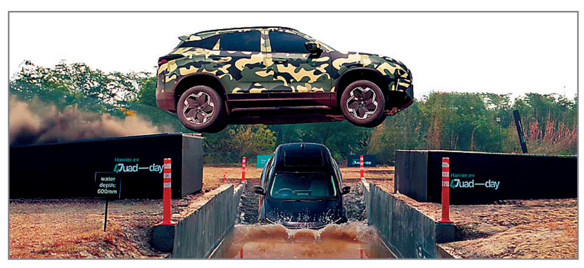

फियरलेस + 65, 23.99 लाख, फियरलेस+ 75, 24.99 लाख, एम्पॉवर्ड 75, 27.49 लाख, त्तयह कीमत बिना चार्जर और इंस्टॉलेशन लागत के हैं। एसी फास्ट चार्जर विकल्प उपलब्ध है, जिस पर शुल्क देना होगा। हैरियर.ईवी की प्रतिस्पर्धी कीमतों पर टिप्पणी करते हुए टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड के चीफ कमर्शियल ऑफिसर श्री विवेक श्रीवास्तव ने कहा, हैरियर.ईवी के जरिये हम एसयूवी की असली क्षमता को सामने लाना चाहते हैं - सुपरकार जैसी परफॉर्मेंस, हर जगह जाने की क्षमता, अत्याधुनिक तकनीक और शानदार आराम।

बिक रही है जयप्रकाश एसोसिएट्स

नई दिल्ली, एजेंसी। दिवालिया प्रोसेस से गुजर रही कंपनी जयप्रकाश एसोसिएट्स के 23 जून से बंद है। इसका लास्ट ट्रेडिंग प्राइस 3.23 रुपये है। संकटग्रस्त जेपी समूह की प्रमुख कंपनी जयप्रकाश एसोसिएट्स (जेएएल) के अधिग्रहण की दौड़

फाइनल फेज में प्रवेश कर गई है, क्योंकि समाधान योजना प्रस्तुत करने की समय सीमा मंगलवार को समाप्त हो गई। अरबपति कारोबारी गौतम अडानी के समूह, माइनिंग दिग्गज अनिल अग्रवाल की वेदांता और डालमिया भारत सीमेंट ने दिवाला प्रक्रिया के जरिये जयप्रकाश एसोसिएट्स के अधिग्रहण के लिए अपनी समाधान योजना प्रस्तुत की हैं। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों के मुताबिक जेपी इन्फ्राटेक (जिसे मुंबई स्थित सुरक्षा समूह ने अधिग्रहीत किया है) ने भी बोली लगाई है।

अमेजन इंडिया ने प्राइम डे 2025 की घोषणा की

12 से 14 जुलाई तक तीन दिन, शानदार डील्स और बड़ी बचत

प्राइम मेंबर्स के लिए खास तौर पर तैयार, नई लॉन्चिंग्स, धमाकेदार डील्स, जबरदस्त एंटरटेनमेंट और ढेर सारी शानदार पेशकशें

बेंगलुरु, एजेंसी। अमेजन इंडिया ने आज घोषणा की कि प्राइम डे 2025 भारत में पहली बार तीन दिन तक मनाया जाएगा। यह खास सेल 12 जुलाई की रात 12:00 बजे शुरू होकर 14 जुलाई की रात 11:59 बजे तक चलेगी।

इन 72 घंटों में प्राइम मेंबर्स के लिए जबरदस्त डील्स, शानदार बचत, नई लॉन्चिंग्स और एक्सक्लूसिव एंटरटेनमेंट का मज़ा मिलेगा, और यह सब कुछ खासतौर पर प्राइम ग्राहकों के लिए तैयार किया गया है। इस बार भारत में पहली बार प्राइम मेंबर्स को 24 घंटे अतिरिक्त शॉपिंग का मौका मिलेगा, जिससे वे बड़े ब्रांड्स और छोटे व्यवसायों से समान रूप से खरीदारी कर सकेंगे। साथ ही, प्रमुख बैंकिंग पार्टनर्स की ओर से मिलने वाले खास ऑफर्स का भी लाभ उठा सकेंगे। ग्राहक आईसीआईसीआई बैंक के क्रेडिट और डेबिट कार्ड्स, एसबीआई क्रेडिट कार्ड्स और आईसीआईसीआई व एसबीआई क्रेडिट कार्ड्स पर ईएमआई के जरिए भुगतान करके 10 प्रतिशत तक की अतिरिक्त बचत कर सकते हैं।

इस प्राइम डे पर प्राइम मेंबर्स को 400 से भी ज्यादा टॉप भारतीय और अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स के हजारों नए प्रोडक्ट्स की लॉन्चिंग पर एक्सक्लूसिव अर्ली एक्सेस मिलेगा। इसके अलावा, छोटे और मध्यम व्यवसायों (एसएमबी) के उत्पाद भी खास ऑफर्स के साथ उपलब्ध होंगे।

तीन दिन चलने वाला यह वार्षिक उत्सव प्राइम सदस्यों के लिए शानदार डील्स, धमाकेदार एंटरटेनमेंट, जबरदस्त बचत और ढेर सारी खास पेशकशें लेकर आ रहा है। स्मार्टफोन्स, टीवी, अप्लायंसेज, फैशन और ब्यूटी, ग्रॉसरी और डेली एसेंशियल्स, अमेज़न डिवाइसेज़, होम व किचन प्रोडक्ट्स, फर्नीचर और बहुत कुछ, हर कैटेगरी में मिलेगा बेहतरीन शॉपिंग का अनुभव और बड़ी बचत।

भारत और उभरते बाजारों के लिए प्राइम, डिलीवरी और रिटर्न्स निदेशक अक्षय साही ने कहा, प्राइम डे हमेशा से हमारे सदस्यों के लिए एक उत्सव रहा है - जहां उन्हें नई लॉन्चिंग्स, बेहतरीन डील्स और ब्लॉकबस्टर एंटरटेनमेंट का अनुभव मिलता है, वो भी तेज़ डिलीवरी के साथ। इस साल, पहली बार हम प्राइम डे को तीन पूरे दिनों तक बढ़ा रहे हैं, जिससे हमारे सदस्यों को शॉपिंग, सेविंग और मनोरंजन का आनंद लेने के लिए और भी ज्यादा समय मिलेगा।

पोकर एक माइंड स्पोर्ट: एमपी के आईआईटीयन केशरवानी ने मनीमेकर टूर्नामेंट में अपना पहला ब्रेसलेट जीता

भोपाल। मध्य प्रदेश के चाकघाट से ताल्लुक रखने वाले 31 वर्षीय आदित्य केशरवानी ने पोकर बाज के प्रतिष्ठित द मनीमेकर टूर्नामेंट में जीत हासिल कर अपने करियर की एक बड़ी उपलब्धि दर्ज की है। 1000 से अधिक प्रतिभागियों को पछाड़ते हुए, पूर्व आईआईटीयन ने अपना पहला प्रतिष्ठित ब्रेसलेट खिताब और 15 लाख रुपये की इनामी राशि अपने नाम की। आदित्य की यात्रा जितनी कौशल की है, उतनी ही व्यक्तिगत अनुशासन की भी है। मध्य प्रदेश के छोटे से शहर चाकघाट में पले-बढ़े आदित्य का पालन-पोषण एक पारंपरिक परिवार में हुआ, जहां उनकी शैक्षणिक प्रतिभा को शुरुआत से ही पहचाना गया। स्थानीय स्तर पर सीमित शैक्षिक संसाधनों को देखते हुए, उनके माता-पिता ने उन्हें प्रयागराज के एक बोर्डिंग स्कूल भेजने का महत्वपूर्ण फैसला लिया। वहां आदित्य ने न सिर्फ पढ़ाई में उत्कृष्टता हासिल की, बल्कि एक सर्वांगीण खिलाड़ी के रूप में भी उभरे, वे फुटबॉल, टेबल टेनिस, तैराकी और योग जैसी गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेते रहे।

लीड्स टेस्ट में भारत की हार के 5 कारण

दोनों पारियों में मिडिल ऑर्डर के बैटर्स फेल, जडेजा-ठाकुर 3 विकेट ही ले सके

लीड्स (एजेंसी)। शुभमन गिल का कप्तानी सफर हार के साथ शुरू हुआ। भारत एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का पहला मैच 5 विकेट से हार गया है। लीड्स के हेडिंग्ले क्रिकेट स्टेडियम में मंगलवार को इंग्लैंड ने 371 रन का टारगेट 5 विकेट खोकर हासिल किया। यह मैच शुरुआती 4 दिनों तक बराबरी पर था, आखिरी दिन इंग्लैंड को जीत के लिए 350 बनाने थे। टीम ने घरेलू परिस्थितियों में बेहतरीन बैटिंग करके जीत हासिल की। बेन डकेट (149 रन) और जैक क्रॉली (65 रन) ने 188 रन की रिकॉर्ड ओपनिंग पार्टनरशिप की।

1. **मिडिल-लोअर ऑर्डर का फेल होना** – भारतीय टीम का मिडिल ऑर्डर और लोअर मिडिल ऑर्डर दोनों पारियों में कोलैप्स कर गया। भारतीय टीम ने पहले पारी में आखिरी 6 विकेट मात्र 41 रन पर गंवा दिए। वहीं, दूसरी पारी में आखिरी 5 बैटर्स 31 रन के अंदर पवेलियन लौट गए। पहली पारी में करुण नायर शून्य, रवींद्र जडेजा 11 और शार्दूल ठाकुर एक रन बनाकर आउट हुए। इससे भारत पहली पारी में 500 के पार नहीं जा सका। दूसरी पारी में करुण नायर 20, रवींद्र जडेजा 25 और शार्दूल ठाकुर 4 रन बनाकर आउट हो गए। इस बार टीम इंग्लैंड को 400 पार का टारगेट नहीं दे सकी। जबकि, टीम ने दूसरी पारी में 5 विकेट पर 333 रन बना लिए थे।
2. **तीन गेंदबाजों का कमजोर प्रदर्शन** – लीड्स की पिच पर इंग्लैंड की दूसरी पारी के दौरान भारत की गेंदबाजी यूनिट खास प्रदर्शन नहीं कर सकी। साथ ही मुकाबले में चौथे-पांचवें गेंदबाज का प्रदर्शन कमजोर रहा। बुमराह-प्रसिद्ध के अलावा, कोई भी गेंदबाज इंग्लिश बैटर्स को परेशान नहीं कर सका। मोहम्मद सिराज और शार्दूल ठाकुर ने 2-2 और रवींद्र जडेजा ने एक विकेट लिया।
3. **खराब फील्डिंग, 9 कैच ड्रॉप किए** – भारत की हार की मुख्य वजह खराब फील्डिंग रही। टीम ने अहम मौकों पर 9 कैच छोड़े। इनमें से 6 कैच पहली पारी में छूटे, जबकि 3 कैच दूसरी पारी में ड्रॉप हुए। मैच में सेंचुरी लगाने वाले ओली पोप और बेन डकेट को 2-2 जीवनदान मिले। भारत की ग्राउंड फील्डिंग भी खराब रही।
4. **पांचवें दिन भी पिच का फ्लैट रहना** – आम तौर पर किसी टेस्ट मैच में पांचवें दिन बल्लेबाजी करना मुश्किल होता है। तब तक पिच काफी हद तक टूट जाती है, लेकिन हेडिंग्ले में ऐसा नहीं हुआ। पांचवें दिन भी पिच में गेंदबाजों के लिए कोई मदद मौजूद नहीं थी।
5. **क्रॉली-डकेट की रिकॉर्ड साझेदारी** – इंग्लिश टीम के बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। टीम से बेन डकेट और ओली पोप ने शतक लगाए। हैरी ब्रूक ने 99 रन बनाए। दूसरी इनिंग में इंग्लिश ओपनर्स जैक क्रॉली और बेन डकेट ने 188 रन जोड़े। यह निर्णायक साझेदारी साबित हुई। दोनों ने इंग्लैंड के लिए चौथी पारी में अब तक की दूसरी सबसे बड़ी ओपनिंग पार्टनरशिप की।

गंभीर बोले- सिर्फ शतक नहीं, जीत जरूरी

बुमराह 3 ही टेस्ट खेलेंगे, गिल की कप्तानी सटीक

लीड्स (एजेंसी)। लीड्स टेस्ट में 5 विकेट की हार के बाद भारतीय कोच गौतम गंभीर ने कहा, सिर्फ शतक नहीं, जीत मायने रखती है। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस के लिए आए गंभीर ने बुमराह और कप्तान शुभमन गिल की तारीफ की। उन्होंने तेज गेंदबाजों को लेकर कहा, भारत के युवा गेंदबाजों को समय देना होगा।

- **व्यक्तिगत प्रदर्शन अच्छा है लेकिन जीत सबसे बड़ी चीज** – ऋषभ पंत के दो शतकों पर जब सवाल पूछा गया, तब गंभीर ने कहा, इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में तीन और शतक भी लगे हैं। वही भी बड़े पॉजिटिव हैं। लेकिन सिर्फ शतक नहीं, जीत ज्यादा मायने रखती है। यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल (कप्तान के रूप में पहला टेस्ट), केएल राहुल और पंत इन पांच बल्लेबाजों के शतक पॉजिटिव बात हैं।ऋषभ पंत ने पहले टेस्ट की दोनों पारियों में शतक लगाया था। उन्होंने पहली पारी में 134 और दूसरी पारी में 118 रन बनाए थे।

- **बुमराह 3 ही टेस्ट खेलेंगे** – जसप्रीत बुमराह के सवाल पर गौतम गंभीर ने साफ किया है कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का पांच विकेट लेना शानदार था। हम अपनी योजना नहीं बदलेंगे। बुमराह के वर्कलोड को संभालना जरूरी है क्योंकि आगे और भी क्रिकेट है। बुमराह को इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में सिर्फ तीन टेस्ट ही खेलेंगे। अभी तय नहीं किया गया है कि वे अगले कौन-से दो टेस्ट खेलेंगे। गंभीर ने युवा गेंदबाजों पर भरोसा जताते हुए कहा, हमने जो टीम चुनी है, वो विश्वास के साथ चुनी है, न कि उम्मीद के भरोसे। हम मानते हैं कि ये गेंदबाज बेहतर करेंगे। इस टेस्ट में भी हम चार दिन तक अच्छी स्थिति में थे।

टेस्ट में पहली बार 5 शतक के बावजूद हारी टीम यह बने रिकार्डस

टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में भारत पहली ऐसी टीम बनी जिसके प्लेयर्स ने 5 शतक लगाए इसके बावजूद टीम को हार का सामना करना पड़ा। इंग्लैंड ने एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के पहले टेस्ट में भारत को 5 विकेट से हरा दिया। लीड्स के हेडिंग्ले क्रिकेट स्टेडियम में इंग्लैंड ने 371 रन का टारगेट 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया ।मंगलवार को मैच के आखिरी दिन मोहम्मद सिराज की इंग्लिश ओपनर्स बेन डकेट और जैक क्रॉली से बहस हो गई। बेन डकेट ने भारत के खिलाफ चौथी पारी में हाईएस्ट स्कोर बनाया। जसप्रीत बुमराह से क्रॉली का कैच छूटा।

हेडिंग्ले मैदान में 41 साल बाद चौथी पारी में किसी टीम की ओपनिंग साझेदारी 100 से ज्यादा की हुई। जैक क्रॉली और बेन डकेट ने मिलकर पहले विकेट के लिए 188 रन जोड़े। इससे पहले 1984 में वेस्टइंडीज के डेसमंड हेन्स और गॉर्डन ग्रीनिज ने 106 रन की साझेदारी की थी। 2010 के बाद पहली बार किसी इंग्लिश ओपनिंग बल्लेबाज ने चौथी इनिंग में सेंचुरी लगाई। बेन डकेट ने 149 रन की पारी खेली। 15 साल पहले एलिस्टेयर कुक ने बांग्लादेश के खिलाफ मीरपुर में नाबाद 109 रन बनाए थे ।हैरी ब्रूक टेस्ट क्रिकेट इतिहास में पहले ऐसे बल्लेबाज बने जो पहली पारी में 99 रन पर और दूसरी पारी में पहली ही गेंद पर (गोल्डन डक) आउट हुए।

इंग्लैंड ने हेडिंग्ले टेस्ट में अपना दूसरा सबसे बड़ा रन चेज किया। इससे पहले 2022 में भारत के खिलाफ में एजबेस्टन? में????? 378 रन का पीछा किया था। यह भारत के खिलाफ इंग्लैंड का दूसरा सबसे बड़ा रन चेज हैं ।टेस्ट क्रिकेट के 148 साल के इतिहास में इंडिया पहली टीम बनी है, जिसके प्लेयर्स ने एक ही मैच में पांच शतक लगाए लेकिन फिर भी मैच हार गई। इससे पहले ऐसा 1928-29 की एशेज सीरीज में हुआ था, जब ऑस्ट्रेलिया ने मेलबर्न टेस्ट में चार शतक लगाए थे। उसी मैच में डॉन ब्रैडमैन ने अपना पहला टेस्ट शतक (112 रन) भी बनाया था, लेकिन फिर भी ऑस्ट्रेलिया को हार मिली थी।

हम खराब फील्डिंग की वजह से हारे- गिल, डकेट बोले- जडेजा को सामने खेलना मुश्किल

भारतीय टीम एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के पहले टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ 5 विकेट से हार गई है। लीड्स के हेडिंग्ले क्रिकेट स्टेडियम में मंगलवार को मुकाबले के आखिरी दिन इंग्लैंड को 351 रन बनाने थे, जिसे टीम ने 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया। मैच के बाद भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने कहा- हम खराब फील्डिंग की वजह से मैच हारे। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने बेन डकेट को जीत का क्रेडिट दिया। वहीं प्लेयर ऑफ द मैच बेन डकेट बोले, जडेजा को सामने खेलना मुश्किल होता है।

- **ड्रॉप कैच से मैच हारे** – हार के बाद भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने कहा यह एक शानदार टेस्ट मैच था और हमारे पास मौके थे। लेकिन ड्रॉप कैच, और लोअर ऑर्डर का योगदान न मिलना हमारे लिए नुकसानदायक रहा। कल तक हम सोच रहे थे कि टारगेट 430 तक ले जाएंगे, लेकिन आखिरी विकेट सिर्फ 31 रन पर गिर गए, जिससे बढ़त कम रह गई। आज भी जब पहली विकेट की शानदार साझेदारी हुई, तो लगा कि हम गेम में हैं, लेकिन कुछ मौके हाथ में नहीं आए। पहले सेशन में हमारी गेंदबाजी बेहतरीन रही। हमने रन नहीं लुटाए, लेकिन जब गेंद पुरानी हो गई, तो रन रोकना मुश्किल होता है। ऐसे में विकेट लेते रहना जरूरी होता है। जडेजा ने बहुत अच्छी गेंदबाजी की, मौके बनाए। बुमराह के अगला मैच खेलने को लेकर गिल ने कहा हर मैच के हिसाब से बुमराह का खेलना तय होता है। अब लंबा ब्रेक है, तो अगला मैच नजदीक आने पर देखेंगे कि वो खेलेंगे या नहीं।
- **जडेजा को सामने खेलना मुश्किल** – प्लेयर ऑफ द मैच बेन डकेट ने कहा, यह वाकई अविश्वसनीय मैच था। भारत ने शानदार खेल दिखाया। पांचवें दिन इस तरह मैच को खत्म करना हमारे लिए एक जबरदस्त अनुभव रहा ।हमारी कोशिश थी कि चौथे दिन का अंत बिना विकेट गंवाए करें, जो हमने किया। आज सुबह हमारी सोच साफ थी। अगर हमने पूरे दिन बल्लेबाजी की, तो जीत मिल जाएगी ।कई बार हम इस मैच में पीछे भी थे, लेकिन हमारे गेंदबाजों ने शानदार वापसी की, खासकर टेलएंडर्स को जल्दी आउट करना अहम रहा। अगर वो 50-60 रन और जोड़ देते, तो यह बिल्कुल अलग मैच होता।
- **बुमराह वर्ल्ड-क्लास गेंदबाज** – बुमराह वर्ल्ड-क्लास गेंदबाज हैं, उन्होंने पहली पारी में हमें काफी परेशान किया। आज हमने उन्हें अच्छी तरह खेला और उनका असर कम किया, जो जीत की एक बड़ी वजह रही। जडेजा के खिलाफ रिवर्स स्वीप खेलने पर डकेट ने कहा उनको सामने खेलना मुश्किल होता है, इसलिए रिवर्स मेरा भरोसेमंद शॉट है।

शिवम दुबे ने मुंबई में खरीदे अपार्टमेंट, 27 करोड़ रुपए से ज्यादा है कीमत

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के ऑलराउंडर शिवम दुबे ने कथित तौर पर मुंबई में अपार्टमेंट खरीदे हैं। जानकारी के मुताबिक दुबे ने मुंबई के अंधेरी वेस्ट में दो अपार्टमेंट खरीदे हैं। ऑनलाइन प्रॉपर्टी पोर्टल स्क्वायर यार्ड्स द्वारा समीक्षा किए गए प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन दस्तावेजों के अनुसार, इन दोनों अपार्टमेंट की कीमत मिलाकर 27.50 करोड़ रुपए है। इस 31 वर्षीय क्रिकेटर ने इस महीने लेनदेन पंजीकृत किया है। अपार्टमेंट ओशिवारा में डीएलएच एन्क्लेव की बगल की मंजिलों पर हैं। रिपोर्ट के अनुसार अपार्टमेंट का कुल क्षेत्रफल 4200 वर्गफुट है। इस बीच 3800 वर्गफुट के कारपेट एरिया वाली एक छत भी है। दोनों अपार्टमेंट में तीन पार्किंग स्पेस हैं। कुल स्टांप

ड्यूटी 1.65 करोड़ रुपए और रजिस्ट्रेशन फीस 30,000 रुपए होने का अनुमान है।

आईपीएल 2025 में दुबे का प्रदर्शन कैसा रहा – पिछले दो सीजन में फ्रैंचाइजी के लिए अच्छा प्रदर्शन करने के बाद दुबे को मेगा-नीलामी से पहले टीम ने 12 करोड़ रुपए में रिटेन किया था। हालांकि टूर्नामेंट के 18वें संस्करण में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। उन्होंने 14 मैचों में 32.45 की औसत से 357 रन बनाए जिसमें उनका स्ट्राइक रेट केवल 132.22 रहा, जो 2021 के बाद से आईपीएल सीजन में उनका सबसे कम है। दुबे ने सीजन के दौरान अलग-अलग नम्बर पर बल्लेबाजी की क्योंकि सीएसके ने पांच बार के चैंपियन के लिए एक भूलने योग्य सीजन में आदर्श संयोजन खोज रहा था। सीएसके आईपीएल में पहली बार अंक तालिका में सबसे नीचे रहा।

भारत के 9 वर्षीय खिलाड़ी ने विश्व नम्बर 1 मैग्नस कार्लसन को ड्रॉ पर रोका

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के नौ वर्षीय आरित कपिल एक प्रमुख ऑनलाइन मंच पर आयोजित 'अर्ली टाइटल्ड ट्यूजडे' शतरंज टूर्नामेंट में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को हराने के करीब पहुंच गए थे लेकिन आखिर में उन्हें ड्रॉ पर संतोष करना पड़ा।

हाल ही में अंडर-9 राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में उप-विजेता रहे आरित ने पांच बार के विश्व चैम्पियन कार्लसन को हार के कगार पर पहुंचा दिया था लेकिन समय समाप्त होने और घड़ी में केवल कुछ सेकंड बचे होने के कारण यह युवा भारतीय खिलाड़ी अपनी बढ़त को भुनाने में असमर्थ रहा और उसे ड्रॉ पर मजबूर होना पड़ा।

आरित ने जॉर्जिया के अपने होटल से इस प्रतियोगिता में भाग लिया, जहां वह वर्तमान में अंडर-10 विश्व चैंपियनशिप में खेल रहे हैं। इस बीच भारत के वी प्रणव ने 11 में से 10 अंक लेकर 'अर्ली टाइटल्ड ट्यूजडे' का खिताब जीत लिया। अमेरिकी ग्रैंडमास्टर हैंस मोके नीमन और कार्लसन दोनों ने 9.5 अंक हासिल किए, लेकिन नीमन ने टाईब्रेक में दूसरा स्थान हासिल किया।

तिलक वर्मा ने काउंटी चैम्पियनशिप के डेब्यू पर जड़ा शतक

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच हेडिंग्ले क्रिकेट ग्राउंड पर पहले टेस्ट का अंतिम दिन जहां भारतीय गेंदबाजों को विकेट मिलने में मुश्किल हो रही है। वहीं दूसरी तरफ तिलक वर्मा ने यूके में हैम्पशायर के लिए खेलते हुए काउंटी चैम्पियनशिप में डेब्यू पर शतक लगा दिया है। बाएं हाथ के इस खिलाड़ी ने 98 के स्कोर से आगे खेलते हुए चेम्सफोर्ड में एसेक्स के खिलाफ शतक लगाया।

वर्मा ने तीसरे दिन कुछ ही समय में अपना पहला काउंटी शतक बनाया, लेकिन शुरुआत को आगे नहीं बढ़ा सके। उन्होंने 241 गेंदों पर 100 रन बनाए। लेकिन वह साइमन हार्मर द्वारा आउट हो गए। वर्मा ने अपनी पारी के दौरान 11 चौके और तीन छक्के लगाए। वर्मा 2019 में अजिंक्य रहाणे के बाद हैम्पशायर के लिए शतक बनाने वाले दूसरे भारतीय बन गए हैं। वर्मा ने दूसरे दिन के बाद कहा, मैं रहाणे से कह सकता हूं कि मैंने भी यहां शतक बनाया है।

आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए खेलने वाले 22 वर्षीय रोमांचक खिलाड़ी सबसे बेहतरीन टी20 बल्लेबाजों में से एक हैं। नई आईसीसी रैंकिंग में वह दुनिया में नंबर 3 रैंक वाले टी20 बल्लेबाज है।

नीरज चोपड़ा ने 4 दिन के अंदर दूसरा टूर्नामेंट जीता

गोल्डन स्पाइक मीट में नंबर-1 रहे, 85.29मी. भाला फेंका

ओस्त्रावा (एजेंसी)। भारत के स्टार जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने गोल्डन स्पाइक मीट में पहला स्थान हासिल किया है। वे लगातार दूसरे टूर्नामेंट में नंबर-1 पर रहे हैं। नीरज ने 4 दिन पहले 20 जून को पेरिस डायमंड लीग में पहला स्थान हासिल किया था। नीरज ने मंगलवार रात को चेक ?रिपब्लिक (ओस्त्रावा) में आयोजित इस टूर्नामेंट में 85.29 मीटर भाला फेंका और पहले स्थान पर रहे। द. अफ्रीका के डोव स्मित (84.12 मीटर) पर्सनल बेस्ट के साथ दूसरे और ग्रेनाडा के एंडरसन पेटर्स (86.63 मीटर) तीसरे नंबर पर रहे। नीरज इस समय वर्ल्ड एथलेटिक्स के कॉन्टीनेंटल टूर पर हैं। इस टूर्नामेंट में 9 प्लेयर्स ने हिस्सा लिया। उन्होंने को पेरिस डायमंड लीग भी जीती थी।

तीसरे प्रयास में आया नीरज का बेस्ट थ्रो

प्रतियोगिता में नीरज चोपड़ा का बेस्ट थ्रो तीसरे प्रयास में आया। उन्होंने फाउल से शुरुआत की। फिर 83.45 मीटर स्कोर किया। नीरज 85.29 मीटर के थ्रो के साथ वे टॉप पर आ गए। उन्होंने अगले 2 थ्रो में क्रमश- 82.17 मीटर और 81.01 मीटर स्कोर किया। आखिरी थ्रो फाउल रहा।

शुभमन गिल की मैदान पर आभा रोहित और विराट जैसी प्रभावशाली नहीं : इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन

लीड्स (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला के शुरूआती टेस्ट में पांच विकेट से शिकस्त मिलने के बाद भारत के नए कप्तान शुभमन गिल की रणनीति की आलोचना के बीच पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने कहा कि 'मैदान पर उनमें रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसा आभा नहीं दिखी।% भारत को इस मैच में पांच शतकीय पारियों के बाद भी हार का सामना करना पड़ा। इंग्लैंड ने मंगलवार को मैच के पांचवें दिन 371 रन का लक्ष्य पांच विकेट गंवाकर हासिल कर लिया। टीम ने इसके साथ ही श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली।

रोहित शर्मा के बाद कप्तान के रूप में अपने पहले टेस्ट में गिल को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा और हुसैन ने कहा कि यह युवा खिलाड़ी कप्तान के तौर पर 'सक्रिय होने के बजाय प्रतिक्रिया दे रहा था। हुसैन ने कहा, 'मैंने देखा कि कोई तरीका ढूंढने की कोशिश कर रहा था। उसके (गिल) पास मैदान पर रोहित और (विराट कोहली) जैसी आभा नहीं दिखी। मुझे लगा कि वह सक्रिय होने के बजाय प्रतिक्रिया दे रहा था।

उन्होंने कहा, 'जब रोहित और कोहली टीम की कप्तानी कर रहे थे तब आपको देख कर ही समझ आ जाता था कि कौन नेतृत्व कर रहा है लेकिन इस मैच में मुझे लगा कि दो या तीन कप्तान है। ऐसा लगा जैसे एक समिति टीम का नेतृत्व कर रही है। हुसैन ने कहा कि भारत मैच इसलिए हार गया क्योंकि गिल दो चीजों (कैच छोड़ना और निचले क्रम के बल्लेबाजों का घुटने टेकना) को नियंत्रित नहीं कर सके।

उन्होंने कहा, 'टीम की यह स्थिति मुझे चिंतित करती है। भारत के पास लंबे समय से रविचंद्रन अश्विन, रविंद्र जडेजा और अक्षर पटेल जैसे शानदार स्पिन-गेंदबाजी हरफनमौला रहे हैं। वे हालांकि इंग्लैंड में अब भी एक तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर की तलाश कर रहे हैं जो बल्लेबाजी कर सके। इंग्लैंड के लिए 1990 से 2004 के बीच 96 टेस्ट खेलने वाले इस 57 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा, 'भारतीय टीम अगर 31 रन पर छह विकेट और 41 रन पर सात विकेट गंवाते रही तो तो इस श्रृंखला का परिणाम जल्दी तय हो जाएगा।

भारत के पूर्व कोच रवि शास्त्री का मानना है कि गिल ने 'उनसे जितना अपेक्षित था, उससे कहीं अधिक किया है। शास्त्री ने कहा, 'इस परिणाम के बावजूद कोचिंग स्टाफ के लिए इस मैच में कई सकारात्मक पहलू है। गिल ने एक कप्तान के रूप में उससे कहीं अधिक किया है, जितना अपेक्षित था। शास्त्री ने कहा, '' उन्होंने अपने पहले टेस्ट में शतक बनाया। खिलाड़ियों का कैच छोड़ना उसके नियंत्रण में नहीं है।

गिल ने भारत की पहली पारी में 471 रन के कुल स्कोर में 147 रन बनाए। उन्होंने दूसरी पारी में आठ रन बनाए। शास्त्री ने कहा, 'भारत के लिए इस हार को पचा पाना मुश्किल होगा। आप अक्सर ऐसी स्थिति में नहीं आते और वहां से हार मान लेते हैं। उनके पास इंग्लैंड को मुकाबले से बाहर करने के कई मौके थे। शास्त्री ने कहा, 'उन्हें सीखना होगा और उन्हें निचले क्रम के बल्लेबाजों से अधिक सहयोग की जरूरत है। आपको अपने विकेट की कीमत को समझना होगा।

पूर्व भारतीय हरफनमौला ने यह भी कहा कि टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को दो जुलाई से बर्मिंघम में शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट में खेलना चाहिए। उन्होंने कहा, 'अगर वह आराम की सोच रहे थे तो आपको दो बार सोचना पड़ सकता है। बुमराह अगर उस मैच को नहीं खेलते हैं और आप 2-0 से पिछड़ जाते हैं तो वापसी करना काफी कठिन होगा। मैच की पहली पारी में पांच विकेट लेने वाले बुमराह की योजना इस श्रृंखला में तीन मैच खेलने की है। इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड का भी मानना है कि भारत के पास टेस्ट जीतने के मौके थे लेकिन उन्होंने उन्हें गंवा दिया।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के ऑन करें
www.pratahkiran.com
@Pratahkiran
epaper.pratahkiran.com
@Pratahkiran

संक्षिप्त समाचार

बुलडोजर कार्रवाई के खिलाफ हाईकोर्ट ने लगाई फटकार, 10 लाख का मुआवजा, अधिकारी से वसूले जाएंगे 2 लाख

भुवनेश्वर, एजेंसी। उड़ीसा हाईकोर्ट ने बुलडोजर कार्रवाई के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए राज्य सरकार को 10 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है। यह मुआवजा एक सामुदायिक केंद्र की संपत्ति को गैरकानूनी ढंग से गिराए जाने के मामले में दिया गया है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट निर्देश दिया कि इस मुआवजे में से 2 लाख रुपये संबंधित तहसीलदार की वेतन से वसूले जाएं जिन्होंने यह आदेश जारी किया था। हाईकोर्ट ने प्रशासनिक जवाबदेही तय करने के इरादे से तहसीलदार से वसूली का फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट ने सरकार को फटकार लगाते हुए कहा कि यह कार्रवाई न्यायिक आदेशों की स्पष्ट अवहेलना थी और कार्यपालिका की शक्ति का दुरुपयोग दर्शाती है। कोर्ट ने इसे कार्यपालिका की मनमानी और कानून के शासन के खिलाफ बताया।

आपको बता दें कि बुलडोजर जस्टिस की व्यापक पैमाने पर शुरुआत उत्तर प्रदेश से हुई थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार ने कई अपराधियों के घर पर बुलडोजर चलवाए। हालांकि उनकी सरकार को सुप्रीम कोर्ट से फटकार का सामना भी करना पड़ा, लेकिन आज भी उत्तर प्रदेश में यह ऐक्शन जारी है। उत्तर प्रदेश के बाद मध्य प्रदेश में भी बड़े पैमाने पर ऐसी कार्रवाई देखने को मिली थी। इसके बाद और भी कई राज्यों में संगान अपराध में नाम आने पर अपराधियों के घरों पर बुलडोजर चलाए गए।

चंडीगढ़ महापौर चुनाव में नहीं होगा गुप्त मतदान, अब पार्षद ऐसे डालेंगे वोट

चंडीगढ़ , एजेंसी। चंडीगढ़ नगर निगम के महापौर, वरिष्ठ उप महापौर और उप महापौर के पदों के लिए चुनाव अब गुप्त मतदान के जरिये नहीं होगा बल्कि पार्षद हाथ उठाकर अपना मत पसंदीदा उम्मीदवार के पक्ष में देंगे। पंजाब के राज्यपाल एवं केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने मंगलवार को चंडीगढ़ नगर निगम (कार्य-प्रक्रिया एवं संचालन) विनियम, 1996 में संशोधन को मंजूरी दी।

यहां जारी एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, इस संशोधन के साथ, महापौर, वरिष्ठ उप महापौर और उप महापौर का चुनाव अब पहले की गुप्त मतदान पद्धति के स्थान पर हाथ उठाकर किया जाएगा। कटारिया ने कहा कि नई प्रणाली से चुनाव प्रक्रिया में अधिक पारदर्शिता आएगी तथा निर्वाचित प्रतिनिधियों की भूमिका स्पष्ट होगी।

उन्होंने उम्मीद जताई कि इस बदलाव से नगर निगम की कार्यप्रणाली और प्रशासन में सुधार आएगा तथा लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में विश्वास और मजबूत होगा। पिछले साल चंडीगढ़ महापौर चुनाव के दौरान उस समय विवाद खड़ा हो गया था, जब तत्कालीन पीठासीन अधिकारी अनिल मसीह द्वारा आम आदमी पार्टी (आप)-कांग्रेस के पक्ष में पड़े आठ मतों को अमान्य करार दिए जाने का वीडिया वायरल हो गया। महापौर चुनाव को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी गई और उसने इस चुनाव को अमान्य करार दिया। न्यायालय ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवार की जीत को रद्द करते हुए आप प्रत्याशी कुलदीप कुमार को विजयी घोषित किया।

हिमाचल के स्कूलों में अब न्यूज की भी पढ़ाई, सीएम का आदेश, लगाने होंगे सत्र

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश की सुखविंदर सिंह सुक्खू की सरकार सूबे के स्कूलों के लिए एक नया निर्देश जारी किया है। सूबे के शिक्षा विभाग ने सभी सरकारी स्कूलों को सुबह की सभाओं में दैनिक समाचार वाचन सत्र को शामिल करने का निर्देश दिया है। शिक्षा विभाग के एक प्रवक्ता ने मंगलवार को बताया कि इस बारे में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की ओर से निर्देश जारी किए गए हैं। सीएम की ओर से आदेश जारी किए जाने के बाद सूबे के सरकारी स्कूलों में सुबह की सभाओं में दैनिक समाचार वाचन सत्र को शामिल किया जाना सुनिश्चित करने के लिए सभी उप निदेशकों को लिखित निर्देश जारी किए गए हैं। बताया जाता है कि यह फैसला कुल्लू जिले के बागा सराहन में सरकारी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में मुख्यमंत्री के हाल के औचक दौरे के बाद लिया गया है।

शक्तिपीठ एक्सप्रेसवे: महाराष्ट्र में बनेगा देश का सबसे लंबा एक्सप्रेसवे, 8 घंटे और 800 किलोमीटर का सफर

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र सरकार ने मंगलवार को कैबिनेट मीटिंग के बाद शक्तिपीठ एक्सप्रेसवे के निर्माण का ऐलान किया। कैबिनेट मीटिंग में इस एक्सप्रेसवे को मंजूरी दी गई और इसके लिए 20 हजार करोड़ से ज्यादा के फंड को मंजूरी दी गई। यह एक्सप्रेसवे बेहद खास है क्योंकि किसी एक राज्य के अंदर ही बनने वाला देश का यह सबसे लंबा एक्सप्रेसवे होगा। इससे पहले मुंबई-नागपुर एक्सप्रेसवे और यूपी का प्रयाग एक्सप्रेसवे सबसे लंबे थे। इस एक्सप्रेसवे के माध्यम से नागपुर से सीधा गोवा पहुंचा जा सकेगा और यह कुल 805 किलोमीटर लंबा होगा। सरकार का प्लान है कि इस एक्सप्रेसवे का पूरा सफर 8 घंटे में तय हो सके। इस तरह लोग 8 घंटे में ही 800 किलोमीटर का रास्ता तय कर लेंगे।

पूर्वी महाराष्ट्र से कोंकण और सीधे गोवा पहुंचाने वाला यह एक्सप्रेसवे 12 जिलों को जोड़ेगा। इससे

महाराष्ट्र के विदर्भ समेत कई पिछड़े जिलों के विकास को गति मिलने की उम्मीद है। फिलहाल नागपुर से यदि सड़क मार्ग से आप गोवा जाना चाहते हैं तो 18 घंटे का वक्त लगता है, जो घटकर महज 8 घंटे रह जाएगा। इस तरह 10 घंटों का वक्त यह एक्सप्रेसवे बचाएगा। इस एक्सप्रेसवे का नाम शक्तिपीठ इसलिए रखा गया है क्योंकि यह महालक्ष्मी, तुलजाभवानी और पत्रादेवी शक्तिपीठ को जोड़ेगा। इसके अलावा पंढरपुर, नांदेड़ और सेवाग्राम जैसे स्थानों को भी इससे जोड़ा जा सकेगा। सिखों का पवित्र तीर्थ स्थल तख्त सचखंड साहिब नांदेड़ में ही स्थित है।

यह एक्सप्रेसवे वर्धा के पावनार से शुरू होगा और उत्तर गोवा के पत्रादेवी में समाप्त होगा। इस एक्सप्रेसवे के बनने से महाराष्ट्र के ही कई जिले आपस में जुड़ेंगे तो वहीं मध्य भारत से भी गोवा पहुंचना आसान होगा। महाराष्ट्र के औद्योगिक विकास के लिए भी इसे अहम माना जा रहा है। इस एक्सप्रेसवे का प्रस्ताव एकनाथ शिंदे सरकार के दौर में देवेंद्र फडणवीस ने ही रखा था, जो तब डिप्टी सीएम हुआ करते थे। अब उन्होंने इसके अमल को मंजूरी दे दी है। बता दें कि देश का सबसे लंबा एक्सप्रेसवे भी महाराष्ट्र को दिल्ली से जोड़ रहा है। इस तरह महाराष्ट्र में एक यह और बड़ा प्रोजेक्ट शुरू हो रहा है। दिल्ली से मुंबई को जोड़ने वाला एक्सप्रेसवे 1450 किलोमीटर लंबा है और इसके एक हिस्से में वाहन चलना शुरू भी हो गए हैं।

अल्पसंख्यक कॉलेजों में नहीं मिलेगा आरक्षण का लाभ, महाराष्ट्र में जल्द जारी होगी पहली मेरिट लिस्ट

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र सरकार द्वारा सोमवार को एक सरकारी निर्णय जारी कर यह स्पष्ट कर दिया गया है कि एससी, एसटी और ओबीसी आरक्षण अल्पसंख्यक कॉलेजों पर लागू नहीं होगा। हालांकि, कई कॉलेज अब भी बदले हुए सीट मैट्रिक्स के अनुसार दाखिला ले रहे हैं। इससे 11वीं कक्षा की पहली मेरिट सूची गुरुवार को जारी होने पर संशय बन गया है। सूत्रों के अनुसार, सोमवार के आदेश के बाद कई अल्पसंख्यक कॉलेजों ने मंगलवार को छात्रों को दोबारा बुलाया और उनसे नए आवेदन भरवाए गए। उन पर ताजा तारीख (मंगलवार) लिखवाई गई और उनसे

शुक्रवार तक फीस जमा करने को कहा गया। इस साल 10वीं की परीक्षा जल्दी हुई और 13 मई को ही परिणाम घोषित कर दिए गए, जिससे छात्रों को पहले दाखिले की उम्मीद थी। लेकिन उसके बाद सरकार ने पहले नया केंद्रीकृत प्रवेश प्रणाली लागू करने की कोशिश की और फिर अल्पसंख्यक संस्थानों में आरक्षण लागू करने की योजना बनाई, जिससे पूरी प्रक्रिया में विलंब हो गया।

मेरिट लिस्ट की तारीख पर स्थिति स्पष्ट नहीं: एडमिशन सेल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, हम देख रहे हैं कि क्या गुरुवार को पहली मेरिट सूची घोषित की जा सकती है। हम बुधवार को सभी जानकारियां एकत्र कर अंतिम निर्णय लेंगे कि सूची गुरुवार को जारी हो पाएगी या छात्रों को और समय देना पड़ेगा। बदले हुए नियमों और बार-बार की गई प्रक्रियागत फेरबदल ने छात्रों और अभिभावकों में भ्रम और चिंता पैदा कर दी है। कई अभिभावकों ने शिकायत की है कि अल्पसंख्यक कॉलेजों में अब भी पहले आरक्षण के आधार पर सीटें भरने की प्रक्रिया चल रही है, जो सोमवार के जीआर के अनुसार न्यायसंगत नहीं है।

जस्टिस वर्मा पर क्यों नहीं हुई एफआईआर

कोड ऑफ कंडक्ट का पालन नहीं कर रहे जज, सांसदों ने उठाए सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। कैश कांड में बुरे फंसे जस्टिस यशवंत वर्मा पर संसदीय पैनल ने भी सवाल उठाए हैं और सरकार से पूछा है कि आखिर उनके खिलाफ अब तक कोई एफआईआर क्यों नहीं दर्ज हुई। मंगलवार को कानून एवं न्याय मामलों की संसदीय समिति की मीटिंग हुई, जिसमें सांसदों ने न्यायपालिका में भ्रष्ट आचरण को लेकर चिंता जताई। सांसदों ने कहा कि एक जज के यहां बड़े पैमाने पर कैश पाया जाना सोचने वाली बात है। इसके अलावा उन्होंने जजों के राजनीतिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेने और संपत्ति घोषित करने में देरी को लेकर भी सवाल उठाया।

सदस्यों का सीधा सवाल यही था कि दिल्ली हाई कोर्ट के जज जस्टिस यशवंत वर्मा के घर पर जब बड़े पैमाने पर कैश पाया गया तो इस मामले में एफआईआर क्यों नहीं हुई है। फिलहाल जस्टिस वर्मा इलाहाबाद हाई कोर्ट के जज हैं और इस कांड के बाद उनका ट्रांसफर हो गया था। बंगाल के एक सांसद ने तो सीधा सवाल दागा कि जब अनियमितता के आरोपों में 25 हजार से ज्यादा अध्यापकों को नौकरी से हटा दिया गया तो फिर जज के खिलाफ कोई ऐक्शन क्यों नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि इन अध्यापकों की तो जॉइनिंग भी 2016 में हुई थी। एक सांसद ने कहा कि आखिर यह क्या ऐक्शन हुआ कि गंभीर आरोपों में घिरे जज का सिर्फ एक हाई कोर्ट से दूसरे में ट्रांसफर कर दिया गया।

कोड ऑफ कंडक्ट का क्यों नहीं हो रहा पालन

कुछ सदस्यों ने जजों के लिए बने 16 पॉइंट के कोड ऑफ कंडक्ट का पालन न होने पर भी सवाल किया। यह कोड ऑफ कंडक्ट सुप्रीम कोर्ट ने ही 1997 में लागू किया था। सांसदों ने कहा कि जजों के लिए यह कोड ऑफ कंडक्ट सिर्फ कागजों में ही है। इसके 2023 में सिफारिश की गई थी कि जजों को अपनी संपत्ति घोषित करनी चाहिए, लेकिन इसका पालन भी अधूरा ही है।

संपत्ति घोषित करने में देरी पर भी उठे सवाल

उन्होंने कहा कि कई जज तो अब तक संपत्ति घोषित करने से बच रहे हैं। इसके अलावा जजों के राजनीतिक दलों या उनसे जुड़े संगठनों के आयोजनों में हिस्सा लेने पर भी सवाल खड़े किए गए। सदस्यों ने कहा कि चिंता की बात यह भी है कि कुछ जज रिटायरमेंट के बाद भी पद ले रहे हैं। इस मीटिंग में विपक्षी दलों से जुड़े सांसदों ने जस्टिस शेखर यादव का भी जिक्र किया। वह विश्व हिंदू परिषद के एक आयोजन में शामिल हुए थे और उनके कुछ बयानों पर विवाद खड़ा हो गया था।

अजमेर हाईवे पर केमिकल टैंकर पलटा, आग में झुलसकर ड्राइवर की मौत

अजमेर , एजेंसी। अजमेर हाईवे बुधवार सुबह उस वक्त दहशत की जद में आ गया जब एनएच-48 पर मौखमपुरा के पास एक केमिकल टैंकर ने भीषण हादसे का रूप ले लिया। सुबह करीब 8:30 बजे का समय था, जब रोज की तरह लोग अपने-अपने गंतव्यों की ओर बढ़ रहे थे। तभी अचानक एक मेथेनॉल से भरा टैंकर बेकाबू होकर पलटा और पलटते ही आग का भीषण गोला बन गया।

कुछ ही सेकेंड में टैंकर धू-धू कर जलने लगा और देखते ही देखते पूरी सड़क आग की लपटों में घिर गई। हादसे में टैंकर का ड्राइवर राजेन्द्र जिंदा जल गया, उसका शव पूरी तरह से जलकर राख हो गया। मौके पर मौजूद लोग सिर्फ चीखते-चिल्लाते रह गए। जो जहां था, वहां से जान बचाकर भागा। हाईवे पर भगदड़ मच गई, लोग अपने वाहन सड़क किनारे छोड़ खेतों की ओर दौड़ पड़े। वहां मौजूद हर शख्स की आंखों के सामने जलती लपटों में एक जिंदगी खत्म हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टैंकर पलटते ही एक तेज धमाका हुआ और फिर चारों तरफ धुएं और आग का गुबार फैल गया। ट्रैफिक थम गया, लोग कांप उठे। विशाल नाम के युवक ने बताया कि वह जयपुर की ओर जा रहा था, तभी सामने से टैंकर पलटा और अगले ही पल आग का भयानक नजारा देखने को मिला। हम सब डर के मारे कार से उतर गए और जितनी तेजी से हो सका, पीछे की ओर भागे। आसपास की सभी गाड़ियां रुक गईं, हर कोई अपनी जान बचाने में लगा था।

सूचना मिलते ही मौखमपुरा थाना पुलिस और दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं।

आसाराम की जमानत अवधि बढ़ाने की अर्जी, गुजरात हाईकोर्ट ने सरकार से मांगा जवाब

अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात हाईकोर्ट ने मंगलवार को स्वयंभू संत आसाराम द्वारा अपनी अस्थायी जमानत की अवधि बढ़ाने के लिए दायर की गई याचिका पर राज्य सरकार से जवाब मांगा। साल 2013 के एक दुष्कर्म मामले में आसाराम (86) को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। आसाराम फिलहाल मेडिकल ग्राउंड पर जमानत पर है।

जस्टिस इलेश वोरा और जस्टिस संदीप भट्ट की खंडपीठ ने सरकार को नोटिस जारी कर 27 जून तक जवाब मांगा है। उच्च न्यायालय ने 28 मार्च को आसाराम को तीन महीने की अस्थायी जमानत दी थी, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट द्वारा उसे पूर्व में दी गई अंतरिम जमानत 31 मार्च को समाप्त हो रही थी। हाईकोर्ट की एक खंडपीठ ने एक विभाजित फैसला सुनाया था जिसके बाद एक तीसरे न्यायाधीश, जिनके पास मामला भेजा गया था। फिर अदालत ने आसाराम को तीन महीने की अस्थायी जमानत देने के पक्ष में फैसला सुनाया।

इजरायल के खिलाफ सैन्य अभियान जारी रखेगा हूती समूह

अल-बुखैती ने किया ऐलान

अदन, एजेंसी। यमन के हूती समूह ने घोषणा की है कि वह इजरायल के खिलाफ सैन्य अभियान को जारी रखेगा। हूती समूह का यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान और इजरायल के बीच संघर्ष विराम की घोषणा के कुछ घंटों बाद आया है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, हूती राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य मोहम्मद अल-बुखैती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक बयान में यह बात कही। अल-बुखैती ने लिखा, अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान के साथ संघर्ष विराम स्वीकार करना यह साबित करता है कि सैन्य बल ही एकमात्र भाषा है, जो वे समझते हैं।

हूती अधिकारी ने जोर देकर कहा कि समूह के इजरायल के खिलाफ सैन्य अभियान तब तक जारी रहेंगे, जब तक गाजा पर हमला बंद नहीं होता और घेराबंदी नहीं हटाई जाती। 13 जून को इजरायल ने ईरान के विभिन्न क्षेत्रों पर बड़े हवाई हमले किए थे। ये हमले परमाणु और सैन्य ठिकानों पर किए गए थे, जिसमें वरिष्ठ कमांडर, परमाणु वैज्ञानिक और नागरिक मारे गए। इसके जवाब में ईरान ने इजरायल पर कई मिसाइल और ड्रोन हमले किए, जिससे कई लोग हताहत हुआ और भारी नुकसान हुआ।

शनिवार को अमेरिकी वायु सेना ने ईरान के तीन परमाणु ठिकानों फोर्डो, नतांज और इस्फाहान पर बमबारी की। जवाब में ईरान ने सोमवार को कतर में अमेरिकी अल उदेद एयर बेस पर मिसाइलों से हमला किया। ईरान के हमले के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि दोनों पक्षों के बीच संघर्ष विराम मंगलवार को सुबह (स्थानीय समयानुसार 9:30) से शुरू होगा। ईरान और इजरायल दोनों ने बाद में संघर्ष विराम शुरू होने की पुष्टि की। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा 'सीजफायर लागू' होने की घोषणा और इसे न तोड़ने की अपील के बीच इजरायल ने युद्धविराम प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया और कहा कि उसने ईरान के साथ अमेरिका के प्रस्तावित द्विपक्षीय युद्धविराम को स्वीकार कर लिया है। इजरायल ने मंगलवार को जारी एक बयान में कहा, वह ईरान के साथ द्विपक्षीय युद्धविराम के लिए अमेरिका के प्रस्ताव पर सहमत है और इसका उल्लंघन होने पर जोरदार जवाब देगा। इजरायल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया, प्रधानमंत्री ने कैबिनेट, रक्षा मंत्री, सेना प्रमुख और मोसाद प्रमुख के साथ बैठक की। इजरायल ने 'ऑपरेशन राइजिंग लायन' के सभी लक्ष्य हासिल कर लिए हैं।

ताहो झील में नाव पर जन्मदिन का जश्न मना रहा था परिवार

अचानक आया तेज तूफान; आठ लोगों की मौत

सैन फ्रांसिस्को, एजेंसी। कैलिफोर्निया की ताहो झील में बड़ा हादसा हुआ। अचानक आए तूफान ने एक परिवार की खुशियां काफूर कर दीं। तूफान के चलते झील में नाव पर जन्मदिन का जश्न मना रहे एक परिवार के चार लोगों समेत आठ की मौत हो गई। जबकि दो लोगों को कड़ी मशक्कत के बाद बचाया गया। उत्तरी कैलिफोर्निया के रेडवुड सिटी 73 वर्षीय टेरी पिक्ल्स ताहो झील में अपने बेटे सैन फ्रांसिस्को निवासी 37 वर्षीय जोश पिक्ल्स की नाव पर अपनी पत्नी 71 वर्षीय पाउला बोजिनोविच का जन्मदिन मना रहे थे। इस दौरान अचानक आए तेज तूफान में नाव पलट गई। हादसे में जोश पिक्ल्स, उनके पिता टेरी पिक्ल्स, मां पाउला बोजिनोविच और लिंकन निवासी उनके चाचा 72 वर्षीय पीटर बेयस की मौत हो गई।

जोश पिकल्स की पत्नी जॉर्डन सुगर-कार्ल्सगार्ड ने कहा कि हम उस दर्द और पीड़ा को शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकते हैं जो हमें यह जानकर महसूस हो रहा है कि झील पर आनंदमय समय बिताने के दौरान उनकी जान चली गई। हमारी संवेदनाएं उन लोगों के साथ हैं जिन्होंने दुखद रूप से अपनी जान गवां दी।

परिवार के प्रवक्ता सैम सिंगर ने बताया कि सभी लोग पाउला बोजिनोविच का जन्मदिन मना रहे थे। जबकि जोश पिक्ल्स की पत्नी अपनी सात महीने की बेटी की देखभाल के लिए घर पर ही रहीं। उन्होंने बताया कि जोश और जॉर्डन की शादी 2023 में हुई थी। उन्होंने सैन फ्रांसिस्को में कई टेक कंपनियों में काम किया। जोश डोरडैश में और जॉर्डन एयरबीएनबी में काम करते थे। वे अपना समय खाड़ी क्षेत्र और ताहो झील के पास बने घर में बिताते थे।

डोरडैश के मुख्य वित्तीय अधिकारी रवि इनुकोंडा ने कहा कि जोश लगभग सात साल से कंपनी में काम कर रहे थे। वह अपनी टीम से प्यार करते थे और उन सभी के लिए प्रेरणा थे जिन्हें उन्हें जाना। हमारी संवेदनाएं उनकी पत्नी, उनकी बेटी, उनके परिवार और उनके करीबी सभी लोगों के साथ हैं। अमेरिकी तटरक्षक अधिकारियों ने बताया कि 27 फुट (8 मीटर) लंबे क्रिस-क्राफ्ट नाव पर दस लोग सवार थे। शनिवार दोपहर को तूफान के कारण ऊंची लहरें उठीं और नाव झील के दक्षिण-पश्चिमी किनारे पर डीएल ब्लिस स्टेट पार्क के पास पलट गई।

ग्रीस दौरे पर पहुंचे भारतीय वायुसेना प्रमुख एपी सिंह, रक्षा साझेदारी को मिलेगी नई रफ्तार

एथेंस, एजेंसी। भारत और ग्रीस के रक्षा संबंधों को और मजबूती देने के मकसद से भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह आधिकारिक दौरे पर ग्रीस पहुंचे हैं। इस दौरे के दौरान ग्रीस की वायुसेना की ओर से उनका भव्य स्वागत किया गया और उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। दोनों देशों के बीच जारी सैन्य सहयोग को नई दिशा देने की उम्मीद इस दौरे से जताई जा रही है।

सोमवार को एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ग्रीस पहुंचे। वहां पापागु मिलिट्री बेस स्थित हेलेनिक एयर फोर्स जनरल स्टाफ में ग्रीस के वायुसेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल डिमोस्थेनिस ग्रिगोरियादिस ने उनका औपचारिक स्वागत किया। इस दौरान उन्हें ग्रीस की वायुसेना की संरचना, मिशन और संचालन गतिविधियों की जानकारी दी गई।

लड़ाकू इकाइयों का किया दौरा

भारतीय वायुसेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि इस दौरे का मुख्य उद्देश्य संचालन और प्रशिक्षण के क्षेत्र में दोनों देशों

के बीच सहयोग को और मजबूती देना है। एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने ग्रीस की लड़ाकू इकाइयों का दौरा किया और स्टाफ टॉक्स में हिस्सा लिया। दोनों देशों की वायुसेनाएं पहले भी संयुक्त सैन्य अभ्यास जैसे इनियोखोस-23, इनियोखोस-25 और तरंग शक्ति-24 में भाग ले चुकी हैं।

दोनों सेनाएं साथ करेंगी प्रशिक्षण

गौरतलब है कि इन सैन्य अभ्यासों के जरिए दोनों देशों की सेनाओं के बीच इंटरऑपरेबिलिटी यानी एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करने की क्षमता में इजाफा हुआ है। इसके साथ ही रणनीतिक साझेदारी भी मजबूत हुई है, जो वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में बेहद अहम मानी जा रही है।

वायुसेना अकादमी का भी किया दौरा

दौरे के दौरान एयर चीफ मार्शल सिंह, ग्रीस की लड़ाकू इकाइयों के अलावा डेकलिया एयर बेस स्थित हेलेनिक वायुसेना अकादमी का भी दौरा करेंगे। इस दौरान दोनों देशों के सैन्य अधिकारियों के बीच आपसी प्रशिक्षण, तकनीकी सहयोग और संयुक्त सैन्य योजनाओं पर विस्तार से बातचीत होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि जब भूमध्य सागर और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में सुरक्षा चुनौतियां बढ़ रही हैं, ऐसे समय में भारत और ग्रीस का सैन्य सहयोग दोनों देशों की सामरिक तैयारियों को मजबूती देगा। एयर चीफ मार्शल एपी सिंह का यह दौरा न सिर्फ रक्षा साझेदारी को नई ऊंचाई देगा बल्कि भारत की वैश्विक सैन्य कूटनीति को भी मजबूत करेगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129